राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 330
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 11 जून 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 एशिया के सबसे बड़े रेडिमेड कपड़ा मार्केट को पुनर्विकसित करेगी केजरीवाल सरकार, परियोजना पर काम हुआ तेज
पेज 5 साल के अंत में पूरा हो जाएगा अयोध्या स्टेशन का काम, एक लाख यात्री प्रति दिन आने की तैयारी
पेज 7 यूक्रेन के लिए लड़ रहे 3 विदेशी नागरिकों को रूसी अलगाववादियों ने दी मौत की सजा

यूपी में जुमे की नमाज के बाद हिंसा: प्रयागराज में देसी बम चले

लखनऊ/प्रयागराज। जिसका डर था। वही हुआ। शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद यूपी के कई शहरों में हिंसा भड़क गई। प्रयागराज में हालात सबसे ज्यादा खराब हो गए। पथराव में डीएम, एसएसपी, एडीजी, आईजी घायल हो गए। एसपी की गाड़ी टूट गई है। पीएसी के वाहन समेत 7 से ज्यादा गाड़ियों को फूंक दिया गया। आगजनी की गई।
प्रयागराज में हालात इतने बिगड़ गए कि एडीजी को बंदूक उठानी पड़ी। अब यहां दो बुलडोजर मंगाए गए हैं, जो बवाल में शामिल लोगों के अवैध निर्माण को ध्वस्त करेंगे। अधिकारियों ने लोगों से उनके घरों से जुड़े कागज मांगे हैं। गृह मंत्रालय का अलर्ट- उपद्रवियों के निशाने पर राज्यों के छ्वत्रक्क देशभर में प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के बाद गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस प्रमुखों (छ्वत्रक्क) को सतर्क रहने का निर्देश जारी किया है। गृह मंत्रालय ने कहा है कि इस तरह की हिंसक घटनाओं में उपद्रवी पुलिस अधिकारियों को निशाना बना सकते हैं। ऐसे में उनहें सतर्क रहने के लिए कहा गया है।
उधर, मुरादाबाद और सहारनपुर में भी नमाज के बाद भीड़ हिंसक हो गई। पथराव के बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रदेश में अब तक 136 उपद्रवी गिरफ्तार किए गए। इनमें सहारनपुर में 45, प्रयागराज में 37, अंबेडकरनगर में 23, हाथरस में 20, मुरादाबाद में 7 और फिरोजाबाद में 4 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। हिंसा के बाद सीएम योगी ने दंगाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। गृह विभाग ने सभी डीएम से रिपोर्ट मांगी है। चलिए, अब आपको बताते हैं किन-किन शहरों में हिंसा हुई और कहां पुलिस की रणनीति काम आई।

प्रयागराज में देसी बमों का इस्तेमाल, छतों से पथराव

प्रयागराज के अटाला इलाके में भड़की हिंसा में हमलावरों ने देसी बमों से पुलिस पर हमला किया है। एडीजी प्रेम प्रकाश का गनर पथराव में गंभीर रूप से घायल हो गया। आईजी प्रयागराज राकेश सिंह पत्थर लगने से बुरी तरह चोटिल हुए। DM संजय कुमार खत्री और SSP अजय कुमार को पत्थर लगा। हिंसक भीड़ ने सड़क पर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की। उनको फूंक दिया। गलियों में घरों की छतों से पथराव किया गया। पुलिस ने भी जवाब में पत्थर फेंके। उपद्रवियों ने PAC की गाड़ी को आग लगा दी।
एडीजी प्रयागराज प्रेम प्रकाश ने कहा कि पथराव में छोटे बच्चे आगे आ गए थे, तो पुलिस ने ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया। हिंसा में वामपंथी संगठनों का हाथ। एआईएमआईएम और समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों का हिंसा में हाथ हो सकता है।

सहारनपुर में अल्लाह हू अकबर के नारे के बाद पथराव

सहारनपुर की जामा मस्जिद से जुमे की नमाज के बाद निकली भीड़ ने अचानक से अल्लाह हू अकबर के नारे लगाने शुरू कर दिए। देखते ही देखते भीड़ उग्र हो गई। पथराव शुरू कर दिया। पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने कहा कि सहारनपुर में भीड़ ज्यादा हो गई थी, लेकिन अब हालात काबू में कर लिए गए हैं। 36 उपद्रवियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

मुरादाबाद में नूपुर शर्मा को फांसी देने की मांग

मुरादाबाद में बवाल होने के बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। यहां से जो वीडियो सामने आए उसमें दिख रहा है कि नाबालिग बच्चे गिरते-पड़ते वहां से भाग रहे हैं।
मुरादाबाद में नमाज के बाद नूपुर शर्मा का सिर कलम करने का पोस्टर बैनर लेकर सड़कों पर उतरे। नूपुर शर्मा की तुलना आतंकवादी से करते हुए भीड़ ने नूपुर शर्मा को फांसी दो के नारे लगाए।

बिजनौर में 4 गिरफ्तार, देवबंद में 8 हिरासत में

बिजनौर में सोशल मीडिया के जरिए सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने के आरोप में पुलिस ने 4 लोगों को हिरासत में लिया है। बिजनौर में पुलिस ने AIMIM जिलाध्यक्ष अब्दुल्ला और उसके साथी इफ्तेखार को जुमे की नमाज से पहले ही धार्मिक भावनाएं भड़काने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। देवबंद में नमाज के बाद कुछ मदरसा छात्रों ने नारेबाजी की। इनके हाथ में बैनर पोस्टर भी थे। वह पथराव करने लगे। मामला बढ़ते देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, जिससे भगदड़ मच गई। पुलिस ने 8 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है।

कानपुर में सख्ती, तो नहीं हुई घटना

3 जून की हिंसा को देखते हुए कानपुर में धारा-144 लागू कर दी गई थी। हिंसा प्रभावित क्षेत्र के चारों तरफ तीन किमी के दायरे में पांच हजार से ज्यादा पुलिस फोर्स तैनात है। सड़क के अलावा सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए 100 से ज्यादा लोगों की टीम लगाई गई है। इसी सख्ती का असर रहा कि कानपुर से कोई घटना सामने नहीं आई।

आगरा में पुलिस अलर्ट थी

आगरा में पुलिस हाई अलर्ट पर थी। एसएसपी एसके सिंह ने फोर्स के साथ सुबह संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया। गुरुवार रात को भी पुलिस अधिकारियों ने फोर्स के पैदल गश्त की। आगरा में पुलिस सुबह से ही अलर्ट मोड रही है।

लखनऊ को 9 जोन में बांटा

लखनऊ में टीले मस्जिद पर जुमे की नमाज को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात रहा। एक दिन पहले ही धारा-144 लागू कर दी गई। मौके पर ज्वाइंट कमिश्नर पुलिस लॉ एंड ऑर्डर पीयूष समेत आधा दर्जन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, 4 सेंट्रल समेत छह कंपनियां पीएसी की तैनात रही। राजधानी को 9 जोन 36 सेक्टर में बांटा गया है।

वाराणसी में ड्रोन से रखी नजर

वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर को लेकर तनाव है। जुमे की नमाज से पहले ही पुलिस कमिश्नर ए. सतीश गणेश और कमिश्नरेट के अन्य अफसरों से लेकर थानेदार तक सड़कों पर आ गए थे। मिश्रित आबादी वाले संवेदनशील इलाकों में लगातार पुलिस की पैदल गश्त जारी रही।
लोकल इंटेलिजेंस यूनिट को माहौल पर निरंतर नजर रखने के लिए कहा गया है।
लिहाजा, वाराणसी में ज्ञानवापी का वजूखाना सील किए जाने के बाद आज शुक्रवार को चौथे जुमे की नमाज अदा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

रांची में नमाज के बाद हिंसा में 2 की मौत

मंदिर पर पथराव के बाद पुलिस ने की फायरिंग; हिंदू संगठनों ने पढ़ी हनुमान चालीसा

रांची। पैगंबर पर विवादित टिप्पणी को लेकर रांची में शुक्रवार को नमाज के बाद हिंसक प्रदर्शन हुआ। आगजनी और पथराव के चलते पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी। इस फायरिंग में 35 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। देर रात एक और शख्स की मौत की खबर है, हालांकि प्रशासन ने इसकी पुष्टि नहीं की है। 7 अन्य लोगों को गोली लगी है। 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।
प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों ने पुलिस पर भी पथराव किया। SSP समेत 3 पुलिसकर्मी को चोटें आई हैं। रांची आए बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन की गाड़ी पर भी उपद्रवियों ने हमला कर दिया। वे भाजपा कोटे से नीतीश सरकार में मंत्री हैं।
पत्थरबाजी के दौरान कुछ लोगों ने महावीर मंदिर में छिपने की कोशिश की।
इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने मंदिर पर भी पथराव कर दिया। इस घटना से हिंदू संगठनों का गुस्सा भी भड़क गया और वे सड़कों पर उतर आए। इसके बाद रांची में ऐहतियातन धारा 144 लागू कर दी गई है। हालांकि, पहले कहा जा रहा था कि प्रशासन ने कर्फ्यू लगाने का फैसला किया है।
रांची में इंटरनेट सुविधा शनिवार सुबह 6 बजे तक बंद कर दी गई है। देर शाम महावीर मंदिर में हिंदुओं ने हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। हालांकि प्रशासन ने बातचीत के बाद इन लोगों को वापस घर भेज दिया।

जान बचाने के लिए महावीर मंदिर में छिपे लोग

महावीर मंदिर पर पत्थरबाजी के दौरान जान बचाने के लिए लोग मंदिर में छिप गए। इसके बाद भी मंदिर पर पत्थरबाजी की गई। पुलिस ने भीड़ को काबू करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे। हवाई फायरिंग भी की। भीड़ ने एक और विधायक अमित यादव के गाड़ी के कांच फोड़ दिए।
मुस्लिम संगठन शुक्रवार को BJP से निष्कासित प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान का विरोध कर रहे थे। विरोध में सुबह से ही डेली मार्केट की 3 हजार से ज्यादा दुकानें बंद रहीं। जुमे की नमाज के बाद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़क पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोका तो भीड़ उग्र हो गई और इनकी पुलिस से भिड़ंत हो गई। उर्दू लाइब्रेरी और महावीर मंदिर के पास प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इसके बाद उग्र भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी, इस दौरान कई अफसर और पुलिसकर्मी घायल भी हुए हैं।

फोर्स कम थी, पुलिसकर्मी ने मांगी मदद

एक पुलिसकर्मी सीनियर अधिकारी से फोन पर बात करते हुए कहता है, देखिए-देखिए पत्थर चल रहा है। सर पत्थर चल रहा है, हमको कमर पर लगा है। मेरा मोबाइल टूट गया। जल्दी से फोर्स भेज दीजिए। सर पत्थर चला रहा है।

मुख्य बाजार में सभी दुकानें बंद, ड्रोन से निगरानी

उग्र हिंसा के बाद रांची छ्वद्बत्र अनीश गुप्ता ने मोर्चा संभाला। आंसू गैस के लगातार गोले दागे गए। बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती मेन रोड में कर दी गई है। जुमे की नमाज के मद्देनजर इलाके में आधा दर्जन से अधिक ड्रोन कैमरे से निगरानी की जा रही थी। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।
रैपिड एक्शन फोर्स और ईको कंपनी की भी तैनाती की गई थी, लेकिन ये सभी कम पड़ गई। हिंसा के चलते शहर में कई जगह ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। मेन रोड और डोरंडा में पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है। हालांकि सर्जना चौक और डेली मार्केट में सुबह से ही गाड़ियों को रोक दिया गया था।
गुरुवार को न्यू डेली मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन की बैठक हुई थी। बैठक में सभी दुकानों को बंद रखने का निर्णय लिया गया था। मुस्लिम समुदाय का प्रबुद्ध वर्ग सुबह से हिंसा नहीं करने की अपील कर रहा था।

नेशनल हेराल्ड केस : ईडी ने सोनिया गांधी को दोबारा जारी किया समन

पूछताछ के लिए 23 जून को बुलाया

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रहा प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस सोनिया गांधी के लिए दोबारा समन जारी किया है। ईडी ने उन्हें अब 23 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद सोनिया गांधी ने ईडी से पेश होने के लिए तीन हफ्ते का समय मांगा था। इससे पहले ईडी ने सोनिया गांधी को 8 जून को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन उससे पहले ही वो कोरोना संक्रमित हो गईं थीं।
इसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को भी समन जारी किया। जांच एजेंसी ने राहुल गांधी को 13 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। एजेंसी की ओर से समन जारी किए जाने के बाद कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा था कि वो सरकारी एजेंसियों की दुरुपयोग कर रही है।

शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में कांग्रेस पार्टी

राहुल गांधी से पूछताछ के दिन 13 जून को कांग्रेस पार्टी शक्ति प्रदर्शन भी दिखाने की तैयारी में लगी हुई है। कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार को वीडियो कांफ्रेस के जरिए एआईसीसी महासचिवों, प्रदेश प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक की।
बैठक में 13 जून की तैयारियों पर चर्चा हुई। पार्टी ने तय किया है कि वह दिल्ली सहित पूरे देश में ईडी कार्यालयों के सामने सत्याग्रह करेगी। इसके साथ पार्टी ने तय किया है कि दिल्ली में ईडी कार्यालय तक मार्च करेगी। इसके लिए पार्टी सभी लोकसभा व राज्यसभा सांसदों, कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों और प्रदेश प्रभारियों को पहले ही 13 जून को सुबह 9:30 बजे तक पार्टी दफ्तर पहुंचने का निर्देश दे चुकी है।

राज्यसभा की 16 में से 8 सीटों के नतीजे आए

कर्नाटक में भाजपा, राजस्थान में कांग्रेस को 3-3 सीटें

नई दिल्ली। चार राज्यों की 16 राज्यसभा सीटों के लिए शुक्रवार को वोटिंग हुई। देर शाम राजस्थान और कर्नाटक की सभी 4-4 सीटों के नतीजे घोषित कर दिए गए। हरियाणा की दो और महाराष्ट्र की 6 सीटों की काउंटिंग चुनाव आयोग ने रोक दी है। कुछ ही देर में इसे शुरू किया जा सकता है।
राजस्थान में कुल 4 सीटों के लिए चुनाव हुए। यहां कांग्रेस ने तीन सीटें जीत ली हैं, वहीं भाजपा को एक सीट मिली है। निर्दलीय सुभाष चंद्रा को जीत नहीं मिल पाई। वहीं कर्नाटक की कुल 4 सीटों में से भाजपा को तीन और कांग्रेस को एक सीट पर जीत मिली है। कर्नाटक से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कांग्रेस के जयराम रमेश चुनाव जीत गए हैं।
बता दें कि राज्यसभा की 57 सीटों में से शुक्रवार को 16 सीटों पर चुनाव हुए। 41 सीटों पर प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।

राजस्थान : सुरजेवाला, वासनिक और तिवारी जीते

राजस्थान में कांग्रेस के तीनों उम्मीदवार मुकुल वासनिक, रणदीप सिंह सुरजेवाला और प्रमोद तिवारी और भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी जीत गए हैं। सुरजेवाला को 43, वासनिक को 42 और तिवारी को 41 और घनश्याम तिवाड़ी को 43 वोट मिले। निर्दलीय सुभाष चंद्रा को 30 वोट मिले। वो चुनाव हार गए। इधर, राजस्थान के धौलपुर से बीजेपी विधायक शोभारानी कुशवाह ने क्रॉस वोटिंग करते हुए कांग्रेस के प्रमोद तिवारी को वोट दे दिया। पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया है।

कर्नाटक की 4 सीटों में से तीन भाजपा, एक कांग्रेस के खाते में

कर्नाटक में राज्यसभा की 4 सीटों पर वोटिंग हुई। यहां भाजपा को तीन और कांग्रेस को एक सीट मिली है। भाजपा से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, एक्टर जग्गेश और लहर सिंह सिरोया की जीत हुई है। वहीं कांग्रेस से पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश विजयी हुए। सीतारमण को 46, जयराम रमेश को 46, लहर सिंह को 33, कुपेंद्र रेड्डी (जेडीएस) को 30 और मंसूर अली खान (कांग्रेस) को 25 वोट मिले हैं।

महाराष्ट्र : 6 सीटों पर काउंटिंग का इंतजार

महाराष्ट्र में 6 सीटों पर चुनाव हो चुके हैं। यहां काउंटिंग का इंतजार है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अनिल बोंडे, धनंजय महादिक (भाजपा), प्रफुल्ल पटेल , संजय राउत और संजय पवार (शिवसेना) और इमरान प्रतापगढ़ी (कांग्रेस) छह सीट के लिए चुनाव मैदान में हैं। छठी सीट पर मुकाबला महादिक और शिवसेना के पवार के बीच है।
असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM ने कांग्रेस प्रत्याशी इमरान प्रतापगढ़ी को समर्थन देने की घोषणा कर दी। हालांकि, इसका फायदा शिवसेना को मिलेगा जिससे AIMIM दो-दो हाथ करती आई है। इसके पहले राज ठाकरे की पार्टी मनसे ने शिवसेना पर हमला बोला है। मनसे ने कहा है कि शिवसेना ने ओवैसी से समर्थन लिया, इससे उनका हिंदुत्व उजागर हो गया है। वे निजाम के वंशजों से भी समर्थन लेने में नहीं हिचकिचाते हैं।

हरियाणा : दो सीटों के लिए वोटिंग, काउंटिंग शुरू नहीं हुई

हरियाणा से राज्यसभा की 2 सीटों के लिए मतदान पूरा होने के बाद शाम को मतगणना को लेकर पेंच फंस गया। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान की प्रकिया पूरी होने के बाद 5 बजे से मतगणना शुरू होनी थी, लेकिन सत्तारूढ़ BJP और विपक्षी पार्टी कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग को शिकायतें दिए जाने के कारण मतगणना शुरू नहीं हो पाई। कुछ देर में काउंटिंग शुरू हो सकती है।

कोविड-19

मरीजों की संख्या 4 करोड़ 32 लाख 5 हजार 106 हो गई है

देश में लगातार दूसरे दिन 7000 से ज्यादा कोरोना केस

एक हफ्ते में दोगुना हुए डेली मरीज, 11,571 एक्टिव केस के साथ महाराष्ट्र फिर टॉप पर

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना के नए मरीज बढ़ने का ट्रेंड दिखने लगा है। लगातार दूसरे दिन 7 हजार से ज्यादा नए केस सामने आए। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, गुरुवार को देश में 7,584 मरीज मिले और 24 की मौत हुई। इसके साथ मरीजों की संख्या 4 करोड़ 32 लाख 5 हजार 106 हो गई है। वहीं, अब तक इस संक्रमण से 5 लाख 24 हजार 747 लोगों की जान चली गई है।

इससे पहले, बुधवार को देश में 7,240 पॉजिटिव मिले थे और 8 लोगों की मौत हुई थी। अगर, पिछले 7 दिनों का ट्रेंड देखें तो देश में कोरोना मरीज दो गुना बढ़ गए हैं। 3 जून को देश में सिर्फ 3945 पॉजिटिव थे। अब यह संख्या बढ़कर 7,584 पहुंच गई है।

महाराष्ट्र में कोरोना ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। राज्य में गुरुवार को 2,813 नए केस मिले। 1,047 लोग ठीक भी हो गए, जबकि एक मरीज की मौत हो गई। बुधवार के मुकाबले गुरुवार को नए केस में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अकेले मुंबई में पिछले 24 घंटे में 1700 से ज्यादा संक्रमित मिले। बीते नौ दिन (1 जून से 9 जून) में मुंबई में नए केस 138 प्रतिशत और ऐक्टिव मरीज 135त्न बढ़ गए। राज्य में अब 11,571 एक्टिव केस हो गए हैं। यानी इन मरीजों का इलाज चल रहा है। इस मामले में यह अब टॉप पर पहुंच गया है। इससे पहले तक केरल टॉप पर था। वहां अब 11,329 एक्टिव केस हैं।

महाराष्ट्र में अभी 11,571 एक्टिव केस हैं। इनमें अकेले 70 प्रतिशत एक्टिव केस मुंबई में हैं। यानी इन्हीं 9 दिनों में एक्टिव केस 2970 से बढ़कर 8000 के पार पहुंच गए हैं। कोरोना के शुरुआती दिनों से लेकर अब तक यहां 79 लाख से ज्यादा मरीज संक्रमित हो चुके हैं, 77 लाख से ज्यादा ठीक हुए, जबकि 1 लाख 47 हजार से ज्यादा संक्रमितों ने अपनी जान गंवा दी।

केरल में नहीं थम रही रफ्तार

केरल में कोरोना थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 24 घंटे में यहां 2193 नए पॉजिटिव केस मिले, 1296 मरीज ठीक हुए और 17 संक्रमितों की मौत हो गई। केरल में पॉजिटिविटी रेट 11.50 प्रतिशत है, मतलब 100 में से करीब 12 मरीज संक्रमित मिल रहे, जो अन्य राज्यों के मुकाबले काफी ज्यादा है। हालांकि, बुधवार के मुकाबले गुरुवार को नए केस 3त्न घटे, यानी गुरुवार को 78 नए केस की मामूली कमी आई।

सेना प्रमुख ने हिमाचल, उत्तराखंड में एलएसी पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

नयी दिल्ली। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के तीन दिवसीय अग्रिम क्षेत्र के दौरे पर हैं।
अग्रिम चौकियों के दौरे के दौरान, सेना प्रमुख को स्थानीय कमांडरों द्वारा सीमाओं पर मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी गयी।
अग्रिम क्षेत्रों में ऑपरेशन की तैयारियों का निरीक्षण करते हुए, सेना प्रमुख पर्वतारोहण कौशल और लंबी दूरी की गश्त सहित तैनात संरचनाओं की उच्च ऊंचाई वाली परिचालन क्षमताओं का भी जायजा लेंगे।
जनरल पांडे इन क्षेत्रों में चल रहे बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों की भी समीक्षा की। अपनी यात्रा के दौरान कमांडरों के साथ बातचीत करते हुए, सेना प्रमुख ने सीमाओं पर निगरानी और सतर्कता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने रक्षात्मक मुद्रा में तेजी से सुधार और संरचनाओं की परिचालन तैयारी पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने लगातार निगरानी करने में आधुनिक तकनीक के समावेश की सराहना की। सेना प्रमुख ने अग्रिम चौकियों पर तैनात सैनिकों के साथ बातचीत के दौरान उनके उच्च मनोबल की सराहना की और उन्हें पेशेवर उत्कृष्टता के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में परिचालन प्रभावशीलता और सतत विकास की दिशा में सेना, सीएपीएफ, नागरिक प्रशासन और पुलिस के बीच उत्कृष्ट तालमेल की भी सराहना की।

शार्ट न्यूज

भारत हिंदुओं का है, पैगंबर विवाद और नूपुर शर्मा को धमकी पर बोलीं साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर

भोपाल। पैगंबर मोहम्मद साहब पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद बीजेपी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को मिल रही धमकियों पर सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा है कि भारत हिंदुओं का है। बीजेपी सांसद ने कमलेश तिवारी का उदाहरण देते हुए कहा कि विधर्मियों ने हमेशा ऐसा किया है। उन्होंने कहा कि हिंदू देवी-देवताओं पर फिल्म बनाकर गाली देने का आरोप लगाते हुए कहा कि यहां सनातन जिंदा रहेगा और रखना हमारी जिम्मेदारी है। नूपुर शर्मा को मिल रहीं धमकियों को लेकर सवाल पूछे जाने पर प्रज्ञा ने पत्रकारों से कहा, विधर्मियों ने हमेशा ऐसा किया है। कमलेश तिवारी ने अगर कुछ कहा, इनको पीड़ा हुई, उसका कत्ल कर दिया, काट दिया उसको। अगर कोई और कहेगा तो धमकी। हमारे देवी-देवताओं पर ये फिल्म बनाते हैं, डायरेक्शन देते हैं, प्रड्यूश करते हैं, और गालियां देते हैं, आज से नहीं, पूरा कम्युनिष्ट इतिहास है इनका। साध्वी ने भारत को हिंदुओं का बताते हुए कहा कि यहां सनातन को जिंदा रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा, पूरी तरह से विधर्मी अपनी मानसिकता को प्रस्तुत करते हैं। यह भारत है, यह हिंदुओं का है। यहां सनातन जिंदा रहेगा, रखना हम लोगों की जिम्मेदारी है और हम रखेंगे। इससे पहले साध्वी प्रज्ञा सिंह ने ट्विटर पर लिखा, सच कहना अगर बगावत है तो समझो हम भी बागी हैं। जय सनातन, जय हिंदुत्व...। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने यह बात किस संदर्भ कही।

पुलिस कर्मी ने महिला को गोली मारने के बाद खुद को गोली से उड़ाया

कोलकाता। कोलकाता के पार्क सर्कस के पास दिनदहाड़े बंगलादेश उच्चायोग में तैनात एक पुलिस कर्मी ने एक राहगीर महिला को अपनी सर्विस बंदूक से गोली मार दी, जिसके बाद उसने खुद को भी कथित तौर पर गोली मार कर आत्म हत्या कर ली। इस घटना से शहर के पूर्वी हिस्से के आवासीय इलाके में रह रहे लोगों में दहशत पैदा हो गयी। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि मृतक की पहचान अभी नहीं हो पायी है। इस दौरान मौके पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि पुलिस को उसके बंदूक के साथ सड़क पर मृत देखा गया तथा सिपाही के बंदूक से गोली लगने के बाद महिला को कुछ दूरी पर मृत देखा गया। उन्होंने बताया कि इस फायरिंग में मोटरसाइकिल सवार की भी गोली लगी है। इसी बीच, पुलिस की एक टीम आज दोपहर घटना स्थल पर पहुंच कर इस घटना की जांच शुरू कर दी।

विजयन को खादी शर्ट की भेंट

तिरुवनंतपुरम । केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को केरल खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष पी जयराजन ने मुख्यमंत्री को 'खादी शर्ट' भेंट की। जिससे राज्यभर में खादी की और अधिक मांग बढ़ने से पारंपरिक क्षेत्र पुनर्जीवित हो उठेगा। केरल में खादी प्रोत्साहन अभियान के तहत आयोजित एक समारोह में सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और सहकारी कार्यकर्ताओं से सप्ताह में एक बार खादी वस्त्र पहनने की सलाह दी गयी। एक प्रेस विज्ञप्ति में उपाध्यक्ष ने गुरुवार को कहा, कि वाम सरकार ने एक परिपत्र जारी किया गया है जिसमें सरकारी कर्मचारियों को सप्ताह में एक बार खादी वस्त्रों को पहनने की सलाह दी गयी, जिसके बाद से खादी उत्पादों की बिक्री में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि खादी बोर्ड ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान अपने बिक्री कारोबार को 50 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 150 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है। खादी बोर्ड ने नई पीढ़ी को खादी की ओर आकर्षित करने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी केरल की सहयोग से विभिन्न डिजाइनों के वस्त्र पेश किए हैं। उन्होंने बताया कि वंचियूर में खादी शोरूम ने दो महीने में करीब 25 लाख रुपये तक के खादी उत्पाद बेचे। बोर्ड के सचिव डॉ के. के. रथीश ने इस मौके पर कहा कि बोर्ड अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए अगले ओणम उत्सव में कई तरह के उत्पाद पेश करने की भी योजना बना रहा है।

बकाया को लेकर किसानों ने चीनी मिल के बाहर किया प्रदर्शन, यातायात बाधित

होशियारपुर। पंजाब में होशियारपुर जिले के मुकेरियां में शुक्रवार को किसानों ने एक चीनी मिल के भुगतान न करने के खिलाफ प्रदर्शन किया और इससे जालंधर-पठानकोट जीटी रोड पर यातायात बाधित हो गया। पगड़ी संभाल लहर, मुकेरियां संगठन के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में कई किसान संगठनों के सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन सुक्रोस लिमिटेड शुगर मिल के मुख्य द्वार पर हुआ। प्रदर्शनकारी सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे वहां जमा हुए और धरना शुरू कर दिया। किसान नेता गुरनाम सिंह ने बताया कि किसान मिल प्रबंधन के अलावा जिला प्रशासन से भी मिल चुके हैं। किसानों का कारखाने पर करीब 85 करोड़ रुपये बाकी है और प्रबंधन भुगतान के अपने सभी वायदों से मुकर चुका है। जिला प्रशासन ने भी इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच बैठक कराई थी पर प्रबंधन केवल छह करोड़ रुपये देने पर तैयार हुआ और शेष भुगतान के बारे में कोई तसल्लीबख्श जवाब नहीं दे पाया। एसडीएम कंवलजीत सिंह ने मौके पर पहुंचकर किसानों को मनाने का प्रयास किया लेकिन किसानों का धरना खबर लिखे जाने तक जारी था। पुलिस ने इस दौरान यातायात वैकल्पिक मार्गों पर मोड़कर स्थिति संभालने की कोशिश की।

चंडीगढ़ की मॉडल कमल चीमा सपनों को पूरा करने मुंबई पहुंची

चंडीगढ़। हाल ही में परफैक्ट अचीवर्स अवार्ड जीतने वाली पंजाबी लिरिसिस्ट, म्यूजिशियन और मॉडल कमल चीमा Kamal Cheema की हुस्न की खूबसूरती का जवाब नहीं। सिंगिंग उनका टैलेंट है, तो फैशन की दुनिया में खूबसूरती उनकी पहचान। नए जमाने से कदम से कदम मिलाकर चलने वाली और चंडीगढ़ की रहने वाली यह भारतीय सुंदरी एक मॉडल और एक महत्वाकांक्षी अभिनेत्री के रूप में अपने जीवन के सभी सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई में रहती है। साथ ही सोशल मीडिया के जरिये भी सुर्खियों में रहती हैं। कमल चीमा अब तक अपने करियर में कई म्यूजिक वीडियो में काम कर चुकी हैं। उन्हें अमृत बराड़ के पंजाबी संगीत एल्बम, कुड़ियां में भी दिखाया गया था। कमल चीमा ने वर्ष 2019 में थाईलैंड, बैंकॉक में अंतर्राष्ट्रीय सुपरमॉडल सौंदर्य प्रतियोगिता जीती। इसने उन्हें उद्योग में आगे बढ़ाया, जहां उन्हें कई सौंदर्य प्रतियोगिताओं और युवा सहायक शो और पुरस्कारों के लिए जज के रूप में भी आमंत्रित किया गया था। युवा और खूबसूरत मॉडल ने मॉडल व्यू और मॉडल क्राफ्ट जैसी पत्रिकाओं और कई अन्य मीडिया और साइटों पर छापा है। आपको बता दें कि कमल चीमा बेहद प्रतिभशाली और डेडिकेटेड कलाकार हैं। इसका अलावा वे सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। यही वजह है कि वे अपनी हर एक्टिविटी को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर करती नज़र आती हैं। कमल बला की खूबसूरत भी हैं। यह आप उनके सोशल अकाउंट पर बखूबी देख सकते हैं। कमल चीमा को इंस्टाग्राम पर सिर्फ़ 132 च से अधिक लोग फॉलो करते हैं। इतना ही नहीं उनके हर पोस्ट को लोग खूब लाइक और शेयर भी करते हैं। उनके फैन्स को उनके हर एक पोस्ट का बेसब्री से इंतज़ार होता है। ये कमल चीमा भी बखूबी समझती हैं और उन्हें कभी निराश नहीं करती हैं। अक्सर अपनी गतिविधियों से इंस्टाग्राम पर अपडेट रहती हैं। दूसरे सेलिब्रिटी की तरह वे भी सोशल मीडिया फ्रीक हैं। तभी सोशल मीडिया में उनका जलवा भी खूब देखने को मिलता है।

भारत ने 1 हजार साल तक संस्कृति, भाषा और धर्म के लिए लड़ाई लड़ी: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने 1,000 साल तक अपनी संस्कृति, भाषा और धर्म के लिए लड़ाई लड़ी, जो व्यर्थ नहीं गई। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई के दौरान कुर्बानियां देने वालों की आत्मा को आज भारत का पुनरुत्थान देखकर शांति मिलती होगी। अमित शाह ने दिल्ली में 'महाराणा- सहस्त्र वर्षों का धर्मयुद्ध' पुस्तक का विमोचन करने के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने मौजूदा लेखकों व इतिहासकारों का आह्वान किया कि वे इतिहास पर टीका-टिप्पणी छोड़कर देश के गौरवशाली इतिहास को संदर्भ ग्रंथ के रूप में जनता के सामने रखें।

उन्होंने कहा, 'जब हमारा प्रयास किसी से बड़ा होता है तो अपने आप झूठ का प्रयास छोटा हो जाता है। हमें प्रयास बड़ा करने पर ध्यान देना चाहिए। झूठ पर टीका-टिप्पणी करने से भी झूठ प्रचारित होता है। हमें कोई नहीं रोकता है, हमारा इतिहास लिखने से। अब हम स्वाधीन हैं। किसी के मोहताज नहीं हैं। हम हमारा इतिहास खुद लिख सकते हैं।' शाह ने कहा कि किसी भी समाज को अपना उज्ज्वल भविष्य बनाना हो तो उसे अपने इतिहास से प्रेरणा लेनी चाहिए, उससे सीख लेनी चाहिए और अपने इतिहास से सीखकर अपना आगे का रास्ता प्रशस्त करना चाहिए।

अहोम, पांड्य, चालुक्य समेत कई साम्राज्यों का जिक्र किया

अमित शाह ने कहा कि इतिहास में अनेक साम्राज्य हुए मगर इतिहास लिखने वालों ने साम्राज्यों का जब भी जिक्र किया तो मुगल साम्राज्य की ही चर्चा की। उन्होंने कहा कि पांड्य साम्राज्य 800 साल तक चला, जबकि अहोम साम्राज्य असम में 650 साल तक चला। इस साम्राज्य ने बख्तियार खिलजी से लेकर औरंगजेब तक को परास्त किया और असम को स्वतंत्र रखा। शाह ने कहा कि इसी प्रकार पल्लव साम्राज्य 600 साल तक, चालुक्य साम्राज्य 600 साल तक, मौर्य साम्राज्य 500 साल तक तथा गुप्त साम्राज्य 400 साल तक चला। उन्होंने कहा कि समुद्रगुप्त ने तो पहली बार भारत की कल्पना को चरितार्थ करने का साहस दिखाया। मगर इन सब पर कोई संदर्भ ग्रंथ नहीं लिखा गया।

अमित शाह बोले- हारकर भी विजेता बने कुछ योद्धा

शाह ने इस दिशा में अनेक लोगों के प्रयास करने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि यह पुस्तक एक शुरुआत है। उन्होंने कहा कि बाजीराव पेशवा ने अटक से कटक तक भगवा फहराने का काम किया था, लेकिन इस प्रकार के कई ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं जिनके जीवन को भी न्याय नहीं मिला। गृह मंत्री ने कहा, 'हमें इस दिशा में भी काम करना चाहिए। हमारे साम्राज्यों के बारे में काम करना चाहिए।' शाह ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर नहीं होते तो 1857 का सत्य छिपा रह जाता। उन्होंने कहा, 'इतिहास को फौरी तौर पर देखने वाले देखते हैं कि इस युद्ध में कौन जीता कौन हारा। मगर उनको मालूम नहीं कि हारकर भी विजेता होने वाले लोगों के इतिहास से ही यह देश बना है। हार गए, मगर विजेता बने। सालों-साल लड़ाइयां लड़ीं। 1857 की क्रांति के बारे में भी हम कह सकते हैं कि हम हार गए थे। परंतु उनको मालूम नहीं कि उस क्रांति ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था।' उन्होंने कहा, 'हार और जीत के कारण इतिहास नहीं लिखा जाता बल्कि वह घटना देश व समाज पर क्या परिणाम छोड़ती है, उससे इतिहास बनता है।% उन्होंने कहा कि आज भारत का पुनरुत्थान देखकर देश के लिए लड़ाई लड़ने वाले और कुर्बानी देने वालों की आत्मा को शांति मिलती होगी। शाह ने कहा, 'फिर से गौरव के साथ दुनिया के सामने खड़े होने का अवसर आ गया है... देश खड़ा हो रहा है। यह सरकारों से नहीं होता है। समाज जीवन में जब जागृति की चिंगारी फैलती है, वह आग में बदलती है तभी जाकर परिवर्तन आता है। तभी समाज का गौरव जागरूक होता है।' उन्होंने कहा, 'सालों बाद हमारी संस्कृति को दुनिया भर में स्वीकृति मिली है। इस प्रकार की स्थिति हम देख रहे हैं।

हमें इतिहास लिखने से कौन रोक सकता है, किसी के मोहताज नहीं हैं : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि इतिहास सरकारों द्वारा नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने समाज से इतिहास को उसके वास्तविक रूप में पेश करने की पहल करने का आग्रह किया। आक्रमणकारियों के खिलाफ भारतीय राजाओं द्वारा लड़े गए कई युद्धों को भुला दिए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए, शाह ने कहा कि उन लड़ाइयों - जैसे असम में अहोम राजाओं और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में शिवाजी के नेतृत्व वाले मराठों द्वारा लड़ी गई लड़ाइयों ने भारत को वह स्थान दिया है जहां वह अभी है। गृह मंत्री अमित शाह ने यहां 'महाराणा- सहस्त्र वर्षों का धर्मयुद्ध' पुस्तक का विमोचन करने के बाद

अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा, यह एक तथ्य है कि कुछ लोगों ने इतिहास को विकृत कर दिया है। उन्हें जो कुछ भी करना था, उन्होंने लिखा है। लेकिन हमें (अपने खुद के तरीके से) कौन रोक सकता है? हमें कोई नहीं रोक सकता। इतिहास सरकारों द्वारा नहीं बनाया गया है, बल्कि यह सच्ची घटनाओं पर बनाया गया है। उन्होंने कहा, हमें कोई नहीं रोकता है, हमारा इतिहास लिखने से। अब हम स्वाधीन हैं। किसी के मोहताज नहीं हैं। हम हमारा इतिहास खुद लिख सकते हैं।

शाह ने कहा कि अगली पीढ़ी के लिए इन लड़ाइयों के बारे में लिखने की प्रक्रिया को कोई नहीं रोक सकता। शाह ने कहा कि इतिहास की नई किताबों के माध्यम से तथ्यों को सामने लाने का प्रयास झूठ फैलाने वालों की तुलना में बड़ा और अधिक तीव्र होना चाहिए ताकि यह प्रभावी हो सके।

आरएसएस और बीजेपी दोनों इस बात का आरोप लगाते रहे हैं कि इतिहास की किताबें वामपंथी इतिहासकारों द्वारा बनाई गई थीं जिन्होंने हिंदू राजाओं और राज्यों के योगदान को नजरअंदाज किया था। अपने संबोधन के दौरान शाह ने लेखकों और फिल्म निर्माताओं से सच्चाई को सामने लाने पर काम करने का आग्रह किया। गृह मंत्री अप्रैल में ओडिया स्वतंत्रता सेनानी बक्सी जगबंधु के जीवन पर आधारित टेलीविजन धारावाहिक विद्रोही की स्क्रीनिंग में मौजूद थे और उन्होंने पिछले हफ्ते राष्ट्रीय राजधानी में शासक पृथ्वीराज चौहान की बायोपिक सम्राट पृथ्वीराज की विशेष स्क्रीनिंग में भी भाग लिया था। उन्होंने पहले फिल्म निर्माताओं से आग्रह किया था कि गुमनाम नायकों पर ऐसी और फिल्में और धारावाहिक बनाए जाएं।

प्रदर्शन के बाद जम्मू के तीन जिलों में तनाव

जम्मू। जम्मू के तीन जिलों में सोशल मीडिया पर डाले गये आपत्तिजनक पोस्ट की वजह से स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। अधिकारियों ने विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दिया है। प्रशासन ने डोडा, किश्तवाड़ तथा रामबन जिलों में गुरुवार रात पाबंदियां लगा दीं। प्रशासन ने ये पाबंदियां सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजक पोस्ट के वायरल होने के बाद लगायीं, जिसमें एक विशेष समुदाय की भावनाएं आहत की गयी हैं। इन जिलों में मोबाइल इंटरनेट, फाइबर इंटरनेट सेवाएं बाधित कर दी गयी हैं। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ट्वीट करके कहा, मैं भारवाह में गुरुवार को हुई हिंसा की घटना से परेशान हूं। मैं दोनों समुदायों के लोगों से विनम्रता पूर्वक आग्रह करता हूं कि शांति बनाएं रखें तथा पारंपरिक समरस्ता कायम करने के लिए आपस में बैठकर बात करें। यह खूबसूरत शहर (भारवाह) अपनी पारंपरिक समरस्ता के लिए जाना जाता है। इन जिलों में शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया गया है। पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा सेना और अर्ध सैनिकों बलों के जवान इन इलाकों में तनाव समाप्त करने के लिए डेरा डाले हुए हैं। उल्लेखनीय है कि गत सप्ताह भारवाह क्षेत्र के कैलाश कुंड में स्थित वासुकी नाग मंदिर में तोड़फोड़ की घटना के बाद पूरे जम्मू क्षेत्र में प्रदर्शन हुए हैं। जिला प्रशासन ने मीडिया से सोशल मीडिया पर किसी तरह की आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट नहीं करने की अपील की है। एक अधिकारी ने कहा, अगर किसी ने कुछ आपत्तिजनक पोस्ट किया है, तो उसे हटाने का अनुरोध किया जाता है। आपकी असंवेदनशील पोस्ट से समाज को कीमत चुकानी पड़ सकती है। जिम्मेदार बनें और यथार्थवादी पत्रकारिता करें। कोई भी सामग्री तर्कहीन और ईशनिंदा वाली पाई जाए तो कृपया प्रशासन को उसके बारे में जानकारी दें, ताकि उचित और कानूनी कार्रवाई शुरू की जा सके।

पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी को लेकर श्रीनगर बंद

एजेंसी

श्रीनगर। केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो प्रवक्ताओं की ओर से पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों के विरोध में शुक्रवार को बंद का आयोजन किया गया। इन टिप्पणियों से इस्लामी जगत में भी आक्रोश व्याप्त गया है।

एहतियात के तौर पर श्रीनगर के कुछ हिस्सों में व्यवस्था बनाए रखने के लिए मोबाइल इंटरनेट बंद कर दिया गया है।

अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि श्रीनगर के सिटी सेंटर और पुराने शहर में दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे।

कुछ दोपहिया वाहनों के अलावा कुछ कैब और ऑटो-रिक्शा मुख्य सिविल लाइंस क्षेत्र तथा बाहरी इलाकों के अलावा अन्य सड़कों पर चले। सड़कों पर सामान्य हलचल नदारद थी।

कश्मीर घाटी इलाके में हालांकि किसी भी समूह ने आज बंद का आह्वान नहीं किया।

ऐतिहासिक जामिया मस्जिद के प्रबंध निकाय के अनुसार, अधिकारियों ने मस्जिद में जुमे की सामूहिक नमाज़ की अनुमति नहीं देने का फैसला किया।

गौरतलब है कि भाजपा ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी करने वाली श्रीमती नुपूर शर्मा को पार्टी से निकाल दिया है और मीडिया प्रभारी नवीन कुमार जिंदल को भी बर्खास्त कर दिया है।

कोलकाता में शूटआउट, महिला को मारने के बाद पुलिसकर्मी ने दे दी जान

बांग्लादेश डिप्टी हाई कमीशन के सामने घटना से हड़कंप

कोलकाता। कोलकाता में बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमीशन के सामने गोलीबारी की घटना हुई है। बताया जाता है कि इस गोलीबारी को एक पुलिसकर्मी से अंजाम दिया है। पुलिसकर्मी द्वारा अंधाधुंध फायरिंग के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग इधर-उधर भागने लगे। वहीं पुलिसकर्मी ने रास्ते से आ रही एक महिला को भी गोली मारी है। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई है। जानकारी के मुताबिक घटना में दो लोगों की मौत हो गई है।

नहीं पता चल रही वजह

बताया जाता है कि पुलिसकर्मी अचानक बाहर निकला और फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग की चपेट में

आकर एक बाइक सवार महिला की मौत हो गई। वहीं फायरिंग की घटना को अंजाम देने के बाद पुलिसकर्मी ने खुद को भी गोली मार ली। उधर घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। फिलहाल यह पता नहीं चल पा रहा है कि आखिर यह पुलिसकर्मी कौन था और उसने इतनी बड़ी घटना को क्यों अंजाम दिया। इसके अलावा पुलिसकर्मी की फायरिंग में मारी गई महिला की भी पहचान नहीं हो पा रही है।

पांच मिनट तक हुई फायरिंग

वहीं घटना के बारे में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी ने अपनी राइफल से गोलीबारी की। इससे दोपहिया वाहन के पीछे बैठी महिला को गोली लग गई और वह बाइक से गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के चलते इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि पुलिसकर्मी ने कुछ देर गोलीबारी करने के बाद अपने सिर पर गोली मार ली।

घटना का प्रत्यक्षदर्शी होने का दावा करने वाले बबलू शेख ने कहा कि पूरी घटना करीब पांच मिनट तक चली। घटना के कुछ मिनट बाद भारी संख्या में पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और शवों को ले गए। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

पठानकोट की रणजीत सागर झील को विश्व स्तरीय सैलानी स्थान के तौर पर विकसित किया जायेगा : मुख्य सचिव

चंडीगढ़। पंजाब को वैश्विक नक्शे पर लाने, पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के मंतव्य से मुख्यमंत्री स. भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पठानकोट की रणजीत सागर झील को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पंजाब को पर्यटन का केंद्र बनाने के लिए कदम उठाते हुए पंजाब सरकार ने आज नयी दिल्ली में निवेशक सम्मेलन का आयोजन किया, जिससे राज्य में पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में प्राईवेट सैक्टर को निवेश करने का न्योता दिया जा सके।

सम्मेलन के दौरान जहाँ रणजीत सागर झील को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया गया, वहीं पर्यटन स्थलों के तौर पर विकसित किये जाने की संभावना वाले कई अन्य प्रोजैक्ट भी प्रदर्शित किये गए। अन्य प्रोजेक्टों में कपूरथला में दरबार हॉल और गोल कोठी, संगरूर में संगरूर कोठी, अमृतसर और मोहाली में कनवैंशन सैंटर, शाहपुर कंडी का किला आदि शामिल हैं।

हरियाली और पहाड़ियों से घिरी रणजीत सागर झील के साथ 74.76 एकड़ में फैली इस साइट में पर्यटन की बहुत संभावना है, क्योंकि यह डलहॉज़ी के रास्ते में स्थित है और मशहूर पर्यटन स्थलों धर्मशाला,

पालमपुर, चम्बा और वैष्णो देवी, कटड़ा के नज़दीक है।

पंजाब के मुख्य सचिव श्री अनिरुद्ध तिवारी ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए बताया कि पठानकोट की रणजीत सागर झील को सार्वजनिक निजी हिस्सेदारी (पी.पी.पी.) के अंतर्गत अति-आधुनिक पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित किया जायेगा, जिसके लिए राज्य सरकार ने पहले ही पर्यावरण और वन पड़ाव-1 सम्बन्धी मंजूरी प्राप्त कर ली है।

उन्होंने कहा कि पंजाब में भौगोलिक पक्ष से दिलकश और भांति-भांति की प्राकृतिक सुन्दरता होने के कारण इस संभावना को नागरिकों के लिए खोलने की कल्पना की गई है, जो प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी मदद करेगा। इसके साथ ही ना केवल प्राकृतिक विरासत को संभाला जा सकेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के मौके भी सृजित किए जा सकेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के दूरदर्शी वाली नेतृत्व अधीन पंजाब सरकार स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहल के साथ मज़बूत आर्थिक आधार विकसित करने का इरादा रखती है। उन्होंने कहा, ''पंजाब के मुख्यमंत्री ने हाल ही में पर्यटन संबंधी प्रोजैक्टों की समीक्षा की और राज्य भर में अलग-अलग पर्यटन प्रोजैक्टों को चिन्हित करने और शुरू करने के निर्देश दिए। इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने यह निवेशक सम्मेलन करवाया है।''

निवेशकों को पंजाब में निवेश करने का न्योता देते हुए श्री अनिरुद्ध तिवारी ने उनको राज्य द्वारा अपनाई गई 'ईज़ ऑफ डुईंग बिजनस' नीति के बारे में भी अवगत करवाया, जो निवेशकों को एक ही जगह पर परेशानी रहित मंजूरियां प्रदान करने के अलावा उनको निवेश के लिए और रियायतें प्रदान करती है। इस सम्मेलन में पर्यटन क्षेत्र की नामवर संस्थाओं जिनमें आईटीसी हॉसपिटैलिटी, ताज, महेन्द्रा होलीडेज़, मेरियट, हयात, पार्क, सीजीएच अर्थ और अन्य बहुत सी संस्थाओं ने हिस्सा लिया। पर्यटन क्षेत्र के नुमायंदों को संबोधित करते हुए पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के प्रमुख सचिव श्री तेजवीर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य राज्य में 'रिस्पॉन्सीबल टूरिज्म' को सक्रियता से समर्थन देकर पर्यावरण सम्बन्धी संवेदनशील पर्यटन स्थलों को विकसित करना है। रणजीत सागर झील की शानदार सुंदरता पर्यटन और इकौ-रिजोर्ट, एडवेंचर और वॉटर स्पोर्ट्स और अन्य गतिविधियों के लिए अपार संभावनाएं रखती है, जो सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र होगी।

इस मौके पर पर्यटन मंत्रालय (भारत सरकार) के अतिरिक्त सचिव श्री राकेश कुमार वर्मा, आवास निर्माण एवं शहरी विकास विभाग पंजाब के प्रमुख सचिव श्री अजय कुमार सिन्हा, पंजाब बुनियादी ढांचा विकास बोर्ड (पी.आई.डी.बी.) के मैनेजिंग डायरैक्टर श्री मोहम्मद तय्यब, पी.आई.डी.बी. के अतिरिक्त मैनेजिंग डायरैक्टर श्री यशनजीत सिंह, इनवैस्ट पंजाब के अतिरिक्त सी.ई.ओ श्री ऊमा शंकर गुप्ता और पर्यटन पंजाब विभाग के सलाहकार श्री शिवदुलार सिंह ढिल्लों उपस्थित थे।

रेलवे भूमि : 4365 अतिक्रमणकारियों में से मात्र 18 ने प्रस्तुत किया दावा

नैनीताल। उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे की भूमि पर काबिज 4,365 अतिक्रमणकारियों में से मुट्ठीभर अतिक्रमणकारी ही शुक्रवार को उच्च न्यायालय पहुंचे और उन्होंने हस्तक्षेप याचिका दायर कर दावा प्रस्तुत किया है। न्यायमूर्ति शरत कुमार शर्मा की अगुवाई वाली पीठ ने उनके प्रार्थना पत्र को सुनवाई के लिये रिकार्ड में ले लिया। न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ ने पिछले महीने 18 मई को अतिक्रमणकारियों को अंतिम मौका देते हुए दो सप्ताह के अंदर अपना दावा प्रस्तुत करने को कहा था। अदालत की ओर से कहा गया था कि वह सबको सुनने के बाद अंतिम निर्णय जारी करेगी। उसी के क्रम में आज 18 अतिक्रमणकारी अदालत पहुंचे। उन्होंने हस्तक्षेप याचिका दायर कर अपना दावा प्रस्तुत किया। अदालत ने सभी को सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को रिकार्ड में ले लिया। हालांकि उन्हें फिलहाल कोई राहत नहीं दी है और न ही इस मामले में सुनवाई के लिये अगली तिथि तय की है। यह तय है कि अब अदालत अतिक्रमण के मामले में किसी अन्य के दावे पर कोई विचार नहीं करेगी और इन्हीं लोगों के मामले पर विचार करेगी। गौरतलब है कि एक अतिक्रमणकारी की ओर से आज हस्तक्षेप याचिका कर मामले को सुनवाई के लिये लेने का अनुरोध अदालत से किया लेकिन अदालत ने उस पर सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि निश्चित समय के बाद दाखिल की गयी याचिका पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

यहां बता दें कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा में रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण के मामले को हल्द्वानी के सामाजिक कार्यकर्ता रविशंकर जोशी की ओर से चुनौती दी गयी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि रेलवे की 29 एकड़ भूमि पर 4365 अतिक्रमणकारियों की ओर से कब्जा किया गया है। रेलवे अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। इसके बाद उच्च न्यायालय की ओर से वर्ष 2016 में रेलवे को 10 सप्ताह में अतिक्रमण हटाने के निर्देश दे दिये गये। इसी बीच अतिक्रमणकारी शीर्ष अदालत पहुंच गये। हालांकि यहां से उन्हें राहत नहीं मिल पायी और पुन: उच्च न्यायालय के समक्ष अपना वाद प्रस्तुत करने को कहा। जब इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई तो श्री जोशी की ओर से फिर से इस साल एक जनहित याचिका के माध्यम से इस मामले को चुनौती दी गयी। अदालत ने पूरे प्रकरण को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया लेकिन इसके बावजूद अतिक्रमणकारी उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाते रहे। इसके बाद अदालत ने सभी अतिक्रमणकारियों को अंतिम मौका देते हुए दो सप्ताह में अपना दावा प्रस्तुत करने को कहा।

शार्ट न्यूज

बुराड़ी के लोगों को केजरीवाल सरकार की सौगात, 4.95 करोड़ रूपये की लागत से हिरनकी बांध से नत्थूपुरा तक करवाया जाएगा नाले का निर्माण

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार हिरनकी बांध से नत्थूपुरा के बीच नाले का निर्माण करवाएगी। इस नाले से बरसात के दिनों में बुराड़ी रोड पर होने वाले जलजमाव को खत्म करने में मदद मिलेगी। इस बाबत शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री व पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने 4.95 करोड़ रूपये की लागत के इस परियोजना को मंजूरी दी। बुराड़ी रोड पर रोजाना हजारों वाहनों की आवाजाही होती है तथा बुराड़ी रोड बहुत-सी कॉलोनियां के लिए मुख्य मार्ग का काम करता है। इस नाले के निर्माण के बाद वहां जलजमाव की समस्या नहीं होगी व स्थानीय लोगों को मानसून के समय जलजमाव के कारण लगने वाले ट्रैफिक से राहत मिलेगी। इस मौके पर श्री सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली को लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बुराड़ी रोड पर जलनिकासी का कोई स्थाई बंदोबस्त न होने के कारण मानसून के दौरान रोड पर आवाजाही करने वाले व स्थानीय कॉलोनियों में रहने वाले लोगों काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। इस समस्या का संज्ञान लेते हुए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को इसपर त्वरित संज्ञान लेने का निर्देश दिया गया है साथ ही उपमुख्यमंत्री द्वारा उन्हें नाले के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है ताकि स्थानीय लोगों की आवाजाही में कोई समस्या न आए। बता दे की बुराड़ी रोड पहले उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अधीन आता था जिसे बाद में पीडब्ल्यूडी द्वारा टेकओवर किया गया। रोड की हिरनकी बांध से नत्थूपुरा के बीच अपनी कोई जलनिकास प्रणाली नहीं है। जिस कारण यहां बरसात के दिनों में रोड पर जलजमाव हो जाता है और रोड की सतह भी खराब होती है। इस बाबत स्थानीय लोगों की समस्या पर तुरंत संज्ञान लेते हुए केजरीवाल सरकार ने यहां नाले के निर्माण को मंजूरी दी है।

बुराड़ी के लोगों को केजरीवाल सरकार की सौगात, 4.95 करोड़ रूपये की लागत से हिरनकी बांध से नत्थूपुरा तक करवाया जाएगा नाले का निर्माण

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार हिरनकी बांध से नत्थूपुरा के बीच नाले का निर्माण करवाएगी। इस नाले से बरसात के दिनों में बुराड़ी रोड पर होने वाले जलजमाव को खत्म करने में मदद मिलेगी। इस बाबत शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री व पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने 4.95 करोड़ रूपये की लागत के इस परियोजना को मंजूरी दी। बुराड़ी रोड पर रोजाना हजारों वाहनों की आवाजाही होती है तथा बुराड़ी रोड बहुत-सी कॉलोनियां के लिए मुख्य मार्ग का काम करता है। इस नाले के निर्माण के बाद वहां जलजमाव की समस्या नहीं होगी व स्थानीय लोगों को मानसून के समय जलजमाव के कारण लगने वाले ट्रैफिक से राहत मिलेगी। इस मौके पर श्री सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली को लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बुराड़ी रोड पर जलनिकासी का कोई स्थाई बंदोबस्त न होने के कारण मानसून के दौरान रोड पर आवाजाही करने वाले व स्थानीय कॉलोनियों में रहने वाले लोगों काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। इस समस्या का संज्ञान लेते हुए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को इसपर त्वरित संज्ञान लेने का निर्देश दिया गया है साथ ही उपमुख्यमंत्री द्वारा उन्हें नाले के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है ताकि स्थानीय लोगों की आवाजाही में कोई समस्या न आए। बता दे की बुराड़ी रोड पहले उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अधीन आता था जिसे बाद में पीडब्ल्यूडी द्वारा टेकओवर किया गया। रोड की हिरनकी बांध से नत्थूपुरा के बीच अपनी कोई जलनिकास प्रणाली नहीं है। जिस कारण यहां बरसात के दिनों में रोड पर जलजमाव हो जाता है और रोड की सतह भी खराब होती है। इस बाबत स्थानीय लोगों की समस्या पर तुरंत संज्ञान लेते हुए केजरीवाल सरकार ने यहां नाले के निर्माण को मंजूरी दी है।

अवैध शराब को लेकर आबकारी विभाग एवं पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में चलाया गया गहन सर्च अभियान

ग्रेटर नोएडा। जनपद में अवैध शराब के निष्कर्षण एवं अवैध शराब के व्यापार के विरूद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्धनगर राकेश बहादुर सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि गुरुवार को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 1 गौरव चन्द द्वारा दिल्ली गौतमबुद्ध नगर बॉर्डर पर कोंडली में दविश देकर वाहन बजाज ऑटो नंबर यूपी14बीयू2820 से कुल नौ बोतल इवनिंग स्पेशल ब्रांड की विदेशी शराब दिल्ली राज्य में विक्री के लिए अनुमन्य के साथ दो अभियुक्त सर्वेश कुमार पुत्र राम प्रसाद पाल व जयवीर सिंह पुत्र रमेश चंद्र को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के धारा 63/72 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर जेल भेजा गया तथा आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 1 गौरव चन्द व रवि जायसवाल द्वारा कोंडली चेक पॉइंट से हीरो स्प्लेंडर बाइक से 6 बोतल बिग बॉस ब्राण्ड की विदेशी शराब के साथ 2 अभियुक्त सतेंद्र सिंह पुत्र शोभाराम व कोमल सिंह पुत्र लज्जाराम को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 63/72 में अभियोग पंजिकृत कर जेल भेजा गया। इसी प्रकार आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 1 गौरव चन्द व पंकज सिंह चैहान द्वारा प्रकाश हलधर पुत्र विश्वनाथ हलधर को 8 बोतल रॉयल स्टैग ब्राण्ड के विदेशी शराब दिल्ली राज्य में विक्री के लिए अनुमन्य के साथ गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 63 में अभियोग पंजिकृत कर जेल भेजा गया। जिला आबकारी अधिकारी राकेश बहादुर सिंह ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के निर्देशन में अवैध शराब की बिक्री को लेकर जनपद में निरंतर गहन सर्च अभियान जारी रहेगा। उन्होंने अवैध शराब का कारोबार करने वालों को सचेत करते हुए कहा है कि उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत सख्त से सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

जेवर पुलिस ने दहेज हत्या के अभियोग में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा । थाना जेवर पुलिस ने शुक्रवार को दहेज हत्या के अभियोग में वांछित अभियुक्त सुभाष पुत्र बाबू निवासी ग्राम गोपालगढ़ थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के साबोता टोल कट के पास से गिरफ्तार कर लिया।गौरतलब है कि वादी विजयपाल सिंह पुत्र नत्थी सिंह निवासी ग्राम मुसरिया थाना राया जनपद मथुरा द्वारा थाना जेवर पर लिखित तहरीर दी गई थी की वादी की बेटी पूजा उर्फ जूली पत्नी राकेश निवासी गोपालगढ थाना जेवर गौतमबुद्धनगर की शादी वर्ष 2018 में हुई थी। शादी के बाद से पूजा उर्फ जूली के ससुराल वाले पूजा को दहेज की मांग को लेकर प्रताडित एवं मारपीट करते थे एवं 7 जून 2022 को पूजा की फाँसी लगाकर हत्या कर दी गयी थी। जिसके सम्बन्ध में थाना जेवर पर मुकदमा अपराध संख्या 208/2022 धारा 498ए,304बी,323 भादवि व व 3/4 दहेज एक्ट के तहत पंजीकृत है।उपरोक्त मुकदमा में अभियुक्त सुभाष वांछित चल रहा था।गिरफ्तार अभियुक्त मृतका का ससुर है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

दुनिया के ऊंचे पर्वतों पर तिरंगा लहराने वालीं बलजीत कौर को 'प्रेस क्लब ऑफ इंडिया' ने किया सम्मानित

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। एक महीने से भी कम समय में आठ हजार मीटर की ऊंचाई वाली चार पर्वत चोटियों पर देश का तिरंगा लहराने वालीं बलजीत कौर और उनके गाइड मिंगमा शेर्पा को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर 'प्रेस क्लब ऑफ इंडिया' अध्यक्ष उमाकांत लखेड़ा, कोषाध्यक्ष, चंद्र शेखर लूथरा सह-सचिव स्वाति माथुर, क्लब के वरिष्ठ सदस्य विजय शंकर चतुर्वेदी, मनोज शर्मा, बी.आर. चौहान, कार्यकारिणी सदस्य शमीम जॉय, मयंक, पूर्व कोषाध्यक्ष नीरज ठाकुर, सुशील शर्मा (फोटोग्राफर), धरणीधर त्रिपाठी, डा. गिरी, ऋषभ राणा, जितेंद्र सिंह, राखी अरोड़ा एवं केन्द्रीय मंत्री कृष्णा रेड्डी की मीडिया एडवाइजर डा. हर्ष भार्गवी, उपस्थित रहें। बलजीत कौर ने हाल ही में बहुत ही कम समय के अंतराल में माउंट ल्होत्से, माउंट अन्नपूर्णा, कंचनजंगा और माउंट एवरेस्ट जैसी विश्व प्रसिद्ध चोटियों को लगभग 58, हजार फीट ऊंचाई को फतेह किया।

अपने पर्वतीय अनुभवों को साझा करते हुए बलजीत कौर ने बताया कि कैसे पर्वत की चोटियों की तरफ बढ़ते हुए उनका कई कठिनाईओं के साथ सामना हुआ। जहां ऐसा लगा कि अब जिंदा वापस नहीं लौटेंगे। उस समय कैसे उनकी टीम में मौजूद सभी लोगों ने एक दूसरे को प्रोत्साहित किया और फिर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़ना शुरू किया। क्योंकि बलजीत कौर एक शुद्ध शाकाहारी हैं, उन्होंने बताया कि कैसे पहाड़ चढ़ते समय आलू के पराठे ही उनका मुख्य आहार बने।

बलजीत कौर ने इस तरह पर्वतों को फतेह करने वाले अपने जज्बे पर कहा कि, 'यह मेरे लिए काफी गर्व की बात है कि मैने अपने देश के लिए कुछ किया। कहने के लिए जीत खिलाड़ी की होती है लेकिन जब वह कहता है कि मुझे अपने देश पर गर्व है, तब पूरे देश का सिर ऊंचा हो जाता है। मैं हमेशा इस जज्बे के साथ आगे बढ़ती हूं कि मैं हवा बनकर हर एक चिंगारी को आग में बदल सकती हूं।'

'प्रेस क्लब ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष उमाकांत लखेड़ा ने बलजीत कौर और गाइड मिंगमा शेर्पा का स्वागत करते हुए कहा कि हमारे लिए पहाड़ों पर चढ़ने की बात को सोचना भी बहुत कठिन है।

और आप दुनिया की सबसे ऊंची चोटी के साथ कई चोटियों को एक साथ फतेह कर चुकी हैं यह सच में हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। मैं भी एक पहाड़ी हूं और मैने भी पहाड़ का जीवन जिया हुआ है। इसलिए मैं समझ सकता हूं कि यह कितना चुनौतीपूर्ण हुआ होगा।

स्वाति माथुर, सह सचिव 'प्रेस क्लब ऑफ इंडिया' ने इस मौके पर बलजीत कौर को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बलजीत आप ऐसे ही देश के नाम को रोशन करती रहें। आप जब भी इस तरह से पर्वतों को फतेह करती हैं तो देश की नारी को अपने सपनों को पूरा करने के लिए और बल मिलता है।

वरिष्ठ सदस्य विजय शंकर चतुर्वेदी 'प्रेस क्लब ऑफ इंडिया' ने बलजीत कौर और गाइड मिंगमा शेर्पा की विशेष रुप से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मिंगमा शेर्पा जैसे लोग सही मायने में द्रोणाचार्य हैं। जो कि बलजीत कौर जैसी उत्साही पर्वतारोही उम्मीदवारों को ट्रेनिंग और पर्वत फतेह करने में मदद करते हैं।

'प्रेस क्लब ऑफ इंडिया' के वरिष्ठ सदस्य मनोज कुमार शर्मा ने दोनों ही गुरु और शिष्य की जोड़ी को सम्मान देते हुए कहा कि बलजीत कौर जैसी लड़कियां सही मायने में महिला सशक्तिकरण का सही उदाहरण हैं। इनके पिता एक वाहन चालक हैं, इसके बावजूद इन्होंने इतनी हिम्मत रखी और पर्वत को अपने कदमों तले किया। मैं बलजीत कौर को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

'प्रेस क्लब ऑफ इंडिया' और यमुना युवक केंद्र की तरफ से बलजीत कौर और उनके गाइड मिंगमा शेर्पा को बुके और जीतो इंडिया ट्रैक शूट देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान दोनों ने ही अपने पर्वत फतेही संघर्षों और जज्बों के बारे में सभी को बताया। बलजीत कौर को 'प्रेस क्लब ऑफ इंडिया' और यमुना युवक केंद्र के प्रधान राजेश लांबा, संचालक अजय यादव और सभी सदस्यों ने सम्मानित किया।

एशिया के सबसे बड़े रेडिमेड कपड़ा मार्केट को पुनर्विकसित करेगी केजरीवाल सरकार, परियोजना पर काम हुआ तेज

गांधी नगर को 'ग्रैंड गारमेंट हब' के रूप में विकसित करेगी केजरीवाल सरकार, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पुनर्विकास परियोजना की प्रगति को लेकर की समीक्षा बैठक

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। एशिया के सबसे बड़े रेडिमेड कपड़ा मार्केट को केजरीवाल सरकार पुनर्विकसित करेगी। परियोजना पर तेजी से काम हो रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने पुनर्विकास परियोजना की प्रगति को लेकर आज समीक्षा बैठक की है। गांधी नगर को केजरीवाल सरकार 'ग्रैंड गारमेंट हब' के रूप में विकसित करेगी। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि गांधी नगर का पुनर्विकास केजरीवाल सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। दिल्ली की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के साथ हजारों रोजगार उत्पन्न करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। गांधी नगर को पुनर्विकास के बाद नई पहचान मिलेगी। व्यापारियों के व्यापार में भी वृद्धि होगी। केजरीवाल सरकार

रोजगार बजट में की गई घोषणाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। रोजगार बजट का उद्देश्य अगले पांच सालों में दिल्ली में नौकरी के 20 लाख नए अवसर पैदा करना है। इसी दिशा में सरकार द्वारा विभिन्न परियोजनाओं की शुरूआत की गई है। गांधी नगर को 'ग्रैंड गारमेंट हब' के रूप में विकसित करना इन्हीं महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जिसपर चरणबद्ध तरीके से काम हो रहा है। इस बाबत उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को परियोजना की प्रगति जानने के लिए एक समीक्षा बैठक की।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी नगर रेडिमेड कपड़ा मार्केट के रूप पूरे विश्व में मशहूर है और दिल्ली को एक अनूठी पहचान देता है। गांधी नगर का पुनर्विकास परियोजना हमारे लिए सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जो दिल्ली की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने और हजारों की संख्या में रोजगार उत्पन्न करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। पुनर्विकास से न केवल इसे एक नई पहचान मिलेगी बल्कि व्यापारियों के व्यापार में भी वृद्धि होगी। यहां लोगों को शॉपिंग करने का नया अनुभव प्राप्त होगा।

गाँधी नगर में सभी आर्थिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए 2 फेज में होगा पुनर्विकास का कार्य

फेज 1

गाँधी नगर के पुनर्विकास के फेज 1 में स्थानीय व्यापारियों के तत्कालीन समस्याओं को दूर करने के लिए यह कदम उठाए जाएंगे।

- जनसुविधाएं, पेयजल व अन्य सुविधाओं की होगी व्यवस्था
- सीसीटीवी कैमरे व सिक्योरिटी मॉनिटरिंग सिस्टम किया जाएगा स्थापित
- स्ट्रीट लाइट व स्ट्रीट फर्नीचर को किया जाएगा री-डिजाइन
- विजुअल इनफॉर्मेशन सिस्टम किए जाएंगे स्थापित

फेज 2

पुनर्विकास के दूसरे चरण में सरकार द्वारा मार्केट के अर्बन डिजाइनिंग व आर्किटेक्चर पर फोकस किया जाएगा। साथ ही साथ मार्केट के राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मार्केटिंग, डिजिटलाइजेशन, अग्निशमन सुविधाएं स्थापित करना व मौजूदा फैसिलिटीज को अपग्रेड करना आदि शामिल होगा। उल्लेखनीय है कि गाँधी नगर एशिया का सबसे बड़ा रेडिमेड गारमेंट मार्केट है। यहां जगह की कमी के कारण बुनियादी ढांचे की बहुत कमी है। जिससे अब व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार का उद्देश्य इसे नया रूप देने का है। जहाँ कम जगह में ही स्थान का बेहतरीन उपयोग करते हुए शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा सके, जो ग्राहकों को आकर्षित करेगा और इससे व्यापार बढ़ेगा।

कैलाश अस्पताल जेवर, जेपी ग्रुप और इंडियन आयल के द्वारा किया गया आई एवं स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर में यमुना एक्सप्रेस वे पर माइलस्टोन 35 पर शुक्रवार को आई एवं स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य कैम्प में 110 मरीजों की आँखों एव स्वास्थ्य की जांच की गई। कैम्प का आयोजन यमुना एक्सप्रेस वे जेपी ग्रुप, कैलाश अस्पताल जेवर एवं इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से किया गया। इस मौके पर यमुना एक्सप्रेस वे इंचार्ज संतोष पंवार,डॉ ए के सिहं एमएस कैलाश अस्पताल जेवर,टोल प्लाजा इंचार्ज जेवर जे के शर्मा,डॉ अभिषेक गौड़ ट्रामा सेन्टर इंचार्ज जेवर यमुना एक्सप्रेस वे,अजय गर्ग सीजीएम यूपीएसओ-द्द्य, आर के साहेब जीएम यूपीएसओ-द्द्य, सचिन शर्मा डीआरएसएच डीओ,मयंक कुमार मैनेजर आरएस नोएडा आरएसए,दिगम्बर सिंह एएम नोएडा हब,डॉ बलराम सिंह फिजीशियन,डॉ अंजलि आई स्पेशलिस्ट, डॉ मुनेन्द्र सिंह राना आई सर्जन, मुहेश शर्मा मार्केटिंग मैनेजर कैलाश अस्पताल जेवर आदि उपस्थित रहे।

महिला उन्नति संस्था द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर शिक्षित महिलाओं के लिए की नि:शुल्क कम्प्यूटर ट्रैनिंग सेंटर की गई शुरुआत

ग्रेटर नोएडा। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए महिला उत्थान को समर्पित सामाजिक संगठन महिला उन्नति संस्था ने शुक्रवार को आर्थिक रूप से कमजोर शिक्षित महिलाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए गौतमबुद्धनगर के छपरौला में नि:शुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर की शुरुआत की गई। सेंटर का शुभारंभ बच्चियों के हाथों कराते हुए संस्थापक डॉ राहुल वर्मा ने कहा कि यह एक सुखद एहसास है जब लड़कियों के लिए निशुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर का शुभारंभ हो रहा है। संगठन महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है आर्थिक रूप से कमजोर बच्चियों को सेंटर पर कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।संगठन जनपद स्तर पर लड़कियों के लिए नि:शुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर खोले जाने की प्रक्रिया पर कार्य कर रहा है। सेंटर इंचार्ज जिला उपाध्यक्ष पूनम सारस्वत ने बताया कि आज के समय में नौकरी के लिए तकनीकी रूप से दक्ष होना बेहद जरूरी है। आर्थिक रूप से कमजोर लड़कियां शिक्षित होने के बावजूद कम्प्यूटर ज्ञान के अभाव में नौकरियों से वंचित रह जाती है सेंटर खुलने के बाद कम्प्यूटर ट्रेनिंग की इच्छुक गरीब होनहार लड़कियों को चिन्हित कर उन्हें कम्प्यूटर शिक्षा में दक्ष किया जाएगा जिससे कि उन्हें रोजगार पाने में सहूलियत हो सके। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रणवीर चौधरी,विजय तंवर, अरविंद सारस्वत,दीपिका और स्नेहा आदि सदस्य मौजूद रहे।

भाटी माईन्स में दिल्ली सरकार के स्कूल का निरीक्षण कर रमेश बिधूड़ी ने खोली केजरीवाल के वर्ल्ड क्लास शिक्षा मॉडल की पोल

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली सांसद श्री रमेश बिधूड़ी ने आज प्रात: पत्रकारों सहित छत्तरपुर विधान सभा स्थित भाटी माईन्स में दिल्ली सरकार के स्कूल का निरीक्षण किया। जहां बालिकाएं कक्षाओं में अध्ययन कर रही थीं। बिधूड़ी ने पत्रकारों के साथ स्कूल के क्लास रूम, टॉयलेट व पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पाया की किस प्रकार लगभग 3000 बाल/बालिकाएं कुल 20 क्लास रूम्स में टीन की छत के नीचे इस भीषण गर्मी में जमीन पर बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं, सभी कक्षाओं की खिड़कियाँ टूटी हुई हैं, धूल आंखों में लगती है, पंखे खराब स्थिति में हैं, 6-6 घंटे तक लाइट नहीं आती, पीने के पानी की व्यवस्था गंदगी के समान बनी हुई है, टॉयलेट बदतर हालत में हैं। स्कूल के अंदर बंदर घूम रहे हैं जिससे बच्चों की जान पर खतरा बना रहता है सांसद ने बताया कि 3000 बच्चे उक्त परेशानियों में रहकर किस तरह पढाई कर पाते होंगे इसका अंदाजा दिल्ली

सरकार के इन स्कूलों में आ कर लगाया जा सकता है। लेकिन यह दुभार्ग्य की बात है कि विश्वस्तरीय शिक्षा मॉडल का ढोल बजाने वाले केजरीवाल जी की ओच्छी राजनीति से प्रेरित महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालिवाल भाटी के निगम स्कूल में पहुँचकर वहाँ की व्यवस्थाओं को तो देखती हैं परन्तु भाटी में ही स्थित दिल्ली सरकार के इस स्कूल को देखने नहीं आती जहाँ 20 क्लास रूम्स में 3 हजार बच्चे कई शिफ्टों में असुविधाओं के साथ कठिन परिस्थितियों में पढ़ते हैं, उन्हें अपने कतर्व्यों का निवार्हन करते हुए दिल्ली सरकार के इस स्कूल में भी आना चाहिए था जो एमसीडी स्कूल से कुछ ही दूरी पर था, मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या इस स्कूल में गरीबों के बच्चे नहीं पढते ? अगर वह यहाँ आती और देखती तो केजरीवाल व मनीष सिसोदिया ने जो विदेशों से डेलीगेशन बुला कर विश्वस्तरीय शिक्षा मॉडल का उदाहरण पेश कर दिल्ली के लोगों की आंखों में धूल झोंकी है उसकी पोल खुल जाती, इस कारण से वह यहाँ नहीं आईं।

बिधूड़ी ने आगे बताया कि स्वाति मालिवाल जो कि चुनाव से पूर्व केजरीवाल की 'परिवतर्न नाम की संस्था' में काम करती थी, इस संस्था पर विदेशों से व टुकड़े-टुकड़े गैंग आदि से फंडिंग लेने का आरोप था, परन्तु सत्ता में आने के बाद केजरीवाल द्वारा उन्हें महिला आयोग की अध्यक्षा का पद दिया जाता है और सभी सरकारी सुविधाए उन्हें प्रदान की जाती हैं, यह पद उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने समाज के क्षेत्र आदि में अच्छे कार्य किए हों। बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल राष्ट्रद्रोह और भ्रष्टाचार के आखंड में डूब कर किस प्रकार से गरीबों की सेवा के नाम पर उन्हें गुमराह कर रहे है, इस स्कूल की दुदर्शा इस बात का उदाहरण है। वह चाहें तो वन विभाग जिसके वह स्वयं मालिक हैं, इसकी क्लिअरेंस लेकर टीन के कमरों में बने इस स्कूल को पक्के निमार्ण में परिवतिर्त कर सकते हैं, लेकिन आज तक वह बगैर किसी विभाग के एक ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने एक भी बैठक अधिकारियों की नहीं ली, केवल दिल्ली की जनता के पैसे का दुरूपयोग कर कभी हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब और गुजरात घूमने में लगे रहते हैं और दिल्ली के गरीब लोग सुविधाओं से वचित रह कर नारकीय जीवन जी रहे हैं।

कासना पुलिस ने दुकान से मोबाइल फोन चोरी करने की घटना का सफल अनावरण करते हुए चार अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

कब्जे से चोरी किये गये 112 मोबाइल फोन सहित शटर काटने के उपकरण बरामद, पुलिस टीम को मिला 20 हजार रुपये का इनाम

ग्रेटर नोएडा। थाना कासना पुलिस ने थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला के नेतृत्व में दुकान का शटर काटकर मोबाइल चोरी करने की घटना का सफल अनावरण करते हुए चार अभियुक्तों आनन्द पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम नत्थापुरा झोरियां थाना पिनाहट जनपद आगरा, हीरा सिंह उर्फ हीरेश पुत्र किताब सिंह निवासी ग्राम नत्थापुरा झोरियां थाना पिनाहट जनपद आगरा, संजीव पुत्र दयाराम निवासी ग्राम जेवर खादर मढैया थाना जेवर गौतमबुद्धनगर, घनश्याम पुत्र छोटे लाल निवासी नत्थापुरा झोरियां थाना पिनाहट जनपद आगरा को थाना क्षेत्र के साईट-5 के गेट नंबर 2 के पास से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने चोरी किए गए 112 मोबाइल फोन,

शटर काटने के उपकरण एक लॉक कटर, एक पेचकस और एक छैनी बरामद की है। गौरतलब है कि 31 मई 2022 को वादी यतेन्द्र नागर पुत्र काशीराम निवासी ग्राम पीपलका थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर द्वारा कासना कस्बा बस स्टैण्ड के पास स्थित अपनी मोबाइल की दुकान का शटर काटकर अज्ञात चोरों द्वारा मोबाइल चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में थाना कासना पर मुकदमा अपराध संख्या 142/2022 धारा 380,457 भादवि के तहत पंजीकृत कराया गया था। जिसमें तत्काल मोबाइल बरामदगी एवं घटना का सफल अनावरण करने हेतु टीम का गठन किया गया था गठित टीम द्वारा अपने अथक प्रयास व परिश्रम से गुरुवार को उपरोक्त अभियुक्तगणों को गिरफ्तार कर घटना का सफल अनावरण कर दिया।घटना का सफल अनावरण करने वाली पुलिस टीम के उत्साहवर्धन हेतू डीसीपी ग्रेटर नोएडा द्वारा 20 हजार रूपये के इनाम से पुरस्कृत किया गया है। अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

जिलाधिकारी सुहास एल वाई ने उद्योग बंधु की ऑनलाइन बैठक करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले के जिलाधिकारी सुहास एल वाई ने उद्योगों से जुड़े हुए सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनपद गौतमबुद्धनगर के औद्योगिक विकास को लेकर निरंतर स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि जनपद का औद्योगिक विकास और अधिक तेजी से आगे बढ़ सके। जिलाधिकारी सुहास एल वाई जिला उद्योग बंधु की ऑनलाइन बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान कर रहे थे। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर सर्वप्रथम निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के संबंध में गहन समीक्षा की जिसमें पाया कि सबसे अधिक 104 प्रकरण ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण से संबंधित लंबित हैं। इसके अतिरिक्त नोएडा विकास प्राधिकरण में भी लगभग 80 प्रकरण लंबित पाए गए। इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निवेश मित्र पोर्टल उद्यमियों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। अत: सभी संबंधित अधिकारी इस पोर्टल पर प्राप्त होने वाले प्रकरणों में गहनता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय अवधि के भीतर प्रकरणों का निपटारा सुनिश्चित करें ताकि जनपद के उद्यमियों को सरकार की मंशा के अनुरूप लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने आयोजित उद्योग बंधु की बैठक में उद्यमी संगठनों से जुड़े हुए समस्त प्रतिनिधियों की समस्याओं को बहुत ही गहनता के साथ अनुश्रवण किया। जिला अधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उद्यमी प्रतिनिधियों के द्वारा उद्योगों से जुड़ी हुई जो समस्याएं शुक्रवार को उद्योग बंधु की बैठक में रखी गई हैं ।

संपादकीय

कुछ देशों का रवैया चिंतित करने वाला है

भाजपा नेताओं द्वारा इस्लाम से संबंधित टिप्पणी पर कई इस्लामिक देशों में हो रही प्रतिक्रियाएं किसी दृष्टि से सामान्य घटना नहीं है। कतर ,कुवैत और ईरान ने भारतीय राजदूतों को सम्मन कर लिखित नाराजगी जताई ।यही नहीं सऊदी अरब, कुवैत और बहरीन के स्टोरों से भारतीय चीजें हटाए जाने की अपील सोशल मीडिया पर आने लगी और ऐसा होते देखा भी गया। ओमान के ग्रैंड मुफ्ती ने सभी मुस्लिम राष्ट्रों से इस मुद्दे पर एकजुट होने को कहा। पाकिस्तान और इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी ने इस पर बयान जारी कर दिया। पूरा विवाद एक टीवी बहस से संबंधित है जिसमें ज्ञानवापी में शिवलिंग की आकृति को फव्वारा बताने के विरुद्ध भाजपा की एक प्रवक्ता ने प्रश्नवाचक लहजे में कुछ टिप्पणी की थी। एक नेता ने उसको रीट्वीट कर दिया। यह इतना बड़ा विवाद बन जाएगा इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। टीवी डिबेट में आजकल तनाव बढ़ने पर ऐसी कई टिप्पणियां आती हैं जिनको मुद्दा बना दिया जाए तो हर दिन देश में तनाव और हिंसा हो सकता है तथा इसकी प्रतिध्वनि विदेशों में भी सुनाई पड़ेगी। ऐसे कम ही अवसर आए होंगे जब किसी देश में ऐसे मामले पर दूसरे देश के राजदूत को तलब किया होगा जिसमें द्विपक्षीय या फिर अंतरराष्ट्रीय मसले नहीं हो। किसी देश में टेलीविजन डिबेट या भाषण में की गई किसी नेता की टिप्पणी दूसरे देश के लिए मुद्दा कैसे हो सकता है ? भाजपा ने अपने जिन नेताओं के विरुद्ध कार्रवाई की है उन्होंने इन देशों पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। इसलिए यह विषय हमें कई पहलुओं पर गंभीरता से सोचने को बाध्य करता है। देशों का रवैया देखिए, कतर की सरकार ने दोहा स्थित भारतीय राजदूत को बुलाकर मोहम्मद पैगंबर साहब के बारे में की गई कथित टिप्पणियों का मुद्दा उठाया। कतर के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि विदेश मंत्री सुल्तान विन साद अरमुरैखी ने नोटिस सौंपा। इसमें कहा गया कि भारत में सत्ताधारी पार्टी के नेता की तरफ से दिये गये इस तरह के बयान को पूरी तरह खारिज करती है। इस तरह की टिप्पणियों से पूरी दुनिया में धार्मिक नफरत बढेगा। यह टिप्पणी भारत समेत पूरी दुनिया में सभ्यता के विकास में जो योगदान इस्लाम ने दिया है उसे कमतर करती है । ध्यान रखिए इसमें साफ कहा गया है की कतर सरकार को उम्मीद है कि भारत सरकार इस बारे में सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी। जब इसमें सरकार सही है नहीं तो फिर माफी मांगने का सवाल कहां से पैदा होता है ? हालांकि कतर ने भाजपा द्वारा अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई का स्वागत किया। भारत के प्रतिनिधि के रूप में राजदूतों ने यह स्पष्ट किया कि भारत विविधताओं का देश है। यहां सभी मजहबों के लिए सम्मान है और जिन लोगों ने ऐसा किया उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। किसी भी मजहब या उनके पैगंबरों के सम्मान के विरुद्ध कोई टिप्पणी समाज में स्वीकार नहीं हो सकती । क्या डिबेट में कही गई किसी पंक्ति को वाकई इस श्रेणी का माना जा सकता है ? अगर है भी तो क्या भारत के साथ पुराने संबंध रखने वाले इन देशों को पता नहीं कि यहां संविधान में सभी पंथों,मजहबों को अपनी परंपरा के अनुसार जीने, मान्य सीमाओं में प्रचार करने का पूरा अधिकार है ? यहां हिंदू ,मुसलमान, सिख, ईसाई आदि के बीच किसी तरह का भेदभाव नहीं है ? बावजूद अगर उन्होंने इस तरह का असाधारण कदम उठाया तो इसके कारण साफ हैं। सच यह है कि इन देशों के अंदर ही दूसरे पंथों- मजहबों को वैसी स्वतंत्रता नहीं जैसी भारत जैसे देश में है। गैर मुस्लिम भारतीयों को अपने धर्म के पालन में वहां अनेक कठिनाइयां आती है। लेकिन हमारी सरकार ने कभी वहां के राजदूतों को बुलाकर अपनी आपत्ति और नाराजगी नहीं जताई। दुनिया के ज्यादातर गैर मुस्लिम देशों ने ही शायद ही कभी ऐसा किया होगा। अगर देश किसी दूसरे देश में की गई टिप्पणियों को द्विपक्षीय संबंधों का मुद्दा बनाकर इस तरह उठाने लगे तो फिर दुनिया में अराजकता ही पैदा होगी। न यह किसी अंतरराष्ट्रीय कानून में आता है और न ही अंतरराष्ट्रीय राजनय में इसके बारे में मापदंड तय किए गए हैं।

सच्चे इस्लामिक राष्ट्र पाकिस्तान का असली चेहरा पहचाने

ललित गर्ग

भारतीय मुसलमानों को लेकर घड़ियाली आंसू बहाने और अभी हाल में पैगंबर मोहम्मद साहब को लेकर की गईं टिप्पणियों के बहाने आसमान सिर पर उठाने तथा इस्लामी जगत को भारत के खिलाफ उकसाने वाला पाकिस्तान अपने यहां अल्पसंख्यकों का किस प्रकार दमन, दोहन, उत्पीड़न कर रहा है, इसका ताजा प्रमाण है कराची में एक मंदिर में किया गया हमला। इस हमले के दौरान न केवल प्रतिमाओं को तोड़ा गया, बल्कि लूटपाट-मारपीट भी की गई। पड़ोसी देश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न की यह एक और त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटना है। इस घटना में सबसे पहले कुछ मोटरसाइकिलों पर दर्जन भर लोग आए और मंदिर पर हमला कर दिया, बाद में और लोग आए तथा हमलावर भीड़ में तब्दील हो गए। हमलावर हिंदुओं के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। इस घटनाक्रम से कराची के हिंदू समुदाय में काफी दहशत एवं असुरक्षा है। ऐसी अमानवीय एवं त्रासद घटनाओं का विरोध केवल भारत में ही नहीं, दुनिया में होना चाहिए।

इनदिनों पाकिस्तान पूर्व बीजेपी नेता नूपुर शर्मा के बयानों पर भारत को ज्ञान दे रहा है लेकिन उसके अपने मुल्क में हिंदू और सिख जैसे अल्पसंख्यकों और उनके पूजा-स्थलों की स्थिति बेहद दयनीय है। पिछले बाइस महिनों में कराची में मन्दिर पर यह दसवां हमला है। उससे पहले भी पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों पर भीड़ हमला करती रही है और वहां की सरकारें चुप्पी साधे रही है। अक्सर हिंदू मंदिर व हिंदू जनमानस कट्टरवादी एवं उन्मादी उपद्रवियों के हमले का शिकार होते रहते हैं। पाकिस्तान सरकार इन पर नियंत्रण की बात तो करती है किन्तु हिंदुओं के हमलावरों पर नियंत्रण कर पाने में सफल नहीं हो पाती। इससे लगता है कि सरकार की कथनी और करनी में फासला है एवं वह पूर्वाग्रहों एवं आग्रहों से ग्रस्त है। आज पाकिस्तान एवं अन्य कट्टरवादी मुस्लिम राष्ट्रों में सचमुच इसकी महती आवश्यकता है कि इस्लाम को मानने वाले शांति-पसन्द लोग आगे आएं और खुलकर कहें कि सभी रास्ते एक ही ईश्वर की ओर जाते हैं, अपने-अपने विश्वासों के साथ जीने की सबको आज़ादी है और अल्लाह के नाम पर किया जाने वाला खून-ख़राबा अधार्मिक है, अमानवीय है एवं अपवित्र है। अब समय आ गया है कि इसका सही-सही मूल्यांकन हो कि इन कट्टरपंथी ताक़तों की जड़ में कौन-सी विचारधारा या मानसिकता काम कर रही है। वह कौन-सी विचारधारा है जो नन्हीं हिन्दू बच्चियों का अपहरण कर उन्हें मुस्लिम बनाने को अल्लाह की इच्छा करार देती है ? वह कौन-सी विचारधारा है जो विद्यालयों-पुस्तकालयों-प्रार्थनाघरों-मन्दिरों पर हमला करने में बहादुरी देखती है और हज़ारों निर्दोषों का ख़ून बहाने वालों पर गर्व करती है? वह कौन-सी विचारधारा है जो दूर देश में हुए किसी घटना-निर्णय के विरोध में अपने देश के अल्पसंख्यकों के घर जलाने, उन पर हिंसक हमले करने में सुख या संतोष पाती हैं? अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव किया जाता है, उनके मंदिरों पर हमले केवल कट्टरपंथी मुस्लिम ही नहीं करते बल्कि आम लोग भी करते हैं। पिछले कुछ सालों में ये

हमले कई गुना बढ़ गए हैं। यह हमला मानसिकता को पनपाने में सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पाकिस्तान में हिन्दूओं को तरह तरह से उत्पीड़ित किया जाता है। अल्पसंख्यकों और विशेष रूप से हिंदू लड़कियों का अपहरण कर उन्हें पहले जबरन मुसलमान बनाया जाता है और फिर छल-बल का सहारा लेकर उनके अपहर्ता से ही उनका निकाह करा दिया जाता है। इसमें पुलिस, प्रशासन से लेकर अदालतें तक उन तत्वों का सहयोग करने को तत्पर रहती हैं, जो इन लड़कियों का अपहरण करते हैं। ऐसे मामलों में पाकिस्तान सरकार या तो चुप रहना पसंद करती है या फिर ऐसे जबरिया निकाह को कट्टरपंथी मुल्लाओं की तरह अल्लाह की मर्जी बताकर कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। पाकिस्तान में सरकार मंदिरों पर कोई खास ध्यान नहीं दे रही है। कई पुराने मंदिर या तो नष्ट कर दिए गए हैं, या फिर उनकी हालत बहुत बुरी है। यही हाल अन्य अल्पसंख्यकों का भी है। उदारवादी पत्रकार पीरजादा सलमान जैसे लोगों का मानना है कि लोग यह बात नहीं समझ पा रहे हैं कि इन हमलों के कारण वे देश की सांस्कृतिक धरोहर भी नष्ट कर रहे हैं, कराची के मालीर इलाके में एक मंदिर हुआ करता था। आर्किटेक्चर के लिहाज से यह एक शानदार इमारत थी। मंदिर में हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियों पर बहुत ही बारीकी से काम किया गया था। जब मंदिर पर हमला हुआ तब लोगों ने ये मूर्तियां भी तबाह कर दी। ये केवल पूजा पाठ की जगह नहीं थीं, बल्कि यह पाकिस्तान की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर थी। अपनी ही धरोहर को नष्ट करना पाकिस्तान के मानसिक दिवालियापन का द्योतक हैं। स्थिति कितनी भयावह है, इसे इससे समझा जा सकता है कि कुछ समय पहले जब खैबर पख्तूनख्वा में एक मंदिर को जलाने वालों पर अदालत ने जुर्माना लगाया, तो उसे हिंदुओं को ही भरना पड़ा। यह अंधेरगर्दी इसलिए हुई, क्योंकि हिंदुओं को धमका कर उन पर यह दबाव बनाया गया कि अमन-चैन बनाए रखने के लिए बेहतर यही होगा कि वे दोषियों पर लगाया गया जुर्माना खुद भरें। उन्हें ऐसा करना पड़ा।

दुनिया के किसी कोने में मुसलमानों के साथ हुई किसी मामूली या बड़ी घटना को लेकर अपने ही देश के ग़ैर इस्लामिक बंधु-बांधवों, पास-पड़ोस का अंधा विरोध, स्थानीय समाज के विरुद्ध हिंसक प्रदर्शन, अराजक रैलियां, उत्तेजक नारे, मज़हबी मजलिसें समझ से परे हैं? ऐसी मानसिकता को किस तर्क से सही ठहराया जा सकता है ? पंथ-विशेष की चली आ रही मान्यताओं, विश्वासों, रिवाजों के विरुद्ध कुछ बोले जाने पर सिर काट लेने की ज़िद्द, फरमान और सनक सभ्य समाज में कभी नहीं स्वीकार की जा सकती। आधुनिक समाज संवाद और सहमति के रास्ते पर चलता है। समय के साथ तालमेल बिठाता है। किसी काल विशेष में लिखे गए ग्रंथों, दिए गए उपदेशों, अपनाए गए तौर-तरीकों को आधार बनाकर तर्क या सत्य का गला नहीं घोंटता। चांद और मंगल पर पहुंचते क़दमों के बीच कट्टरता की ऐसी ज़िद व जुनून प्रतिगामी एवं संकीर्ण मानसिकता की परिचायक है। इस्लाम का कट्टरपंथी धड़ा आज भी इस संकीर्ण एवं मध्ययुगीन मानसिकता से बाहर आने को तैयार नहीं। नतीजतन वह विश्व मानवता के लिए एक ख़तरा बनकर खड़ा है। आस्था के नाम पर यह उचित नहीं कि जो-जो हमसे सहमत नहीं हैं, उन्हें दुनिया में रहने व जीने का अधिकार ही नहीं। यह घोर अलोकतांत्रिक एवं अवैज्ञानिक सोच होगी। अराजकता का व्याकरण और मूर्खताओं का तर्कशास्त्र गढ़ने में माहिर लोग भी इसकी पैरवी नहीं कर सकते।

पाकिस्तान में ईसाइयों के साथ हिंदुओं एवं सिखों के उत्पीड़न का सिलसिला एक लंबे अर्से से कायम है, लेकिन न तो विश्व समुदाय इस पर ध्यान देने को तैयार है और न ही वह इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआइसी), जो पाकिस्तान के इशारे पर भारत के मामलों में अनावश्यक दखल देने को उतावला रहता है। बीते दिनों इस्लामी देशों में जो भारत विरोधी माहौल बनाया गया, उसमें पाकिस्तान की तो एक बड़ी भूमिका थी ही, ओआइसी का भी हाथ था। भारत ने तब उचित ही पाकिस्तान के साथ ओआइसी को फटकार लगाई थी। अब कराची में मंदिर पर हमले की घटना को लेकर उसे फिर से ओआइसी को आईना दिखाना होगा। इसी के साथ ही इस संगठन के अन्य देशों और खासकर कतर एवं मलेशिया अपने गिरेबान में झांके ? अन्य सच्चे इस्लामिक राष्ट्रों से भी यह सवाल है कि वे पाकिस्तान में जो कुछ हो रहा है, उस पर अपना मुंह खोले और पाकिस्तान का असली चेहरा पहचानने की जहमत उठाये। इस्लामिक कट्टरपंथी ताक़तें पूरी दुनिया में अमन और भाईचारे का माहौल बिगाड़ने का काम कर रही हैं। जबकि इस्लाम के नाम पर दुनिया के हर कोने में हो रहे आतंकवादी हमलों एवं वारदातों के विरुद्ध इस्लाम के अनुयायियों के बीच से ही आवाज़ उठनी चाहिए। पाकिस्तान जैसे इस्लाम को धुंधलाने वाले राष्ट्र की गुमराह करने वाली बातों से दूरी बनाई जानी चाहिए। उसके द्वारा मज़हब के नाम पर किये जा रहे ख़ून-ख़राबे का खंडन करना चाहिए था। उसे सच्चा इस्लाम न मानकर कुछ विकृत मानसिकता का प्रदर्शन माना-बतलाया जाना चाहिए था।

स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने में भारत सफल तो रहा है पर शिशु मृत्यु दर अब भी चिंताजनक है

रमेश सर्राफ धमोरा

यूनिसेफ ने द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन 2019 नाम की अपनी रिपोर्ट में बताया कि भारत में पांच वर्ष से कम आयु के हर पांचवें बच्चे में विटामिन ए की कमी है। हर तीसरे बच्चे में से एक को विटामिन बी की कमी है और हर पांच में से दो बच्चे खून की कमी से ग्रस्त हैं।

कहते हैं कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। बच्चे ही बड़े होकर देश के विकास को आगे बढ़ाते हैं। कम उम्र में ही बच्चों की प्रतिभा का पता चल जाता है कि आगे चलकर यह विशिष्ट प्रतिभाशाली व्यक्ति बनेगा। मगर दुनिया में बहुत से बच्चे ऐसे होते हैं जो अपने जन्म से पांच साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते ही विभिन्न बीमारियों से ग्रसित होकर मर जाते हैं। इस तरह मरने वाले बच्चों की संख्या बहुत अधिक है। भारत में भी हर दिन पांच साल से कम उम्र के बच्चे बड़ी संख्या में मौत के मुंह में चले जाते हैं।

आज के वैज्ञानिक युग में बच्चों की इस तरह से मौत होना बहुत ही दुखदाई तो है ही साथ ही दुनिया के सामने एक यक्ष प्रश्न भी है कि नवजात बच्चों की इस तरह से होने वाली मौत को क्यों नहीं रोका जा सकता है। हालांकि पिछली सदी के मुकाबले बच्चों की मौत को काफी हद तक नियंत्रित किया गया है। मगर आज भी बड़ी संख्या में बच्चों की मौत सभी को दुखी कर रही है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी मुकाबला दुनिया ने बड़ी हिम्मत के साथ किया था। भारत सहित दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिकों ने मात्र आठ महीनों में ही कोरोना से बचाव की दवा बना कर काफी हद तक कोरोना महामारी पर नियंत्रण पा लिया। ऐसे में सवाल उठता है कि जब कोरोना जैसी महामारी को नियंत्रित किया जा सकता है तो फिर बच्चों की होने वाली मौत को क्यों नहीं रोका जा सकता है।

निमोनिया पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मौत का बड़ा कारण है। इसके उपचार में देरी बच्चे की जान के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है। उचित देखभाल और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के चलते नवजात शिशुओं की मौत पर नियंत्रण लगाना कितना मुश्किल है। इसका पता सेव दि चिल्ड्रन संस्था द्वारा जारी की गई रिपोर्ट से चलता है। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर साल दस लाख से अधिक बच्चे एक दिन से ज्यादा जीवित नहीं रह पाते। रिपोर्ट ने प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों और जन्म से जुड़ी जटिलताओं को इन मौतों की सर्वाधिक प्रमुख वजह माना गया है। जन्म के समय उचित देखभाल और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्मिकाओं की जरूरत को तमाम स्वास्थ्य और सामाजिक कार्यकर्ता रेखांकित करते रहे हैं। इस बात को रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया है कि अगर जन्म के समय प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी मौजूद हों तो लगभग आधी मौतों को टाला जा सकता है। स्वास्थ्य सेवाओं के जानकार मानते हैं कि अधिकांशत: गरीब देशों में जहां स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पातीं। वहां शिशुओं के लंबे समय तक जीवित रहने की संभावना भी बहुत कम होती है। खुद भारत की स्थिति भी इस मामले में बहुत अच्छी नहीं है।

स्वास्थ्य किसी भी देश के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता वाला क्षेत्र होता है। किसी भी समाज की खुशहाली का अनुमान उसके बच्चों को देखकर लगाया जा सकता है। लेकिन जिस समाज में हर साल लाखों बच्चे इस दुनिया में अपना एक दिन भी पूरा नहीं कर पाते वह कैसा समाज होगा इसे बताने की जरूरत नहीं। जब देश में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। तब ऐसा होना शर्मनाक ही नहीं बल्कि एक घृणित अपराध है।

भारत में हर साल 5 साल से कम उम्र के करीब 10 लाख बच्चे कुपोषण के कारण मर जाते हैं। इतना ही नहीं कुपोषण के मामले में भारत दक्षिण एशिया का अग्रणी देश बन गया है। जहां कुपोषण के मामले सबसे अधिक पाए जाते हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि कुपोषण को चिकित्सकीय आपातकाल करार दिया जाए। उनका कहना है कि ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं और अति कुपोषण के लिए आपातकालीन सीमा से ऊपर है।

मोटिवेशन की थ्योरी

आजकल समाज मे मोटिवेशनल स्पीकर का और मोटिवेट करने के नाम पर दिमाग को घुमाने का बिजनेस खूब चल रहा है, और शोशल मीडिया ने तो इसमें और बड़े बड़े पँख लगा दिए हैं। पर इसमें खास बात ये है कि इस तरह का मोटिवेशन बहुत कम समय के लिए आपको तैयार रख पाता है उसके थोड़े से समय के बाद ही आप फिर से पुराने ढ़र्रे पर ही खुद को खड़ा पाते हैं, आपके जीवन मे किसी भी प्रकार का चमत्कार नही हो पाता, आईये मिलकर इस मोटिवेशन की थ्योरी को समझने का प्रयास करते हैं। कल्पना करें कि आप अपने घर के ड्राईंगरूम में है जिसमे एक पुराना टीवी, एक सोफा जिसकी हालत थोड़ी खराब है, एक दीवार घड़ी जिसका काँच चटका हुआ है, एक अलमारी जिसको खोलने और बन्द करने पर आवाजें आती हैं, कुछ पेंटिंग्स दीवारों पर लगी हुई हैं जिनका रंग उधड़ चुका है। एक दिन आपका एक दोस्त आता है और आपको समझाता है कि आपको अपने ड्राईंगरूम की साज सज्जा की आवश्यकता है और फिर आप दोनों मिलकर उस कमरे की सभी पुरानी चीजों को एक एक करके आपके स्टोर रूम में रख आते हैं, इस काम के बाद आपका दोस्त भी अपने घर चला जाता है, और फिर शाम को आप टहलते हुए अपने स्टोर रूम में जाते है और उसमें से पुराना वाला सोफा उठा कर ले आते है और उसे फिर से झाड़ फूँक कर पुरानी वाली जगह पर सज़ा देते हैं, इसी प्रकार आप धीरे धीरे से अपने सारे सामान को एक एक करके दोबारा अपने स्थान पर स्थापित कर देते हैं। इसमें समझने वाली बात ये है कि चूंकि आपके पास पुराने वाले सामान की जगह पर नया सामान नही था तो आप धीरे धीरे सारे पुराने सामान को एक एक करके उठा कर फिर से पुरानी जगह पर स्थापित करते जाते हैं, ठीक इसी प्रकार से जब आप कोई सेमिनार, वीडियो या स्पीच देख सुनकर खुद को मोटिवेट पाते है तो आपका हाल उसी व्यक्ति वाला होता है, जो पुराना सामान तो हटा देता है मगर उसके स्थान पर उसको नया सामान नही मिल पाता और फिर धीरे धीरे उसके जीवन में भी सब कुछ पुराना ही चलने लगता है जिससे उसकी जिंदगी पुरानी पटरी पर हर बार दौड़ती हुई दिखती है।

पाकिस्तान में हिंदुओं पर बढ़ रहे हैं अत्याचार, क्या इस मुद्दे पर विदेशों में कोई आंदोलन करेगा?

नीरज कुमार दुबे

जहां तक पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं की बात है तो आपको बता दें कि उनकी दशा बेहद खराब है। सरकारी योजनाओं के लाभ से तो उनको वंचित रखा ही जाता है साथ ही हिंदुओं को उनके प्रमुख त्योहारों होली, दीवाली आदि पर भी अपमानित करने का काम किया जाता है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जारी अत्याचारों के बीच उनके आस्था स्थलों को नुकसान पहुँचाने की घटनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। ताजा खबर है कि पाकिस्तान के दक्षिणी बंदरगाह शहर कराची में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गयी है। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है लेकिन सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान में सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय हिंदुओं की वहां कोई सुनेगा ? कराची के कोरंगी इलाके के श्री मारी माता मंदिर में तोड़फोड़ के बाद से इलाके में रह रहे हिंदू समुदाय में दहशत का माहौल है क्योंकि पिछली कई घटनाएं बताती हैं कि अक्सर पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ के बाद समुदाय के लोगों के साथ मारपीट की जाती है या फिर उन्मादी भीड़ हिंदुओं को अपना शिकार बनाती है। ऐसे में श्री मारी माता मंदिर में तोड़फोड़ के बाद हिंदुओं के बीच दशहत होना स्वाभाविक है। जहां तक इस घटना की बात है तो आपको बता दें कि पाकिस्तान के डॉन अखबार की खबर के अनुसार कोरंगी पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक बुधवार रात मोटरसाइकिल पर सवार होकर पांच लोग आए और मंदिर की देखरेख करने वाले के बारे में पूछताछ की। अखबार ने शिकायतकर्ता संजीव कुमार के हवाले से बताया कि मंदिर की भीतर की दीवार की पुताई कर रहे दो मजदूरों ने उन लोगों को बताया कि मंदिर की देखरेख करने वाला वहां नहीं है तो संदिग्धों ने प्रतिमाओं पर पथराव शुरू कर दिया। उसके बाद उन लोगों ने मजदूरों को भी धमकी दी और मौके से फरार हो गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस इलाके में पहुंची और मंदिर का मुआयना किया। उपद्रवियों के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा की तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज हासिल करने का प्रयास कर रही है लेकिन अभी तक उसके हाथ कुछ नहीं लगा है ना ही किसी को गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तान में हुई इस कायराना हरकत की निंदा करते हुए भारत ने इस घटना को पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के सुनियोजित उत्पीड़न की एक और कड़ी बताया है साथ ही कहा है कि वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा एवं भलाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तान के कराची में हिन्दू मंदिर में तोड़फोड़ की घटना से जुड़ी हाल की घटना पर गौर किया है। यह उस देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के सुनियोजित उत्पीड़न की एक और कड़ी है। अरिंदम बागची ने कहा कि हमने पाकिस्तान को अपने विरोध से अवगत करा दिया है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल अक्टूबर में भी सिंध नदी के किनारे कोटरी में एक ऐतिहासिक मंदिर को मुस्लिमों ने अपवित्र कर दिया था। यही नहीं पिछले साल अगस्त में ही भोंग शहर में भीड़ ने हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की थी और सकुर-मुल्तान राजमार्ग को बाधित कर दिया था। दिसंबर 2020 में भी भीड़ ने खैबर पख्तूनख्वा के कारक जिले स्थित करीब एक सदी पुराने मंदिर को तोड़ दिया था। जहां तक पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं की बात है तो आपको बता दें कि उनकी दशा बेहद खराब है।

बायोटेक स्टार्टअप एक्सपो 2022 - आत्मनिर्भर भारत की ओर

हर सेक्टर में स्टार्टअप का इतिहास रचा जा रहा है - रोज़गार पाने से आगे बढ़कर अब फोकस रोजगार देने पर है

भारत की बढ़ी युवा आबादी नई सोच, विचार के साथ जोखिम लेने में पीछे नहीं हट रही है - एड किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत आज जिस तेजी के साथ प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है तो अब लगने लगा है सोच बदल रही है, देश बदल रहा है। पूरे विश्व की नजरें भारत की ओर लगी हुई है कि ऐसी क्या खासियत है ? कि भारत हर क्षेत्र में दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार के साथ अपने लक्ष्यों को हासिल कर बुलंद हौसलों के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसे देखकर पूर्ण विकसित देश भी हैरान हैं!! आज वैश्विक मंचों पर जिस प्रकार का रुतबा और प्रतिष्ठा भारत को मिल रही है उसे देखकर विशेषकर पड़ोसी और विस्तार वादी देश सकते में है!!और सोचने पर मजबूर हो गए हैं कि ऐसा कैसे हो सकता है ?

साथियों शायद उन्हें यह मालूम नहीं कि हौसला-ए-विकास जिसके जज्बे में भरा हो तो आंधी तूफान तो क्या पहाड़ भी उसके रास्ते नहीं रोक सकते यही परिभाषा हमारे कुछल और सटीक नेतृत्व की है जिसके बल पर भारत आज वैश्विक प्रशंसा के झंडे गाड़ रहे है!! हर सेक्टर में स्टार्टअप इतिहास रच रहा है। रोजगार पाने से आगे बढ़कर अब फोकस रोजगार देने पर है!! भारत की बड़ी युवा आबादी नई सोच विचार के साथ जोखिम लेने में पीछे नहीं हट रही है। साथियों बात अगर हम दिनांक 9 जून 2022 को शुरू हुए बायोटेक स्टार्टअप एक्सपो 2022 की करें तो यह दो दिवसीय एक्सपो 9 और 10 जून 2022 तक बहुत सफलता और प्रतिष्ठा के साथ चला। इस एक्सपो का आयोजन जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद द्वारा किया गया था। इस परिषद की स्थापना के 10 साल पूरे होने के मौके पर यह आयोजन किया गया है। इस एक्सपो में लगभग 300 स्टॉल लगाई गई थी। इनमें हेल्थकेयर, बायोफार्मा, क्लीन एनर्जी, कृषि, जिनोमिक्स, औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी आदि सेक्टर्स में जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग को दर्शाया गया है। इस बायोटेक स्टार्टअप एक्सपो की थीम बायोटेक स्टार्टअप इनोवेशन-आत्मनिर्भर भारत की ओर% थी। इस एक्सपो से निवेशकों, वैज्ञानिकों, निर्माताओं, शोधकर्ताओं, सरकारी अधिकारियों और नेताओं को एक मंच पर आने का मौका मिला। साथियों बात अगर हम बायोटेक को समझनेकी करें तो बायोटेक्नो लॉजी को आमतौर पर बायोटेक के नाम से जाना जाता है, या फिर इसे जैवविज्ञान और तकनीकी विकास कहा जाता है। बायोटेक्नोलॉजी का प्रयोग विभिन्न वैक्सीनों, मेडिसिन और डायग्नॉस्टिक, एनर्जी प्रोडक्शन को बढ़ावा देना होता है। भारत में बायोटेक्नोलॉजी ने काफी महत्वपूर्ण जगह बना ली है, इस फील्ड के तहत सभी संभावित फ़ील्ड्स जैसे कि फार्मास्यूटिकलस, फूड निर्माण, हैल्थ केयर, एग्रीकल्चर, एजुकेशन और रिसर्च से संबद्ध कार्य शामिल हो गये हैं. बायोटेक्नोलॉजी से ही जैविक हथियारों का उत्पादन भी किया जाता है। भारत अब बायोटेक के ग्लोबल इकोसिस्टम में टॉप-10 देशों की लीग में पहुंचने से भी ज्यादा दूर नहीं हैं।

साथियों बात अगर हम देश में स्टार्टअप की शुरुआत की करें तो, देश में स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत 2016 में हुई. इस स्कीम के तहत भारत ना केवल स्टार्ट-अप युग की ओर बढ़ रहा है, बल्कि स्टार्ट-अप सेक्टर में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। भारत इस समय दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। देश में 73.2 अरब अमेरिकी डॉलर के 70 से ज्यादा यूनिकॉर्न हैं। भारत के 70 से ज्यादा स्टार्टअप का यूनिकॉर्न की श्रेणी में आना बहुत अच्छी खबर है, ऐसे में ये जानना भी जरूरी है कि ये स्टार्टअप का युग भारत में कैसे आया और कैसे 70 से ज्यादा स्टार्ट-अप एक अरब डॉलर से अधिक के मूल्यांकन को पार कर गए हैं। सरकार की स्कीम ने भी इसमें बड़ी हिस्सेदारी निभाई है, स्टार्टअप इंडिया योजना के तहत देश में 59 हजार से ज्यादा लोग अपना स्टार्टअप खोल चुके हैं। साथियों बात अगर हम बायोटेक क्षेत्र की सफलता की करें तो पीएम ने इसके 5 कारण गिनाए भारत। पहला-विविध जनसंख्या और विविध जलवायु क्षेत्र; दूसरा भारत का प्रतिभाशाली मानव पूंजी पूल, तीसरा - भारत में व्यापार करने में आसानी के लिए बढ़ते प्रयास; चौथा - भारत में बायो-प्रोडक्ट्स की मांग लगातार बढ़ रही है, और पांचवां- भारत का बायोटेक सेक्टर जो इसकी सफलताओं का ट्रैक रिकॉर्ड है। साथियों बात अगर हम बायोटेक स्टार्टअप एक्सपो 2022 की थीम की करें तो, इस एक्सपो की थीम %बायोटेक स्टार्टअप नवोन्मेष-आत्मनिर्भर भारत की ओर% रखी गई है। यह दो दिवसीय आयोजन 10 जून को समाप्त हुआ। यह एक्सपो उद्यमियों, निवेशकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, निर्माताओं और सरकारी अधिकारियों को जोड़ने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। पीएम ने इस दौरान मौजूदा लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि,स्टार्टअप से आत्मनिर्भर भारत बनेगा साथ ही भारत की शक्ति का दुनिया को पता चलेगा। राज्यों के लिहाज से देखा जाए तो सबसे ज्यादा इस स्कीम का फायदा महाराष्ट्र के लोगों ने उठाया है। जहां करीब 30790 लोगों ने अपना स्टार्टअप खोला है। उन्होंने कहा कि हाल में ही हमने पेट्रोल में इथेनॉल की 10 प्रतिशत ब्लेंडिंग का टारगेट हासिल किया है। भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का टारगेट भी 2030 से 5 साल कम करके 2025 कर लिया है। ये सारे प्रयास, बायोटेक के क्षेत्र में रोजगार के भी नए अवसर बनाएंगे।

कर्म से लिखे आत्मकथा!

लिखें हमारे जीवन की कहानी,
साहस,दृढ़ता हो इसकी निशानी,
कलम से नहीं कर्म से लिखें,
हमारा जीवनी भी प्रेरणादायक दिखे!
इस जीवन के खेल में बने हम खिलाड़ी, चढ़े हर बड़ी से बड़ी आपत्ती की पहाड़ी, इंसानियत हो इसकी स्याही, करें हम ऐसी इसकी चित्रकारी!
माना कि सब हमारे हिसाब से नही,
मजबूती से हर प्रतिक्रिया करे सही,
किसी के अपशब्द और संस्कारों को ना अपनाएं, अपने जीवन को अपने उच्च विचारों से बनाएं!
जब भी कोई पड़े हमारे जीवन की गाथा, वीरता और परिश्रम से भरी हो हमारी दास्तां, हर किस्सा हो हिम्मत से भरपूर, इस व्याख्या में हो आत्मविश्वास का सुरूर!
स्वाभिमान से भरा हो हर एक फसाना, याद रखें इसे भी जमाना,
हम भी हैं इस जीवन के रचयिता,
स्वाभिमान की राह पर चलकर,
बनजाए विजेता!
लिखें हमारे जीवन की कहानी,
साहस,दृढ़ता हो इसकी निशानी,
कलम से नहीं कर्म से लिखें,
हमारा जीवनी भी प्रेरणादायक दिखे!

शार्ट न्यूज

लखनऊ में बढ़ रहे कोरोना का कहर, 52 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव

लखनऊ। कोरोना का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को 52 लोग कोरोना की चपेट में आ गए हैं। सभी मरीज बिना लक्षण वाले हैं। लिहाजा मरीज होमआईसोलेशन में हैं। गुरुवार को 36 लोग संक्रमण की चपेट में आए थे। सबसे ज्यादा कैसरबाग व सरोजनीनगर इलाके के लोग संक्रमित मिले हैं। यहां आठ-आठ लोगों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। जबकि रेडक्रॉस व सिल्वर जुबली इलाके में सात-सात लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। आलमबाग और एनके रोड में पांच-पांच लोगों में वायरस का पता चला है। 32 लोगों ने वायरस को मात देने में कामयाबी हासिल की है। सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया कि संक्रमितों के संपर्क में आने वालों की जांच कराई जा रही है। वायरस बढ़ रहा है। लिहाजा अधिक संजीदा रहने की जरूरत है। भीड़-भाड़ में निकलने से बचने की जरूरत है।

मेरठ में सेना के मेजर ने दहेज के लिए पत्नी की उंगली काटी, महिला बोली- बनाया जिंदा लाश

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में दहेज की मांग को लेकर सेना के एक मेजर ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की उंगली काट दी। मेजर की पत्नी ने कथित तौर पर उंगली कटने के बाद पुलिस को शिकायत की और आरोप लगाया कि उसके पति ने 2014 में शादी करने के बाद से मानसिक और शारीरिक रूप से उसके साथ दुर्व्यवहार किया। मेरठ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत मीणा ने बताया कि आरोपी मेजर मेरठ के 510 आर्मी बेस में कोर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स में तैनात है। दंपति का एक पांच साल का बेटा है। पुलिस ने कहा कि आरोपी आर्मी मेजर पर घरेलू शोषण और दहेज उत्पीड़न के आरोप में भी मामला दर्ज करने के आदेश जारी किए गए हैं। मेरठ के सदर बाजार थाना प्रभारी डीएस रावत ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। हालांकि, उन्होंने आईपीसी की उन धाराओं का खुलासा करने से इनकार कर दिया जिनके तहत आरोपी पर मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आगे की जांच चल रही है। शिकायतकर्ता, जिसके पिता भारतीय नौसेना के एक सेवानिवृत्त अधिकारी हैं, ने अस्पताल में लोगों के साथ अपनी आपबीती का वीडियो क्लिप साझा किया है, जहां वह चोट के बाद गई थी। महिला के पिता ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने शुरू में मुझे मामले में मामला दर्ज नहीं करने की सलाह दी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के बजाय हमें आरोपी के साथ समझौता करने के लिए मनाया। महिला का कहना है कि उसका पति उसे टॉर्चर करता है। 8 सालों से उसके साथ दुर्व्यवहार हो रहा है। महिला ने कहा कि उसने मुझे जिंदा लाश बना दिया है। उसने आरोप लगाए हैं कि उसके पति ने जब उसने मेरी अंगुली काटी तब भी उसके घरवाले चुप खड़े रहे। वो दर्द से चीखती हुई बाहर निकली तब पड़ोसियों ने उसे बचाया।

मुरादाबाद : जुमे की नमाज के बाद भाजपा की निलंबित नेता के खिलाफ नारेबाजी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद कुछ लोगों के समूह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद के बारे में की गयी विवादित टिप्पणी के विरोध में नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिये पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शहर के जामा मस्जिद चौराहे पर मुगलपुरा इलाके में प्रदर्शनकारियों ने शर्मा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर पोस्टर लहराए। इस संबंध में पुलिस के आला अधिकारियों ने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया गया, वहीं जिलाधिकारी ने स्थिति को सामान्य बताया है। नारेबाजी कर रहे लोगों पर पुलिस द्वारा हल्का बल प्रयोग करने के बाद नारेबाजी बंद हो गई। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मुरादाबाद जिले में जुमे की नमाज सकुशल संपन्न हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जामा मस्जिद के बाहर कुछ बच्चों ने नारेबाजी जरूर की थी जिनको समझा बुझा कर घर भेज दिया गया है। सिंह ने कहा कि शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य है। गौरतलब है कि तीन जून को कानपुर में बड़ा बवाल हुआ था। जिसके चलते एहतियातन जुमे की नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन हर स्थिति से निबटने के लिए पहले से ही अलर्ट था। मुरादाबाद में मुस्लिम समाज के लोग सड़कों पर उतर आए। कोई हिंसात्मक घटना तो नहीं हुई लेकिन हाथों में 'अरेस्ट नूपुर शर्मा' के बैनर लिये लोगों ने जमकर नारेबाजी की।

जुमे की नमाज के बाद प्रयागराज में पथराव की घटना

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में शुक्रवार को दिन में जुमे की नमाज के बाद कुछ अराजकतत्वों ने पत्थरबाजी की घटना को अंजाम दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शहर के खुल्दाबाद इलाके में अटाला बाग स्थित एक मस्जिद में जुमे की नमाज के बाद कुछ लोगों के समूह ने पैगम्बर मुहम्मद के बारे में की गयी विवादित टिप्पणी के विरोध में नारेबाजी शुरु कर दी। इस बीच कुछ लोगों ने पथराव भी किया। इलाके में तैनात पीएसी, त्वरित कार्यबाल (आरएएफ) और पुलिस बल की टीमों ने लोगों को समझाने की कोशिश की। पत्थरबाजी तेज होने पर सुरक्षा बल के कुछ जवानों को हल्की चोट आयी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उपद्रवियों ने वरिष्ठ अधिकारियों के वाहन को निशाना बनाया। अटाला बाग इलाके में शांति व्यवस्था कायम होने तक शहर के नूरुल्ला रोड इलाके में भी नारेबाजी और छिटपुट पथराव की जानकारी मिली। स्थानीय प्रशासन की ओर से शुक्रवार को शहर में अलर्ट जारी किया गया था। इन घटनाओं के बारे में स्थानीय प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

औरैया में कार खड्ड में पलटी, एक की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के बेला क्षेत्र में शुक्रवार को जानवर को बचाने के प्रयास में बेकाबू अनियंत्रित हुई कार खड्ड में जा जिससे जिससे उसमें सवार एक वृद्ध की मौत हो गयी जबकि चार अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जलालपुर गांव निवासी रामप्रकाश (65) अपनी बहन के यहां शहबाजपुर सहार आये थे। गुरुवार की रात वह अपने मामा के लड़के पतरौल व परिवार के साथ गंगा नहाने के लिए कन्नौज गए थे। शुक्रवार की सुबह गंगा स्नान कर वह घर वापस लौट रहे थे। सहार के निकट गाँव पुरवा तरा के पास सड़क पर जानवर आ गया। जिसे बचाने में कार अनियंत्रित हो गई और खड्ड में जा गिरी। इस हादसे में रामप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होने बताया कि हादसे में घायल कैलाश बाबू, पतरौल, मिथिलेश कुमारी और गोविंद को सामुदायिक स्वास्थ्य पूर्वा तरा सहार पहुंचाया जहां से चिकित्सकों ने घायलों को तिर्वा मेडिकल के लिये रिफर कर दिया गया।

आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक पद्मश्री बाबा योगेन्द्र का निधन

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं संस्कार भारती के संरक्षक पद्मश्री बाबा योगेंद्र का आज यहां निधन हो गया। वह 98 वर्ष के थे। बाबा योगेंद्र पिछले कुछ समय से अस्वस्थ्य थे तथा उनका लखनऊ स्थित एक अस्पताल मे उपचार चल रहा था। सुबह करीब 8 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। बाबा योगेंद्र कला के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था संस्कार भारती के संस्थापक थे। वह अनेक वर्षों तक इस संगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे। बाबा योगेंद्र का जन्म 7 जनवरी 1924 को उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में हुआ था। बचपन में ही वह गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में जाने लगे। इसके बाद गोरखपुर में पढ़ाई के दौरान उनका संपर्क संघ के प्रचारक नानाजी देशमुख से हुआ। संघ का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वह प्रचारक बने। बाबा योगेंद्र गोरखपुर, प्रयाग, बरेली, बदायूं और सीतापुर में प्रचारक रहे। 1981 में जब संस्कार भारती संगठन बना तब इसका कार्य बाबा योगेंद्र को सौंपा गया। कला साधकों के मन में उन्होंने राष्ट्र भाव का जागरण किया।

ज्ञानवापी में मिले ढांचे की जांच कराने की मांग वाली पीआईएल खारिज

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में थी सुनवाई

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ज्ञानवापी में मिले ढांचे की जांच कराने की मांग वाली पीआईएल को खारिज कर दिया है। आदेश जस्टिस राजेश सिंह चौहान वा जस्टिस सुभाष व विद्यार्थी की पीठ ने सुधीर सिंह आदि की याचिका पर पारित किया।

याचिका का योगी सरकार की ओर से विरोध करते हुए मुख्य स्थाई अधिवक्ता इंचार्ज अभिनव नारायण त्रिवेदी के कहा कि याचिका क्षेत्राधिकार के अभाव में पोषणीय नहीं है। कोर्ट ने विस्तृत आदेश बाद में जारी करने को कहा है।

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के समक्ष एक जनहित याचिका दाखिल कर मांग की गई थी कि ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग की जांच और अध्ययन के

लिए हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान या सेवानिवृत जज की अध्यक्षता में एक कमेटी या आयोग का गठन किया जाए। आयोग अध्ययन कर तय करे कि यह संरचना शिवलिंग है या फव्वारा। याचिका में यह भी मांग है कि अगर ये संरचना शिवलिंग है तो हिंदुओं को पूजा का अधिकार दिया जाए और यदि फव्वारा है तो इसे क्रियाशील (फंक्शनल) किया जाए। वाराणसी के रहने वाले सुधीर सिंह, महंत बालकराम दास, मार्कण्डेय तिवारी, राजीव राय के अलावा लखनऊ के रवि मिश्रा, अतुल कुमार और मुम्बई निवासी शिवेंद्र प्रताप सिंह की ओर से याचिका दाखिल की गई है। याचियों के अधिवक्ता अशोक पांडेय ने बताया कि याचिका दाखिल की थी।

याचिका में कहा गया कि हिंदुओं का दावा है कि मिली संरचना विशेश्वर ज्योतिर्लिंग है, इस सम्बंध में केंद्र सरकार को अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनानी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। याचिका में यह चिंता भी जताई गई कि इस विवाद पर तमाम राजनीतिज्ञों और अन्य लोगों की ओर से तरह-तरह के बयान दिए जा रहे हैं, इसी प्रकार के एक बयान के चलते हिंदुओं की इस्लामिक दुनिया में छवि धूमिल हुई है, जिसकी वजह से देश का संबंध इस्लामिक देशों के साथ खराब होने का भी खतरा पैदा हो गया है।

पिता और बेटों ने मिलकर की मां और उसके प्रेमी की पीट-पीटकर हत्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद इलाके के देहर गांव में 40 साल की महिला और उसके प्रेमी की उसके पति और बेटों ने कथित तौर पर पीट-पीट कर हत्या कर दी. पुलिस के मुताबिक घटना बुधवार रात करीब साढ़े आठ बजे की है। मृतक की पहचान ममता और उसके प्रेमी रमन पाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला का पति और उसके बेटे महिला के दूसरे आदमी के साथ रिश्ते से परेशन थे।

शाहजहांपुर एसपी एस आनंद के मुताबिक देहर गांव के रहने वाले ओम पाल की पत्नी ममता लगभग दस साल पहले अपने पति और दो बेटों को छोड़कर उसी गांव के रमन पाल के साथ भाग गई थी। इसके बाद दोनों करीब आठ साल तक दूसरे शहर में रहे। 2020 में कोरोना महामारी के दौरान दोनों गांव लौट गए और गांव में ही रहने लगे। एसपी ने कहा कि ओम पाल और उनके बेटों को यह पसंद नहीं था और उनके साथ उनके संबंध तनावपूर्ण थे।

एसपी एस आनंद के मुताबिक बुधवार देर रात जब रमन पाल अपने खेत में काम कर रहा था तभी ममता के पति और बेटे ने उसपर हमला कर दिया। इस बीच जब ममता ने रमन पाल को बचाने की कोशिश की तो उन्होंने उसे भी पीटा और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। एसपी आनंद के मुताबिक पिटाई की वजह से रमन पाल ने दम तोड़ दिया। एसपी एस आनंद के मुताबिक आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। आगे किसी भी तरह की झड़प को रोकने के लिए गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

फिरोजाबाद : दो सगे भाइयों की हत्या में दंपत्ति को उम्रकैद की सजा

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद के अपर जिला सत्र न्यायालय ने दो सगे भाइयों की हत्या के मामले में दंपत्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष ने शुक्रवार को बताया कि अदालत ने लगभग साढ़े पांच साल पहले हुई दो सगे भाइयों की हत्या में दंपत्ति को उम्रकैद की सजा सुनाते हुए चार अन्य आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया।

अदालत ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए दंपत्ति पर छह-छह हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना अदा न करने पर आरोपियों को छह-छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार थाना खैरगढ़ क्षेत्र के गांव शेखूपुरा हाथवंत के अनुराग शर्मा ने 16 दिसंबर 2017 को थाना खैरगढ़ में भोला जाटव, पत्नी ज्योति एवं निर्मला देवी, रामू, श्याम सिंह, और ब्रजेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक अनुराग शर्मा के ताऊ प्रभुदयाल का भोला के खेत में पशु जाने को लेकर विवाद हुआ था। प्रभुदयाल ने भोला को नसीहत दी थी कि वह अपने पशु बांधकर रखे।

इसी बात पर आरोपियों ने सरियों से अनुराग के पिता शंभूदयाल, ताऊ प्रभुदयाल और भाई विकास को जमकर पीटा था। इससे दोनों सगे भाईयों शंभूदयाल और प्रभुदयाल की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने विवेचना के बाद साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के साथ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी।

साल के अंत में पूरा हो जाएगा अयोध्या स्टेशन का काम, एक लाख यात्री प्रति दिन आने की तैयारी

अयोध्या। प्रतिदिन एक लाख यात्रियों की भीड़ को संभालने की तैयारी में, भारतीय रेलवे अयोध्या रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास या रीडेवलपमेंट कर रहा है। स्टेशन को दो चरणों में विकसित किया जाएगा। पहला चरण इस साल के अंत तक पूरा होने वाला है और उम्मीद है कि पवित्र शहर और जिले की अर्थव्यवस्था में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। गुरुवार को उत्तर रेलवे (एनआर) के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने लखनऊ मंडल के स्टेशन व अन्य परियोजनाओं के निर्माणाधीन कार्य का निरीक्षण किया। पहले में एक दो मंजिला भवन, मेला शेड, सर्कुलेटिंग एरिया, दो फुट ओवरब्रिज, डॉरमेट्री, इन्फर्मरी,

एस्केलेटर, लिफ्ट, फूड कोर्ट, वातानुकूलित रिटायरिंग रूम, एलईडी होर्डिंग, रेलवे कर्मचारियों के लिए सुसज्जित क्वार्टर और अन्य सुविधाएं तैयार की जा रही हैं। मंडल रेल प्रबंधक लखनऊ मंडल सुरेश सपरा, जो जीएम के साथ थे, ने कहा कि जीएम अयोध्या में चल रहे काम की गति से संतुष्ट थे। दूसरे चरण में राज्य सरकार से जमीन अधिग्रहण कर रेलवे स्टेशन के दक्षिणी हिस्से में तीर्थयात्रियों के लिए बड़ा वेटिंग और पार्किंग एरिया विकसित किया जाएगा। फंड की मंजूरी अभी बाकी है।

पहले चरण के पूरा होने के बाद, स्टेशन दशहरा, राम नवमी, दिवाली, चौदह कोसी और चौरासी कोसी परिक्रमा जैसे व्यस्त दिनों में 25,000 यात्रियों को पूरा करने में सक्षम होगा। दूसरे चरण के बाद, यह चार गुना अधिक यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। जीएम ने बाराबंकी और अयोध्या कैंट स्टेशनों के बीच ट्रैक दोहरीकरण का भी निरीक्षण किया. ट्रैक के दिसंबर 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह जौनपुर स्टेशन तक विस्तारित होगा। लखनऊ मंडल ने मल्हार और बाराबंकी के बीच तीसरे और चौथे ट्रैक का प्रस्ताव भी रखा है।

गंगल ने चारबाग और कानपुर सेंट्रल स्टेशन के बीच ट्रैक का भी निरीक्षण किया क्योंकि ट्रेन संचालन की गति 110 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 160 किमी प्रति घंटे की जाएगी। यहां चौथा ट्रैक भी विकसित किया जाएगा।

बाबा योगेन्द्र के निधन पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संस्कार भारती के सरंक्षक बाबा योगेन्द्र के शुक्रवार को हुए निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा कि 'संस्कार भारती' के संस्थापक, असंख्य कला प्रेमियों के प्रेरणास्रोत, कला ऋषि, पद्मश्री बाबा योगेन्द्र जी का निधन राष्ट्र के लिये अपूर्णीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति व उनके असंख्य प्रशंसकों को

दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार योगी ने अपने शोक संदेश में कहा कि बाबा योगेन्द्र कला के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने नवोदित कलाकारों को हमेशा प्रोत्साहित किया। उनके निधन से कला जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं संस्कार भारती के संरक्षक पद्मश्री बाबा योगेंद्र का यहां एक अस्पताल में शुक्रवार को सुबह निधन हो गया था। वह 98 वर्ष के थे। बाबा योगेंद्र पिछले कुछ समय से अस्वस्थ्य थे तथा उनका लखनऊ स्थित एक अस्पताल मे उपचार चल रहा था। सुबह करीब 8 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। बाबा योगेंद्र कला के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था संस्कार भारती के संस्थापक थे। उनका जन्म 7 जनवरी 1924 को उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में हुआ था। बचपन में ही वह गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में जाने लगे। इसके बाद गोरखपुर में पढ़ाई के दौरान उनका संपर्क संघ के प्रचारक नानाजी देशमुख से हुआ। संघ का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वह प्रचारक बने।

जौनपुर : अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में देवरामपुर गांव के पास शुक्रवार की सुबह एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पिता पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार जिले में खुटहन थाना क्षेत्र के सम्मनपुर गांव निवासी रामकृष्ण तिवारी (45) अपने पिता रमेश चंद तिवारी (70) को घर से मोटर साइकिल पर बैठाकर किसी काम से बदलापुर की ओर जा रहे थे। तभी देवरामपुर गांव के पास पहुंचने पर एक अज्ञात वाहन ने मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। इससे पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने इस घटना से मृतकों के परिजनों को अवगत करा दिया। परिजनों ने घटना के बाबत पुलिस को अज्ञात वाहन के खिलाफ तहरीर दी है।

डग्गामारी के खिलाफ लगाया जाम: वाराणसी में रोडवेज कर्मियों ने की नारेबाजी

वाराणसी। वाराणसी के कैंट डिपो के प्रवेश द्वार पर शुक्रवार की सुबह रोडवेज की बसें खड़ी कर कर्मचारियों ने जाम लगा दिया। यूपी रोडवेज के कर्मी नारेबाजी करते हुए डग्गामार वाहन संचालकों और पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाने लगे। सभी का कहना था कि कैंट स्टेशन और रोडवेज के आसपास से डग्गामार वाहनों का संचालन बंद हो। जाम लगाए जाने के कारण लगभग एक घंटे तक वाहनों का आवागमन ठप रहा। सिगरा इंस्पेक्टर और रोडवेज इंप्लाइज यूनियन के पदाधिकारियों के बीच बातचीत हुई और उन्होंने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। तब जाकर मामला किसी तरह से शांत हुआ और जाम खत्म हुआ। जाम के कारण रोडवेज पहुंचे यात्रियों को गर्मी में खासा परेशान होना पड़ा। कैंट डिपो के समीप रोडवेज की एक बस और एक ऑटो में हल्की टक्कर हो गई थी। मामला कैंट रोडवेज पुलिस चौकी पहुंचा। बातचीत के क्रम में पूरा विषय ही बदल गया। चौकी में मौजूद सिपाही और यूपी रोडवेज के कर्मचारी के बीच कैंट क्षेत्र में डग्गामार वाहनों के संचालन को लेकर बहस होने लगी। इसके थोड़ी ही देर बाद यूपी रोडवेज के कर्मियों ने पुलिस पर डग्गामार वाहन संचालकों से मिलीभगत का आरोप लगाकर कैंट स्टेशन के प्रवेश द्वार के सामने बसें खड़ी कर जाम लगा दिया।

औरैया : सड़क हादसे में चार की मौत, सात घायल

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के थाना बेला क्षेत्र में शुक्रवार को बस और कार की भिड़ंत में चालक व एक बच्चा समेत दो महिलाओं की मौत हो गयी, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

पुलिस के अनुसार परिवहन निगम की बस बिधूना से कानपुर जा रही थी, वहीं कार में सवार होकर कुछ लोग बिठूर से गंगा नहाकर वापस अपने घर जा रहे थे। घटना शुक्रवार की सुबह लगभग सात बजे जन कल्याणकारी अस्पताल बेला के सामने की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इटावा जिले के थाना लबेदी क्षेत्र के गांव उग्गरपुरा निवासी जगत सिंह अपने परिवार के दस सदस्यों के साथ किराये की ईको कार लेकर गुरुवार की शाम को गंगा नहाने बिठूर गये थे। शुक्रवार को सुबह वह परिजनों के साथ कार से वापस अपने गांव के लिए रवाना हुये थे। उनकी कार कस्बा बेला में थाने से सौ मीटर की दूरी पर बिधूना रोड पर जनहितकारी अस्पताल के पास पहुंची ही थी कि तभी सामने से तेज रफ्तार आ रही बस ने कार में भीषण टक्कर मार दी। हादसे के बाद आप-पास के लोगों के साथ मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी श्रद्धालुओं को कार से बाहर निकाला, तब तक दो लोगों की मौत चुकी थी। जिसके बाद सभी घायलों को बिधूना के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया, जहां दो और यात्रियों ने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना में कार चालक शैलेन्द्र उर्फ शनि (32) निवासी मंडोली बकेवर, गीता (50) पत्नी पप्पू, सुशीला (45) पत्नी बाबूराम एवं अनमोल (9) पुत्र दीपू तीनों निवासी उग्गरपुरा की मौत हो गयी है। जबकि कल्लू पुत्र कुंजू निवासी विधीपूरा लबेदी, दीपू पुत्र कमलेश, विपिन पुत्र पप्पू, जगत पुत्र वीरेंद्र सिंह, जोगेश पुत्र जगत सिंह, पिंटू पुत्र जगत सिंह व तुषार पुत्र बाबूराम सभी निवासी उग्गरपुरा, घायल हो गये। इन्हें गंभीर हालत में सीएचसी बिधूना से रिम्स सैंफई के लिए रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस जगह पर हादसा हुआ वहां पर एक साइड में खड़े ट्रक से मौरंग उतारी जा रही थी। जिस कारण रोडवेज बस चालक ने वहां से बस को निकालने के लिए जैसे ही उल्टी साइड में काटी वैसे ही सामने से आ रही ईको कार से भिड़ गयी।

कस्बा बेला में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है। पर घटना के बाद घायलों को एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं हुई, जिसके चलते काफी देर तक घायल मौके पर तड़पते रहे। जिसके चलते पुलिस घायलों व मृतकों को एक साथ लोडर पर लेकर बिधूना सीएचसी पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों का पंचनामा भरकर उन्हें पोस्टमार्टम हेतु भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बरेली में बोले इमाम- प्रदर्शन सिर्फ टाला है, रद नहीं किया, इस्लाम के विरूद्ध उठी आवाज दबाएंगे

बरेली। बरेली में जुमे की नमाज शासन की कड़ी निगरानी में हुई। इस दौरान अफसरों की चौकसी व रेपिड एक्शन फोर्स, पीएसी सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहे। वहीं किला स्थित जामा मस्जिद में इमाम खुर्शीद आलम ने कहा कि हिंदुओं के त्योहार को लेकर इस्लामिया ग्राउंड में होने वाले प्रदर्शन को सिर्फ टाला गया है, उसे रद नहीं किया गया है। बरेली में मस्जिदों से 17 जून को इस्लामियां ग्राउंड में प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। इस प्रदर्शन के लिए भी इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की तैयारी है।

पैगंबरे इस्लाम की शान में टिप्पणी को लेकर शहर से देहात तक शुक्रवार को

जुमा नमाज के दौरान मस्जिदों से तकरीर की गई। जुमा नमाज में मस्जिदों से ऐलान किया गया है कि 17 जून को इस्लामियां ग्राउंड में पहुंचे मुसलमान, शहर जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती खुर्शीद आलम ने तकरीर में कहा, हिन्दुस्तान की धरती को मां कहा जाता है, दुनिया भर में हिन्दुस्तान की मां और मिट्टी की रूसवाई हो रही है। मुल्क की बदनामी हो रही है। सियासत करने वाले धर्म की आड़ माहौल बिगाड़ रहे हैं।

पैगंबरे इस्लाम की शान में गुस्ताखी कर रह हैं। इसको बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुफ्ती खुर्शीद आलम ने कहा मुसलमान सच्चे आशिके रसूल हैं तो 17 जून को इस्लामियां ग्राउंड में इक्ट्ठा हो। पैगंबरे की शान में गुस्ताखी करने वालों के खिलाफ खड़े होकर अपने गुस्से का इजहार शांतिपूर्ण तरीके से करें।

उन्होंने कहा कि इस्लाम के विरूद्ध जब भी कोई आवाज आए तो उसे पनपने नहीं दिया जाए बल्कि समय रहते उसे दबाया जाएगा ताकि फिर कोई ऐसी जुर्रत ना करे। बता दें कि बरेली जिले में चार कंपनी पीएसी, दो कंपनी आरएएफ के साथ 2000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। हर छोटी बड़ी गतिविधि पर करीब से नजर रखी जा रही थी। नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

धारा 144 लागू, 9 जोन 36 सेक्टर में बांटा लखनऊ

लखनऊ। कानपुर हिंसा के बाद उत्तर प्रदेश में जुम्मे के दिन भीड़ इकट्ठा करने को लेकर सोशल मीडिया पर कई पोस्टर वायरल हुए। प्रदेश की राजधानी लखनऊ की टीले मस्जिद पर इसको देखते हुए भारी पुलिस बल आज जुम्मे की नमाज से पहले से ही तैनात है। ज्वाइंट कमिश्नर लखनऊ पुलिस ने एक दिन पहले ही धारा 144 लागू कर दिया गया है। मौके पर ज्वाइंट कमिश्नर पुलिस लॉ एंड ऑर्डर पीयूष समेत आधा दर्जन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, 4 सेंट्रल समेत छह कंपनियां पीएसी की तैनात है। एडीसीपी पश्चिम चिरंजीवी नाथ सिन्हा ने बताया कि जुम्मे की नमाज को लेकर राजधानी लखनऊ को 9 ज़ोन 36 सेक्टर में बांटा गया है। टीले वाली मस्जिद पर ड्रोन से निगरानी की जा रही है। लखनऊ पुलिस प्रशासन के द्वारा शुक्रवार की जुम्मे की नमाज को लेकर अलर्ट जारी किया गया। धारा 144 लागू होने के साथ लखनऊ के करीब 40 बड़ी मस्जिदों पर स्थानीय पुलिस के अलावा पीएसी बल तैनात की गई है। लखनऊ के पश्चिमी क्षेत्र में आने वाली टीले वाली मस्जिद पर करीब 2000 पुलिसकर्मियों की तैनाती जुम्मे की नमाज को लेकर की गई है। एडीसीपी पश्चिमी चिरंजीवी नाथ सिन्हा ने बताया कि सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर हमारी टीम निगरानी कर रही है किसी भी तरीके का अफवाह फैलाने वाले पर सख्त कार्रवाई की जाएगी अभी तक हमने करीब 15 से ज्यादा ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट को डीएक्टिवेट कर आया है उनके पोस्ट को डिलीट करवाया है जो अफवाह फैलाने में कहीं ना कहीं से शामिल थे।

शार्ट न्यूज

भारत का टायर निर्यात 50 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। तेज विकास दर्ज करते हुए भारत का टायर निर्यात 50 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 21,178 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। ऑटोमोटिव टायर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटमा) के अध्यक्ष सतीश शर्मा ने यह जानकारी देते हुये कहा कि वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है। पिछले साल टायर निर्यात 14 हजार करोड़ रुपये से कुछ ही ज्यादा था। उन्होंने कहा, पिछले दो वित्त वर्ष में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार कोविड महामारी के कारण प्रभावित हुआ है, इसके बावजूद भारत से टायर निर्यात 70 प्रतिशत बढ़ा है। निर्यात के मोर्चे पर यह प्रदर्शन नए भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत से बढ़ती उम्मीदों को पूरा करने की दिशा में भारतीय टायर उद्योग की क्षमता का प्रमाण है। भारतीय टायर मैन्यूफैक्चरर्स द्वारा टेक्नोलॉजी के मामले में वैश्विक स्तर के नए स्थापित कारखानों ने देश को निर्यात में जबर्दस्त प्रदर्शन करने में मदद की है। उत्पादों के भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की वैश्विक छवि भी मजबूत हुई है। श्री शर्मा ने कहा कि इस उद्योग को सरकार की आत्मनिर्भर नीति से बहुत मदद मिली है, जिसका लक्ष्य उद्योग के लिए विकास के अनुकूल माहौल बनाना है। टायरों के मनमाने आयात पर रोक से उद्योग जगत को विस्तार का मौका मिला है और साथ उत्पादन बढ़ाने एवं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने में मदद मिली है। अभी भारत में निर्मित टायर 170 से ज्यादा देशों में निर्यात होते हैं। 19 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अमेरिका भारतीय टायर का सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है। टायर उद्योग में कुल निर्यात को अगले तीन-चार साल में दोगुना करने की क्षमता है।

'प्रभावी स्वतंत्र निगरानी के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचा' विषय पर सेमीनार कल

नयी दिल्ली। कंपनी मामलों के मंत्रालय के तहत कार्यरत राष्ट्रीय वित्तीय नियामक प्राधिकरण (एनएफआरए) एक सप्ताह के आजादी का अमृत महोत्सव के तहत कल 'प्रभावी स्वतंत्र निगरानी के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचा' विषय पर सेमीनार का आयोजन कर रहा है। केन्द्रीय सांख्यिकी तथा कार्यक्रम क्रियान्वयन, नियोजन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कार्पोरेट कार्य राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह मुख्य अतिथि होंगे और कार्पोरेट कार्य मंत्रालय के सचिव राजेश वर्मा सम्मानित अतिथि होंगे। श्री सिंह दिसंबर-जनवरी 2022 में एनएफआरए द्वारा आयोजित अखिल भारतीय क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करेंगे। एनएफआरए द्वारा आयोजित इस सेमीनार में ऑडिट तथा एकाउंटिंग मानकों के नियमन क्षेत्र के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भाग लेंगे। जापान के सर्टिफाइड पब्लिक एकाउंटेंट्स एंड ऑडिटिंग ओवरसाइट बोर्ड के विशेषज्ञ 'ऑडिट गुणवत्ता तथा वित्तीय रिपोर्टिंग के बारे में वैश्विक अनुभव' विषय पर सत्र को संबोधित करेंगे।

पेट्रोल-डीजल के दाम 19वें दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 19वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल के आगे चल रही है। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमश: 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से क्रमश: 9.5 रुपये और सात रुपये तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.62 प्रतिशत बढ़कर 122.31 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.57 प्रतिशत चढ़कर 120.82 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

खाद्य तेल में टिकाव; दालों में घटबढ़

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं दाल की कीमतों में घटबढ़ रही। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 240 रिंगिट लुढ़ककर 6350 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 0.79 सेंट की गिरावट लेकर 81.84 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सूरजमुखी तेल 220 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वह पिछले दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में घटबढ़ रही। इस दौरान चना 50 रुपये, चना दाल 50 रुपये, मूंग दाल 100 रुपये और अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि मसूर दाल 150 रुपये और उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4450-4550,दाल चना 5450-5550, मसूर काली 8450-8550, मूंग दाल 8200-8300, उड़द दाल 9600-9700, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2270-2370 रुपये और चावल ~2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3680-3780, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3550-3650 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल: सरसों तेल 18168 रुपये, मूंगफली तेल 20330 रुपये, सूरजमुखी तेल 21465 रुपये, सोया रिफाइंड 17363 रुपये, पाम ऑयल 16116 रुपये और वनस्पति तेल 17289 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

कीमती धातुओं की चमक पड़ी फीकी

मुंबई। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में आज घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरता हुआ सोना 135 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 222 रुपये प्रति किलोग्राम उतर गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 0.79 प्रतिशत की गिरावट लेकर 1833.05 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इसी तरह अमेरिकी सोना वायदा 0.43 प्रतिशत गिरकर 1840.90 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चांदी हाजिर 1.18 प्रतिशत टूटकर 21.41 डॉलर प्रति औंस बोली गयी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गिरावट का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी रहा। इस दौरान सोना 135 रुपये सस्ता होकर 50870 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 146 रुपये गिरकर 50826 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही। इसी तरह इस दौरान चांदी 222 रुपये उतरकर 61200 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 198 रुपये गिरकर 61475 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

विदेशी मुद्रा भंडार 30.6 करोड़ डॉलर घटकर 601.05 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 03 जून को समाप्त सप्ताह में 30.6 करोड़ डॉलर घटकर 601.05 अरब डॉलर पर आ गया वहीं इसके पिछले सप्ताह यह 3.9 अरब डॉलर बढ़कर 601.4 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 03 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 20.8 करोड़ डॉलर कम होकर 536.8 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 7.4 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 40.8 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.8 करोड़ डॉलर गिरकर 18.4 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 50 लाख डॉलर की बढ़त के साथ 5.03 अरब डॉलर हो गई।

आर्थिक विकास को लेकर वैश्विक रुख से सेंसेक्स-निफ्टी में कोहराम

मुंबई। यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) की ब्याज दर वृद्धि पर दिशानिर्देश और अमेरिका में महंगाई के जारी होने वाले आंकड़े से वैश्विक आर्थिक विकास की गति को लेकर घबराए निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से आज सेंसेक्स और निफ्टी में कोहराम मच गया।

ईसीबी ने गुरुवार को कहा कि वह वर्ष 2011 के बाद अगले महीने ब्याज दरों में पहली बार वृद्धि करेगा। ऐसा अनुमान है कि अमेरिका में शुक्रवार को जारी होने वाले आंकड़े में यदि खुदरा महंगाई बढ़ने की गति तेज रही तो फेडरल रिजर्व अगले सप्ताह ब्याज दरों में 50 आधार अंक की बढ़ोतरी कर सकता है। ऐसे में वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास की रफ्तार को लेकर घबराए निवेशकों की बिकवाली से विदेशी शेयर बाजार दो सप्ताह के निचले स्तर तक लुढ़क गए।

इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 1.25, जर्मनी का डैक्स 1.46, जापान का निक्केई 1.49 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.29 प्रतिशत की गिरावट पर रहा। वहीं, चीन के शंघाई कंपोजिट में 1.42 प्रतिशत की बढ़त रही।

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर भी जमकर बिकवाली हुई, जिससे बीएसई की तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1016.84 अंक की बड़ी गिरावट लेकर 55 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 54,303.44 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 276.30 अंक का गोता लगाकर 16,201.80 अंक पर आ गया।

बीएसई का मिडकैप भी 0.64 प्रतिशत टूटकर 22,490.32 अंक और स्मॉलकैप 0.70 प्रतिशत गिरकर 25,857.42 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3429 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2010 में बिकवाली जबकि 1298 में लिवाली हुई वहीं 121 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 37 कंपनियां लुढ़क गईं जबकि शेष 13 में तेजी रही।

बीएसई में दूरसंचार समूह की 0.12 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर 19 समूहों में गिरावट रही। इस दौरान ऊर्जा 2.01, वित्त 2.02, आईटी 2.09, यूटिलिटीज 1.40, बैंकिंग 1.81, धातु 1.50, पावर 1.30, रियल्टी 1.27, टेक 1.87 और तेल एवं गैस समूह के शेयर 2.09 प्रतिशत गिरे।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 560 अंक लुढ़ककर 54,760.25 अंक पर खुला लेकिन मामूली लिवाली से यह थोड़ी देर बाद 54,780.78 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। इसके बाद शुरू हुई बिकवाली के दबाव में यह लगातार गिरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 54,205.99 अंक के निचले स्तर तक उतर गया। अंत में पिछले दिवस के 55,320.28 अंक के मुकाबले 1.84 प्रतिशत टूटकर 54,303.44 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी भी 194 अंक गिरकर 16,283.95 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 16,324.70 अंक के उच्चतम जबकि 16,172.60 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,478.10 अंक की तुलना में 1.68 प्रतिशत लुढ़ककर 16,201.80 अंक पर रहा। इस दौरान सेंसेक्स की 22 कंपनियों में बिकवाली जबकि सात में लिवाली हुई वहीं एक के भाव स्थिर रहे। कोटक बैंक ने सबसे अधिक 3.96 प्रतिशत का नुकसान उठाया वहीं एशियन पेंट सर्वाधिक 0.78 प्रतिशत की तेजी पर रही।

गिरावट पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में एचडीएफसी 3.80, रिलायंस 3.02, विप्रो 2.99, टेक महिंद्रा 2.51, इंफोसिस 2.47, टाटा स्टील 2.09, आईसीआईसीआई बैंक 1.75, एसबीआई 1.08, एलटी 0.67 और आईटीसी 0.28 प्रतिशत शामिल है।

अटल इनोवेशन मिशन और फंडिंग शो हॉर्सेस स्टेबल का जूनियर सीजन शुरू

नयी दिल्ली। मेधावी उद्यमी प्रतिभाओं की छिपी हुई क्षमता का दोहन करने वाले शो 'हॉर्सेस स्टेबल' ने पहले तीन सीजन की सफलता के बाद नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के सहयोग से 'जूनियर सीजन' शुरू करने की घोषणा की है।

हॉर्सेस स्टेबल-जूनियर युवा उद्यमियों पर ध्यान केंद्रित करता है तथा उभरते हुए युवा स्टार्ट-अप उद्यमियों को अपने अनूठे विचार सामने रखने और हॉर्सेस के एक अनुभवी पैनल से अपने भविष्य के व्यावसायिक उपक्रमों के लिए मार्गदर्शन और अनुदान प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

इसके शुभारंभ के मौके पर नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने कहा अटल इनोवेशन मिशन जूनियर कैटेगरी को लॉन्च करने वाले सुनील शेट्टी और प्रशांत अग्रवाल के विजन से जुड़कर उत्साहित है, जो विकासमान प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा और भारत की तरक्की और विकास को आगे बढ़ाएगा, क्योंकि यह अटल इनोवेशन मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप है। यह विजन मेक इन इंडिया की अवधारणा को भी पुष्ट करता है, जो अगली पीढ़ियों को संवारने और उनकी परवरिश करने को बढ़ावा ही देगा।

अटल इनोवेशन मिशन के मिशन निदेशक डॉ. चिंतन वैष्णव ने कहा, हॉर्सेस स्टेबल जूनियर भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के सफर में स्कूल स्तर का एक महत्वपूर्ण कदम है। हमने अटल टिंकरिंग लैब्स के छात्रों से बड़े पैमाने पर उद्यमिता उभरती देखी है, जिसमें दस साल से कम उम्र के छात्र भी किसी न किसी स्टार्ट-अप के मालिक होते हैं और इनमें से कई छात्र अपनी किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते अपना दूसरा या तीसरा स्टार्ट-अप खड़ा कर लेते हैं। हॉर्सेस स्टेबल जूनियर भारत के सभी स्कूलों और छात्रों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान करके एटीएल्स से कहीं आगे निकल जाता है।

आज के लॉन्च के साथ मैं यह जानने को बेहद उत्सुक हूं कि हमारे सबसे कम उम्र के नागरिक अपने देश को आगे ले जाने में किस तरह की दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

बिना किसी पटकथा वाले नॉन-फिक्शन शो हॉर्सेस स्टेबल की रचना और संकल्पना हॉर्सेस प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड (हॉर्सेस स्टेबल शो का प्रोडक्शन हाउस) के ग्रुप सीईओ प्रशांत अग्रवाल द्वारा उद्यमी और अभिनेता सुनील शेट्टी की मेंटरशिप के तहत की गई है। यह फ्लैगशिप सीरीज अटल इनोवेशन मिशन द्वारा समर्थित है, जो देश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली नीति आयोग की प्रमुख पहल है।

भारत के सबसे बड़े बिजनेस फंडिंग शो माने जाने वाले हॉर्सेस स्टेबल ने अपना जूनियर सीजन लॉन्च करने के साथ युवाओं को उद्यमशीलता का सफर शुरू करने की संस्कृति को बढ़ावा दिया है और उनके कारोबारी नुस्खों को बेहतर बनाने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान कर रहा है। शो के लिए आवेदन की प्रक्रिया हॉर्सेस स्टेबल की आधिकारिक वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है। आवेदक की उम्र 10 से 17 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

जगुआर लैंड रोवर में व्हाट्स 3वर्ड्स आधारित नेविगेशन समाधान

नयी दिल्ली। लकजरी यात्री वाहन जगुआर लैंड रोवर में सॉफ्टवेयर-ऑवर-द-एयर अपडेट के माध्यम से सड़को पर अपने वाहनों में व्हाट्स3 वर्ड्स टेक्नोलॉजी के माध्यम से नेविगेशन सुविधा दी गयी है। व्हाट्स3वर्डस् ने दुनिया को तीन वर्ग मीटर की ग्रिड में बांट दिया है और प्रत्येक वर्ग को तीन शब्दों का एक अनूठा संयोजन दिया है जो तीन शब्दों का पता होता है। मोबाइल कनेक्टिविटी की जरूरत के बिना काम करनेवाली 'ऑलवेज़-ऑन' टेक्नोलॉजी के माध्यम से, नए एवं मौजूदा उपभोक्ता केवल तीन शब्दों का उपयोग करके किसी भी सटिक स्थान को नेविगेट कर सकेंगे। इस साल नए एसओटीए अपग्रेड के तहत कंपनी अपने उपभोक्ताओं के लिए यह पेशकश लाई है। इससे पहले हुए अपडेट से जगुआर और लैंड रोवर वाहनों के 200,000 से ज्यादा मौजूदा मालिकों को अमेजन अलेक्सा का एक्सेस मिला था। कुल मिलाकर, जगुआर लैंड रोवर ने ऑलवेज़-ऑन, ऑलवेज़ कनेक्टेड फीचर के तहत 13 लाख से अधिक वाहन-स्तरीय अपडेट एवं 30 लाख से ज्यादा इंजन कंट्रोल युनिट अपडेट पूरे किए है, जिससे कंपनी उपभोक्ताओं को आधुनिक लक्ज़री का अनुभव प्रदान कर रही है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अपडेट होने पर सिस्टम अपने उपभोक्ताओं को पीवी प्रो इन्फोटेनमेन्ट सिस्टम पर सीधे नेविगेशन बार में तीन शब्दों का पता डालने की अनुमति देता है। पिछले 25 वर्षों से जगुआर लैंड रोवर के नेविगेशन पार्टनर एचईआरई टैक्नॉलाजीज द्वारा यह एकीकरण उपलब्ध कराया गया है। एचईआर की एंड-टू-एंड, कनेक्टेड ड्राइविंग सेवाओं में टर्न-बाय-टर्न मार्गदर्शन, रीयल-टाइम ट्रैफ़िक और ऑन और ऑफ़-स्ट्रीट पार्किंग शामिल हैं जो ड्राइवरों को उनके पूरे सफर के दौरान सहज रूप से मार्गदर्शन देते हुए एक व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करती है।

रुपया 19 पैसे लुढ़का

मुंबई। शेयर बाजार में मचे कोहराम के बीच आयातकों और बैंकरों की लिवाली के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे लुढ़ककर 77.93 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। पिछले कारोबार दिवस रुपया छह पैसे फिसलकर 77.74 रुपये प्रति डॉलर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया सात पैसे गिरकर 77.81 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और लिवाली के दबाव में 77.93 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि बिकवाली के बल पर यह 77.79 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी पहुंचा। अंत में पिछले सत्र के 77.74 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 19 पैसे की गिरावट लेकर 77.93 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार, यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) की ब्याज दर वृद्धि पर दिशानिर्देश और अमेरिका में महंगाई के जारी होने वाले आंकड़े से वैश्विक आर्थिक विकास की गति को लेकर घबराए निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से आज डेढ़ प्रतिशत से अधिक लुढ़कने से सेंसेक्स और निफ्टी में कोहराम मच गया। इसका दबाव रुपये पर पड़ा है।

ओमेगा सेकी मोबिलिटी ने लांच की ओएसएम 'स्ट्रीम' ई ऑटो रिक्शा

नयी दिल्ली। एंग्लियन ओमेगा समूह की कंपनी ओमेगा सेकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने आज इलेक्ट्रिक यात्री वाहन सेगमेंट में कदम रखते हुए कम्पनी का पहला इलेक्ट्रिक पैसेंजर 3-व्हीलर 'स्ट्रीम' लॉन्च करने की घोषणा की।

कंपनी के संस्थापक और अध्यक्ष उदय नारंग ने इसे आज यहां लाँच करते हुये कहा कि ओएसएम ई ऑटो रिक्शा की सरकारी सब्सिडी के बाद दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 3.40 लाख रुपये है। नए ओएसएम स्ट्रीम में उत्सर्जन, शोर और थकान नहीं होती इसलिए यह ड्राइवर को यात्रा का अभिनव अनुभव देगा। यह भारत के शहरों में नई पीढ़ी का परिवहन वाहन होगा।

उन्होंने कहा , आज ओमेगा सेकी मोबिलिटी के लिए यादगार दिन है। हम यात्री परिवहन सेगमेंट में प्रवेश कर रहे हैं। स्वच्छ परिवहन के क्षेत्र में अग्रणी ओमेगा सेकी मोबिलिटी आज इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति को सही दिशा देने के मुकाम पर है। कम्पनी स्वच्छ परिवहन वाहन की अपनी श्रृंखला के माध्यम से इस दिशा में किसी भी प्रयास का नेतृत्व करती है। ओमेगा सेकी मोबिलिटी का स्ट्रीम लास्ट माइल ट्रांसपोर्टेशन सेगमेंट का खास प्रोडक्ट है। यह ड्राइवरों और मालिकों के लिए सबसे अधिक कमाई की क्षमता रखने के साथ एक अभिनव स्वच्छ पार्यावरण समाधान है। यह इलेक्ट्रिक पैसेंजर थ्री व्हीलर 20-25 प्रतिशत की बेहतर कमाई में कामयाबी के साथ अधिक बचत और अधिक लाभ सुनिश्चित करता है।''

उन्होंने कहा कि इसमें 10 केडब्ल्यू पावर और 535 एनएम टॉर्क है। स्ट्रीम 10.2 डिग्री ग्रेडेबिलिटी के साथ आसानी से चढ़ाई पर चलने में किसी से पीछे नहीं है। प्रति चार्ज 110 किलोमीटर की उपयोगी ड्राइविंग रेंज में उपलब्ध है। ओएसएम स्ट्रीम में आधुनिक लिथियम-आयन बैटरी पैक का पावर है जो आईपी 65-रेटेड है और धूल एवं पानी से सबसे अधिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसमें गियर के साथ इंडिपेंडेंट ट्रांसमिशन है जिससे भारी वजन खींचने का अतिरिक्त टॉर्क मिलता है और ड्राइव करना बहुत आरामदायक और थकान मुक्त होता है। ओएसएम स्ट्रीम ऑफ बोर्ड पोर्टेबल चार्जर की मदद से कहीं भी 16 ए सॉकेट से चार्ज कर सकते हैं। ईडी कोटेड मेटल बॉडी स्ट्रक्चर है।

एआईसीटीई और एडब्लूएस विद्यार्थियों को क्लाउड कंप्यूटिंग एवं मशीन लर्निंग का देंगे प्रशिक्षण

नयी दिल्ली। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्लाउड कंप्यूटिंग एवं मशीन लर्निंग (एमएल) का प्रशिक्षण देने के लिए एमेज़ॉन वेब सर्विसेज़ (एडब्लूएस) और शिक्षा मंत्रालय के तहत कार्यरत ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) के बीच एक करार किया गया है जिसके अंतर्गत यह भारत में एडब्लूएस की रिसेल एवं मार्केटिंग करेगा।

इस करार द्वारा विद्यार्थियों को प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण कौशल प्रदान करने के मंत्रालय के प्रयास मजबूत होंगे और भारत में भविष्य के लिए तैयार डिजिटल कौशल वाले कार्यबल का निर्माण करने में मदद मिलेगी। देश में एआईसीटीई से संबंद्ध हजारों कॉलेज विद्यार्थियों के कल्याण के लिए इस अभियान में सहयोग करेंगे।

एआईसीटीई के मुख्य समन्वय अधिकारी डॉ. बुद्ध चंद्रशेखर ने कहा, राष्ट्रीय स्तर पर भविष्य की टेक्नॉलॉजी में डिजिटल कौशल का विकास करना शिक्षा मंत्रालय की मुख्य प्राथमिकता है। हमारे विद्यार्थियों को क्लाउड कंप्यूटिंग और मशीन लर्निंग का ज्ञान देना न केवल उन्हें रोजगारयोग्य बनाने के लिए जरूरी है, बल्कि इससे इन महत्वपूर्ण कलाओं के क्षेत्र में क्षमता निर्माण भी होगा, जिससे भविष्य के उद्योगों को मदद मिलेगी। हमें खुशी है कि आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए कौशल प्रदान करने के भारत सरकार के उद्देश्य में सहयोग करने के लिए एडब्लूएस जैसा औद्योगिक दिग्गज एआईसीटीए के साथ मिलकर काम कर रहा है।

एडब्लूएस इंडिया एवं साउथ एशिया के लीड एजुकेशन सुनील पीपी ने कहा, महामारी के दौरान हमने देखा कि हर आकार के संगठन की डिजिटल परिवर्तन की योजनाओं में काफी तेजी आ गई, जिसके कारण नियोक्ताओं और उनके कर्मचारियों के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग, साईबरसिक्योरिटी, और मशीन लर्निंग में उन्नत कौशल का प्रशिक्षण प्राप्त करने की जरूरत बढ़ गई।

एडब्लूएस को अहसास है कि यह एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है, और शिक्षा मंत्रालय के साथ आज घोषित एमओयू भारत में प्रौद्योगिकी की प्रतिभा का विकास करने और देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सरकार का सहयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

पीएम किसान योजना का लाभ ले रहे इन लोगों को लौटाना होगा पैसा, सरकार की तरफ से जारी हुआ आदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 मई 2022 को 10 करोड़ से अधिक पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसानों के खाते में 11वीं किस्त को ट्रांसफर किया था। अगर आप भी पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ उठा रहे हैं तो आपके लिए जरूरी अपडेट आई है। उत्तर प्रदेश में इस योजना का लाभ उठा रहे कई किसानों को रिकवरी का नोटिस जारी हुआ है। जारी नोटिस के अनुसार जिस किसी टैक्सपेयर्स यानी करदाता ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ उठाया है उन्हें अब यह पैसा लौटाना होगा। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के अखंडनगर ब्लॉक में एक किसान को जारी किए नोटिस में लिखा गया है, उक्त किसान को पीएम किसान पोर्टल पर आयकर दाता के रूप में चिन्हित किया गये हैं। इसलिए अपात्र हैं। चूंकि कृषक द्वारा यह जानते हुए कि वह अपात्रता की श्रेणी में आते हैं और जानबूझकर योजना में पंजीकरण कराकर अवैधानिक रूप से इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं.....अत: नोटिस के उपरांत पीएम किसान योजनान्तर्गत प्राप्त सम्पूर्ण धनराशि ......खाते में जमा करना है। सरल शब्दों में कहा जाए तो ऐसे करदाता जो पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ले रहे थे अब उन्हें पूरा पैसा वापस लौटाना पड़ेगा।

उत्तर प्रदेश के कृषि निदेशक विवेक सिंह ने हिंदुस्तान के साथ बातचीत में बताया, हां, इस तरह का आदेश जारी हुआ है। पीएम किसान योजना का लाभ ले रहे करदाताओं को पैसा वापस करने के लिए कहा गया है। अपर महानिदेशक वीके सिसौदिया इस पूरे मामले पर बातचीत के दौरान बताते हैं, इन्होंने 2019 के आयकर विवरण में जो जानकारी दी थी उसके आधार पर यह लिस्ट तैयार हुई है। भारत सरकार की तरफ से जारी लिस्ट में शामिल सभी को लोगों को पैसा वापस लौटाना होगा।

वहीं, उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर आशीष ने हिंदुस्तान से कहा, जिले में 2800 किसानों को नोटिस जारी किया गया है।

जिसमें गुरुवार तक 310 किसानों ने पैसा वापस भी कर दिया है। सुल्तानपुर जिले के अखंडनगर ब्लॉक के सहायक अधिकारी मनोज तिवारी बताते हैं, यह नोटिस उन लोगों को जारी हुआ जो टैक्स का भुगतान करने के बावजूद इस योजना का लाभ ले रहे थे।

राकेश झुनझुनवाला के इस स्टॉक से हुई छप्परफाड़ कमाई, निवेशकों को 20 साल में मिला 53,000 प्रतिशत रिटर्न

नई दिल्ली। शेयर बाजार के विषय में एक कहावत है कि यहां पैसा स्टॉक बेचने या खरीदने में नहीं है। यहां पैसा स्टॉक को होल्ड करने में है। इस बात को समझने के लिए हमें राकेश झुनझुनवाला के स्टॉक टायटन कंपनी के शेयरों को उदाहरण के तौर पर समझना होगा। पिछले 20 साल में टायटन के शेयर की कीमत 4.03 रुपये (12 जून 2002 को NSE में) से बढ़कर 2138 रुपये के लेवल पर पहुंच गई। यानी बीते दो दशक में कंपनी के शेयर का भाव 53000त्न बढ़ गया है। 2022 का साल इस स्टॉक के लिए अच्छा नहीं रहा है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में 15 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। इसके पीछे की बड़ी वजह रूस-यूक्रेन युद्ध है। वहीं, अगर हम बीते एक साल पर नजर दौड़ाएं तो कंपनी के शेयर का भाव 1738 रुपये से बढ़कर 2138 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। यानी इस दौरान टायटन के शेयरों की कीमतों में 23 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली। थोड़ा और पीछे यानी बीते 5 साल के प्रदर्शन को अगर देखें तो कंपनी के शेयर का भाव 516 रुपये से बढ़कर 2138 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। इस दौरान 315 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। 10 साल पहले इस कंपनी के के शेयर की कीमत 221 रुपये थी। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 870 प्रतिशत की उछाल देखी गई है। वहीं, एक दशक और पीछे अगर जाएं तो 20 साल पहले इस कंपनी के शेयर का भाव 4.03 रुपये था, और आज 2138 रुपये है। यानी बीते 20 साल में 530 गुना कीमतों में उछाल देखने को मिली है।

एनएचपीसी ने सीपीएसयू योजना चरण-2 के तहत 600 मेगावाट सौर परियोजना के विकास के लिए ईपीसी संविदा के लिए मेसर्स अडानी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड के साथ संविदा करार पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। एक महत्वपूर्ण विकासात्मक कदम बढ़ाते हुए एनएचपीसी ने 09.06.2022 को श्री ए.के. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी की उपसथिति में एनएचपीसी निगम मुख्यालय, फरीदाबाद में सीपीएसयू योजना चरण-2 के तहत 600 मेगावाट सौर परियोजना के विकास के लिए ईपीसी संविदा के लिए मेसर्स अडानी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड के साथ संविदा करार पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एनएचपीसी से श्री आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त), एनएचपीसी और श्री बिश्वजीत बासु, निदेशक (परियोजनाएं) व मेसर्स अडानी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड से डॉ. मनीष कर्ण, हेड बिजनेस डेवलपमेंट भी उपस्थित थे।

श्री ए.के. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी के सक्रिय एवं ऊर्जावान नेतृत्व में कंपनी अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है और विभिन्न तरीकों से कई नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं शुरू की हैं। एनएचपीसी की यह पहल भारत को कार्बन न्यूट्रल बनाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगी। एनएचपीसी ने 12.05.2022 को सीपीएसयू योजना चरण- 2 के भाग -3 के तहत 5 वर्षों के लिए व्यापक ओएंडएम के साथ आईएसटीएस सब-स्टेशन को विद्युत निकासी के लिए ग्रिड से जुड़े सौर पीवी परियोजनाओं (1000 मेगावाट) और इसकी ट्रांसमिशन लाइन के विकास के लिए मेसर्स अडानी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड (गुजरात में 600 मेगावाट), मैसर्स टाटा पावर सोलर सिस्टम्स (राजस्थान में 300 मेगावाट) और मेसर्स एसएसईएल-एएसआर जेवी (आंध्र प्रदेश में 100 मेगावाट) को ईपीसी संविदा अवार्ड किया था। इस कार्य को 18 महीने की पूर्णता अवधि के साथ कुल 6604.42 करोड़ रुपये के अवार्ड मूल्य के साथ प्रदान किया गया था।

शार्ट न्यूज

विम्बल्डन ने रिकॉर्ड इनामी राशि की घोषणा की

लंदन। ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब (एईएलटीसी) ने विम्बल्डन ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता के लिये 4.35 करोड़ पाउंड की रिकॉर्ड इनामी राशि की घोषणा की है। साल 2021 के मुकाबले 2022 में टेनिस प्रतियोगिताओं की इनामी राशि में 11.1 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। घास पर होने वाला सबसे पुराना टेनिस दंगल 27 जून से 10 जुलाई के बीच होने वाला है। तीन साल बाद पहली बार कोई चैम्पियनशिप पूरी क्षमता के साथ आयोजित हो रही है। टूर्नामेंट के लिये आवंटित इनामी राशि में से पुरुष एवं महिला प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 20-20 लाख पाउंड दिये जाएंगे। 2020 में चैंपियनशिप के रद्द होने के बाद, उन खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि के बदले कुल एक करोड़ पाउंड का भुगतान किया गया था जो उस वर्ष प्रतियोगिता में सीधे प्रवेश के लिए योग्य थे।
क्वालिफाइंग कॉम्पिटिशन प्राइज मनी फंड को 2021 की तुलना में 26 फीसदी और 2019 की तुलना में 48.1 फीसदी से बढ़ाया गया है। पहले दौर में हिस्सा लेने वाले मुख्य ड्रॉ एकल खिलाड़ी 50,000 पाउंड के लिये खेलेंगे। व्हीलचेयर और क्वाड व्हीलचेयर आयोजनों के लिए कुल पुरस्कार राशि में 2021 की तुलना में 19.8 प्रतिशत की वृद्धि और 2019 की तुलना में 40.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। डबल्स और मिक्स्ड डबल्स पुरस्कार राशि में 2021 में क्रमश: 9.6 और 17.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सेमीफाइनल में पहुंचने से चूके लक्ष्य

जकार्ता। विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन शुक्रवार को चीनी ताइपे के चाउ तिएन चेन से हारकर इंडोनेशिया मास्टर्स से बाहर हो गये। भारत को थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली टीम का हिस्सा रहे 20 वर्षीय लक्ष्य को यहां इस्तोरा सेनायन में क्वार्टर फाइनल में चाउ के खिलाफ 16-21, 21-12, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह चाउ की लक्ष्य पर लगातार दूसरी जीत थी। पिछले महीने थॉमस कप में दोनों खिलाड़ी आमने-सामने आये थे जहां लक्ष्य को 19-21, 21-13, 17-21 से हार मिली थी। मैच के पहले गेम में एक करीबी मुकाबला देखने को मिला, लेकिन चाउ ने लगातार तीन अंक हासिल कर 11-8 की बढ़त बनायी ।लक्ष्य ने बराबरी करने की कोशिश की, लेकिन उनकी कुछ गलतियों से चाउ को मुफ्त अंक मिले, जिन्होंने तीन अंकों की बढ़त बनाए रखी। ताइपे शटलर ने चार गेम-पॉइंट तक पहुंच कर गेम को 21-16 पर समाप्त किया और मैच में 1-0 की बढ़त हासिल की। लक्ष्य ने दूसरे गेम में नियंत्रण हासिल करते हुए ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद, चाउ ने अपने उच्च तीव्रता वाले शॉट्स के साथ जवाबी कार्रवाई की, लेकिन लक्ष्य ने छह अंकों की बढ़त को कम नहीं होने दिया। भारतीय ने ताइपे के शटलर पर दबाव बनाये रखा और दूसरे गेम को आसानी के साथ 21-12 से जीत लिया। चाउ ने निर्णायक मुकाबले में हमलावर होते हुए तेजी से 7-3 की बढ़त बना ली। वह लक्ष्य पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने में सफल रहे और मध्य-खेल के ब्रेक तक छह अंकों के लाभ के साथ 11-5 पर पहुंच गए।

अवनि त्रिपाठी के सिर बंधा अंडर-15 सब-जूनियर कैटेगरी में जीत का सेहरा

गाज़ियाबाद। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, वसुंधरा, गाजियाबाद की छात्रा अवनि त्रिपाठी ने इंदौर में हाल में आयोजित अंडर-15 सब-जूनियर कैटेगरी टूर्नामेंट में पहला अखिल भारतीय राष्ट्रीय रैंक प्राप्त किया। अवनि त्रिपाठी ने धैर्य और लगन के तालमेल से दिल्ली की सयानिका माजी को 4-2 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीता। इंदौर के अभय प्रशाल में आयोजित 83वें कैडेट और सब-जूनियर नेशनल्स में अवनी ने अंडर-15 यूथ गर्ल्स ट्रॉफी अपने नाम कर लिया। कक्षा आठ की छात्रा अवनि त्रिपाठी के यह विशिष्ट ख्याति प्राप्त करने पर उनके स्कूल की डायरेक्टर प्रिंसिपल शालिनी नांबियार और पूरे स्कूल के कर्मचारियों ने हर्षोल्लास से स्वागत और हार्दिक अभिनंदन किया। सुश्री नांबियार ने अवनि की शानदार उपलब्धि पर बधाई दी ।डायरेक्टर प्रिंसिपल से बात करते हुए अवनि ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच और बड़ी बहन विदुषी त्रिपाठी को दिया जो खुद टेबल टेनिस की राष्ट्रीय खिलाड़ी है। अवनी के माता-पिता उनकी दोनों बेटियों के अखिल भारतीय स्तर पर असाधारण प्रदर्शन से गौरवान्वित हैं और उनके चेहरे पर खुशी झलकती है। अवनि के पिता दुर्गादत्त त्रिपाठी ने खुल कर कहा कि माता-पिता को चाहिए कि अपने बच्चों को उनके सपने पूरे करने में मदद दें और उनके सभी प्रयासों में हौसला बढ़ायें ।अवनी की अनुकरणीय उपलब्धि पर सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल और माता-पिता को गर्व है और सभी उसके सुनहरे भविष्य की मंगलकामना करते हैं।

खिलाड़ियों को मिल रहा है मनपसंद भोजन

चंडीगढ़। हरियाणा के पंचकुला में चल रहे चौथे खेलो इंडिया यूथ गेम्स - 2021 में खिलाड़ी ताऊ देवीलाल खेल परिसर में अत्याधुनिक खेल सुविधाओं के साथ अपना जौहर दिखा रहे हैं वहीं खिलाड़ियों को उनकी डाइट के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराने के लिए भी विशेष प्रबंध किये गये हैं। खेलो इंडिया में देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से आए खिलाड़ी अपनी पसंद के अनुरूप पौष्टिक भोजन का आनंद ले रहे हैं और अपने बेहतर खेल प्रदर्शन से दर्शकों को उत्साहित कर रहे हैं। हर राज्य का खिलाड़ी हरियाणा के दर्शकों की तारीफ कर रहा है कि हरियाणा के लोग बड़ी संख्या में पहुंचकर उनका खेल देख रहे हैं और उनकी हौसला अफजाई कर रहे हैं। कई राज्यों के खिलाड़ी तो मुख्यमंत्री मनोहर लाल व खेल राज्य मंत्री ओलंपियन सरदार संदीप सिंह के कायल हैं, जो बार-बार स्टेडियम में आकर उनमें जोश भर रहे हैं। एक एथलीट की आवश्यकता होती है पौष्टिक आहार- हरियाणा ने एथलीट्स की पौष्टिक आहार की आवश्यकता को देखते हुए विशेष कैटरिंग के प्रबंध किए हैं। खिलाड़ियों को सुबह के नाश्ते में अंडा, दूध, फलाहार के अलावा दक्षिण व उत्तर पूर्वी राज्यों की आवश्यकतानुसार भी भोजन दिया जा रहा है। हर राज्य के खिलाड़ी व उनके साथ आए स्पोर्टिंग स्टाफ हरियाणा की मेजबानी की तारीफ कर रहे हैं।

दो सीज़न के इंतज़ार के बाद पंजाब ने हॉकी में जीता स्वर्ण

पंचकूला। पिछले संस्करणों में दो बार बेहद करीब आकर चूकने के बाद पंजाब ने शुक्रवार को यहां खेलो इंडिया यूथ गेम्स में आखिरकार बॉयज हॉकी खिताब अपने नाम किया। पंजाब ने ब्लू हॉकी टर्फ पर भरत ठाकुर के शानदार खेल की बदौलत रोमांचक फाइनल में उत्तर प्रदेश को 3-1 से हराया। भरत ठाकुर ने चौथे और 47वें मिनट में गोल किया जबकि राजिंदर सिंह ने 5वें पेनल्टी कार्नर को गोल में तब्दील किया, जिसकी बदौलत पंजाब ने राष्ट्रीय विजेताओं को मात दी। प्रभावशाली उत्तर प्रदेश ने 10 पेनल्टी कार्नर अर्जित किए, लेकिन 11वें मिनट में ड्रैग-फ्लिकर कप्तान शारदा नंद तिवारी के अलावा कोई भी पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील नहीं कर पाया। पंजाब के कोच युधविंदर सिंह ने कहा, हम दो बार पोडियम पर रजत और कांस्य के साथ पहुंचे थे, लेकिन आज हमारे खिलाड़ियों ने सही हॉकी का प्रदर्शन किया और काम पूरा करके दिखाया। कांस्य पदक मुकाबले में ओडिशा ने झारखंड को 8-0 से रौंदा। इससे पहले सुबह की साइक्लिंग प्रतियोगिता में, कर्नाटक ने स्वर्ण जीतकर निरंतर बदलती हुई पदक तालिका में चौथे स्थान पर जगह बनायी। कर्नाटक की चैत्र बोरजी ने गर्ल्स रोड साइक्लिंग टाइम ट्रायल 20 किमी (32- 51.84 सेकंड) में अपने राज्य का 11वां स्वर्ण जीता। हरियाणा (33) और महाराष्ट्र (32) की टीमें अपनी पिछली शाम के उच्च पदों पर बने रहने के लिए सुबह के सत्र के दौरान कोई स्वर्ण नहीं जीत सकीं। लद्दाख की ओर से अकेली महिला साइकिल चालक लीक्ज़ेस एंगमो ने बोरजी के बाद 33-52.52 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहकर अपनी टीम को खेलों का पहला पदक जिताया। दूसरी ओर, राजस्थान के मुकेश कस्वां ने बॉयज टाइम ट्रायल 30 किमी में स्वर्ण जीता, जबकि जम्मू-कश्मीर के आदिल अल्ताफ को रजत से संतोष करना पड़ा।

जब कैच छूटा मुझे लगा अब भारत की ख़ैर नहीं : वान डेर डुसेन

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को पीछा करने के लिए 212 रन का बड़ा लक्ष्य दिया था और एक समय पर दस ओवरों के बाद साउथ अफ्रीका 86 रन पर अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी। जिसके बाद मुक़ाबला भारतीय टीम के पक्ष में नज़र आ रहा था।
मुक़ाबले के इस मोड़ पर रैसी वान डेर डुसेन 16 गेंदों पर 15 रन बनाकर खेल रहे थे। उनके साथ बल्लेबाज़ी कर रहे डेविड मिलर पांच गेंदों पर चार रन बनाकर खेल रहे थे। दक्षिण अफ्रीका को आख़िरी दस ओवरों में जीत के लिए 126 रनों की दरकार थी जोकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुक़ाबले में इस अवधि के दौरान किसी भी टीम ने हासिल नहीं किया था। लेकिन वान डेर डुसेन और मिलर ने घबराने की कोई ज़हमत नहीं उठाई।
वान डेर डुसेन ने मैच के बाद खुलासा करते हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा, जब डेविड बल्लेबाज़ी करने आए तब मैंने उनसे कहा कि आप अपनी शैली के मुताबिक बल्लेबाज़ी कर सकते हैं लेकिन मैं आख़िरी दस ओवर में दस से 12 रन प्रति ओवर बनाने के लक्ष्य से संतुष्ट हूं। हम पैनिक नहीं हुए। क्योंकि हमें पता था कि आवश्यक रन रेट के 14-15 पर जाने के बाद भी हम दाएं और बाएं हाथ के कॉम्बिनेशन के साथ छोटी बाउंड्री का भरपूर फ़ायदा उठा सकते हैं।
उन्होंने वैसा किया भी। शानदार फ़ॉर्म में चल रहे मिलर ने हर्षल पटेल को 12वें ओवर में एक चौका और छक्का जड़ दिया। हर्षल के अगले ओवर में उन्होंने और बेहतर करते हुए एक चौका और दो छक्के जड़ डाले। भारतीय गेंदबाज़ों ने पहली पारी को ध्यान से देखा था लिहाज़ा उन्होंने उसी के मुताबिक अपनी रणनीति को अमल में लाया। भुवनेश्वर ने पारी के तीसरे और अपने दूसरे ओवर में ही तेम्बा बवूमा को पवेलियन चलता कर दिया और उन्होंने अपने पहले स्पेल में दो ओवर करते हुए सिर्फ़ सात रन खर्च किए।
जब भुवनेश्वर पारी के 15वें ओवर में दूसरी बार गेंदबाज़ी करने आए तब उन्होंने उसी रणनीति के साथ गेंदबाज़ की। लेकिन तब तक पिच बल्लेबाज़ी के लिए पूरी तरह से मुफ़ीद हो चुकी थी। मिलर ने भुवनेश्वर की लगातार दो स्लोअर गेंदों को चौका और छक्के के लिए भेज दिया। मिलर ने महज़ 22 गेंदों में अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया जिस वजह से साउथ अफ्रीका अब भी खेल में बनी हुई थी। हालांकि दूसरी तरफ़ वान डेर डुसेन संघर्ष कर रहे थे।
वह 30 गेंदों में 29 रन ही बना पाए थे। जब उन्होंने गेंद को टाइम करना शुरु भी किया तब भी गेंद सीधे फ़ील्डर को ही ढूंढ़ पा रही थी। इसके बाद क़िस्मत से उनको साथ मिला और आवेश ख़ान की गेंद पर श्रेयस अय्यर ने डीप मिडविकेट पर उनका एक आसान से कैच छोड़ दिया और एक ऐसी पारी जोकि दक्षिण अफ्रीका की संभावित हार का कारण बन सकती थी एक मैच जिताऊ पारी में तब्दील हो गई।

वान डेर डुसेन ने कहा, जब श्रेयस ने मेरा कैच छोड़ा तब मैंने यह सोच लिया था कि मुझे मिले इस जीवनदान की भारतीय टीम को पूरी कीमत चुकानी होगी क्योंकि लय प्राप्त करने में मुझे काफ़ी गेंद लग गए थे। और उन्होंने ऐसा किया भी। अगली 15 गेंदों पर उन्होंने 45 रन ठोक डाले।
आख़िरी चार ओवरों में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 56 रनों की दरकार थी और वान डेर डुसेन ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए डेथ ओवरों के विशेषज्ञ गेंदबाज़ हर्षल पटेल को लेग साइड में छोटी बाउंड्री की तरफ़ टारगेट करना शुरु किया। हर्षल ने राउंड द विकेट गेंदबाज़ी करते हुए यॉर्कर को मिस किया और वान डेर डुसेन ने दोनों ही फुल टॉस गेंदों को लांग ऑन और बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से सीमा पर भेज दिया।
वान डेर डुसेन ने हर्षल के ख़िलाफ़ अपनाई रणनीति पर कहा, मैंने उन्हें आईपीएल में काफ़ी देखा है, वह एक शानदार गेंदबाज़ हैं। उनके पास अच्छी स्लोअर गेंदें हैं, मुझे पता था कि वह दो छक्के खाने के बाद स्लोअर गेंद के लिए ही जाएंगे लेकिन कई बार आप ऐसा नहीं कर पाते। वह भी आख़िरकार एक इंसान ही हैं।
हर्षल ने अपना कोण बदला और ओवर द विकेट आकर उन्हें ऑफ़ स्टंप के बाहर गेंदबाज़ी की।
लेकिन वान डेर डुसेन ने क्रीज़ पर शफ़ल करते हुए एक और चौका और छक्का जड़ दिया जिसके बाद मुक़ाबला दक्षिण अफ्रीका के पलड़े में झुक गया। हर्षल के महंगे ओवर के बाद साउथ अफ्रीका को आख़िरी तीन ओवरों में अब जीत के लिए 34 रन चाहिए थे। भुवनेश्वर को आक्रमण पर लाया गया लेकिन मिलर और वान डेर डुसेन दोनों ही अच्छी लय में थे। पहले मिलर ने भुवनेश्वर के औवर की शुरुआत की, इसके बाद वान डेर डुसेन ने एक छक्का और दो चौके जड़ दिए।
एक ऐसा लक्ष्य जो कि एक समय पर असंभव प्रतीत हो रहा था उसे इन दोनों बल्लेबाज़ों ने पांच गेंद शेष रहते ही अपनी टीम के नाम कर दिया।

होण्डा रेसिंग इंडिया ने राइडर्स स्क्वैड की घोषणा की

कोयम्बटूर।2022 चैलेंज के लिए तैयार, होण्डा रेसिंग इंडिया ने इंडियन नेशनल मोटरसाइकल रेसिंग चैम्पियनशिप (आईएनएमआरसी) और आईडेमिट्सु होण्डा इंडिया टैलेंट कप के लिए राइडर्स स्क्वैड की शुक्रवार को घोषणा की जिसकी शुरूआत इसी सप्ताहान्त कोयम्बटूर के कारी मोटर स्पीडवे पर हो रही है। एमआरएफ एमएमएससी एफएमएससीआई इंडियन नेशनल मोटरसाइकल रेसिंग चैम्पियनशिप (आईएनएमआरसी) के 5 राउण्ड के इस सीज़न में प्रो स्टॉक 165सीसी कैटेगरी में 3 राइडर होण्डा की ओर से दो सैटेलाईट टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इन टीमों ने होण्डा सीबीआर150आर पर राइड करते हुए चैम्पियनशिप में टॉप पॉज़िशन्स पर आने का लक्ष्य रखा है।
नेशनल चैम्पियनशिप के साथ-साथ, 2022 आईएनएमआरसी आईडेमिट्सु होण्डा इंडिया टैलेंट कप की मेजबानी भी करेगा- यह प्लेटफॉर्म भारत के नेक्स्ट-जैन राइडरों को विकसित कर अन्तर्राष्ट्रीय चैम्पियनशिप्स तक पहुंचने का मौका देता है। एनएसएफ250आर के 2022 सीज़न में 11 युवा राइडर मोटो 3 रेस मशीन प्लेटफॉर्म- एनएसएफ250आर पर अपना लोहा साबित करेंगे। 9 राइडर, सीबीआर150आर कैटेगरी में इस टैलेंट कप के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें सबसे कम उम्र का 12 वर्ष का राइडर भी शामिल है!

लोग मुझे 'खडूस कोच' बोल सकते हैं, लेकिन मैं ऐसा ही हूं : चंद्रकांत पंडित

बेंगलुरु,। रणजी ट्रॉफ़ी के क्वॉर्टर फ़ाइनल में पंजाब को हराने के तुरंत बाद ही मध्य प्रदेश की टीम ने सेमीफ़ाइनल के लिए तैयारियां शुरू कर दी। चौथी पारी में पंजाब के द्वारा दिए गए 26 रनों के लक्ष्य को उनके दोनों सलामी बल्लेबाज़ों ने 5.1 ओवर में ही पार किया और जल्दी से पवेलियन की ओर दौड़े।
टीम ने इसके बाद लंच किया, कोच चंद्रकांत पंडित ने 10 मिनट की एक छोटी सी मीटिंग ली और फिर एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच खेलने के लिए टीम फिर से मैदान में थी। इस दौरान

उत्तराखंड को 725 रन के रिकॉर्ड अंतर से हराने वाली मुंबई की टीम तुरंत होटल के लिए रवाना हो गई, वहीं एक दिन पहले ही कर्नाटक को हराकर सेमीफ़ाइनल में पहुंचने वाली उत्तर प्रदेश की टीम को भी कोच विजय दहिया ने दो-तीन दिन का आराम दिया है। लेकिन मध्य प्रदेश के कोच पंडित कतई भी आराम के मूड में नहीं दिखे ।मैच के बाद ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो से बात करते हुए उन्होंने कहा, सिर्फ़ आज शाम को ही इन्हें कुछ देर के लिए छुट्टी मिलेगी। इसके बाद फिर से अगले चार दिन तक हमें अपने अभ्यास में लगना है। भले ही हम क्वार्टर फ़ाइनल जीत गए हों लेकिन हमने मैच के दौरान कुछ ग़लतियां भी की हैं, जिसे हमें अगले मैच से पहले सुधारना है। हमनें तीन-चार कैच छोड़े, इसके अलावा हमारी फ़ील्डिंग साधारण रही। इस तरह से हमारी फ़ील्डिंग रही तो हमें रणजी ट्रॉफ़ी जीतने का विचार छोड़ देना चाहिए। मैंने लड़कों से कड़ाई से कहा है कि यह मुझे स्वीकार नहीं है।
खिलाड़ियों में चंदू सर के नाम से मशहूर चंद्रकांत पंडित के कोचिंग का अंदाज़ कुछ ऐसा ही है, इसलिए घरेलू क्रिकेट सर्किट में उन्हें सबसे स्ट्रिक्ट कोच भी कहा जाता है। लेकिन उन्होंने अपने इसी अंदाज़ की वज़ह से 2017-18 और 2018-19 में विदर्भ जैसी टीम को लगातार दो बार रणजी विजेता बनाया था और अब वह एमपी के लिए भी ऐसा करना चाहते हैं।

यूक्रेन के लिए लड़ रहे 3 विदेशी नागरिकों को रूसी अलगाववादियों ने दी मौत की सजा

नई दिल्ली। मॉस्को समर्थक अलगाववादियों ने यूक्रेन की ओर से लड़ने के लिए दो ब्रिटिश और एक मोरक्को के नागरिक को मौत की सजा सुनाई है। पकड़े गए तीन लड़ाकों के खिलाफ कार्यवाही को यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने युद्ध नियमों का गंभीर उल्लंघन बताया है।

आतंकवाद के लिए ठहराया गया दोषी

रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन में आक्रमण जारी रखा है और रिपोर्ट्स बताती हैं कि डोनबास और लुहांस्क क्षेत्र के 2 तिहाई हिस्से पर रूस ने कब्जा कर लिया है। यूक्रेन के इसी क्षेत्र में तथाकथित डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक की एक अदालत ने तीन लड़ाकों को दोषी पाया और मौत की सजा सुनाई है। इन्हें आतंकवाद के लिए भी दोषी ठहराया गया।

अपील करने के लिए एक महीने का वक्त

रूसी सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया है कि एडेन असलिन, शॉन पिनर और ब्राहिम सादौन के पास अपील करने के लिए एक महीने का वक्त है। अलगाववादी पक्षों का तर्क था कि तीनों भाड़े के सैनिक थे जो युद्ध के कैदियों को दी जाने वाली सामान्य सुरक्षा के हकदार नहीं थे। रिपोर्ट्स बताती हैं कि रूसी समर्थित विद्रोहियों द्वारा सजा दिए जाने वाले ये तीन पहले विदेशी लड़ाके हैं।

यूक्रेन ने रूस को लताड़ा

यूक्रेनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओलेह निकोलेंको ने कानूनी रूप से अमान्य कार्यवाही की निंदा करते हुए कहा कि प्रोपगेंडा हितों को कानून और नैतिकता से ऊपर रखा गया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के लिए लड़ने वाले सभी विदेशी नागरिकों को यूक्रेनी सैन्य कर्मियों के रूप में माना जाना चाहिए और युद्ध नियमों का ध्यान रखना चाहिए।

परिवार वालों ने क्या कहा है?

सादौन के पिता ताहेर सादौन ने मोरक्को की मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका बेटा भाड़े का नहीं है और उसके पास यूक्रेनी नागरिकता है।
असलिन और पिनर के परिवारों ने कहा है कि दोनों व्यक्ति यूक्रेनी सेना के लंबे समय से सेवारत सदस्य थे। बताया जाता है कि दोनों 2018 से यूक्रेन में रह रहे हैं।

पाकिस्तान पुलिस ने आमिर के शव दफनाने से रोका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ के सांसद रह चुके चर्चित टीवी होस्ट आमिर लियाकत के शव का परीक्षण करने के लिए पुलिस ने दफनाने की प्रक्रिया को रोक दिया है।'एक्सप्रेस ट्रिब्यून'ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।आमिर(49) कल अपने कराची स्थित आवास पर एक बंद कमरे में बेहोशी की हालत में मिले थे और कुछ समय बाद ही उनकी मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार आमिर की मौत के कारणों का पता लगाना जरूरी है और इसी कारण प्रशासन से कहा गया है कि उनके शव को कोल्ड स्टोरेज से ब्रिगेड पुलिस थाना लाया जाए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आमिर का शव पुलिस के अलावा किसी को नहीं दिया जाना चाहिए और अगर ऐसा किया जाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी। पुलिस अधिकारियों ने स्टोरेज रूम में जाकर आमिर के बेटे को शव परीक्षण के लिए तैयार करने का भी प्रयास किया।

बैन के बाद भी दुनिया के लिए भारत खोलेगा गेहूं का खजाना, 70 लाख टन करेगा एक्सपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र। प्रतिबंध के बावजूद भारत दुनिया के लिए गेहूं निर्यात का खजाना खोलेगा। यह अनुमान संयुक्त राष्ट्र संघ ने जारी किया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा साल 2022-23 के लिए जारी अनुमान के मुताबिक भारत से 70 लाख टन गेहूं का निर्यात किए जाने की उम्मीद है। यह बीते पांच साल में भारत के औसत निर्यात से अधिक होगा। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी 'द फूड ऐंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (एफएओ) ने यह बात कही है।

2008 के बाद अब बढ़ी हैं कीमतें

एफएओ ने गुरुवार को फूड सिनैरियो जारी किया। इसमें कहा गया कि वैश्विक गेहूं बाजार 2022-23 का सत्र बहुत अधिक अनिश्चितता के बीच शुरू हो रहा है। इसमें कहा गया कि यूक्रेन में जारी लड़ाई, कई देशों में कारोबार नीति परिवर्तनों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंची कीमतें गेहूं बाजार के परिदृश्य को आकार देंगे। खाद्य एजेंसी ने कहा कि गेहूं की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतें 2008 के बाद अब इतनी बढ़ी हैं। इसकी वजह है कुछ प्रमुख निर्यातक देशों में उपज की कमी से वैश्विक उपलब्धता कम होना, यूक्रेन और भारत समेत गेहूं निर्यात नहीं होना। इसके अलावा 2022-23 में आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण भी दबाव बढ़ रहा है।

बीते पांच साल में सबसे अधिक

साल 2022 के लिए वैश्विक गेहूं उत्पादन 2021 के रिकॉर्ड स्तर से 0.8 फीसदी घटकर 77.1 करोड़ टन रहने का अनुमान है जो बीते चार साल में पहली गिरावट होगी। ऑस्ट्रेलिया, भारत, मोरक्को और यूक्रेन में साल-दर-साल आई गिरावट कनाडा, ईरान और रूस में अनुमानित बढ़त पर भारी पड़ेगी। इसमें कहा गया कि गेहूं के निर्यात पर भारत में पिछले महीने जो पाबंदी लगाई गई उससे 2022-23 में विदेशों में आपूर्ति प्रभावित होगी जबकि 2021-22 में देश की बाजार में हिस्सेदारी काफी बढ़ गई थी। हालांकि पहले की अनुबंध प्रतिबद्धताओं, सरकार से सरकार को बिक्री और खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों को इस पाबंदी से छूट हासिल है। इनके तहत निर्यात 2022-23 में 70 लाख टन रहने का अनुमान है जो बीते पांच साल में भारत के औसत निर्यात से अधिक होगा।

उड़नतश्तरी के बारे में सटीक जानकारी जुटाएगा नासा

वाशिंगटन। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) ने उड़नतश्तरी (यूएफओ) के संबंध में और अधिक पुख्ता तथा सटीक जानकारी के लिए वैज्ञानिकों की एक टीम गठित किये जाने की घोषणा की है।'खलीज़ टाइम्स'ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नासा की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इस अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों की नजर उपलब्ध आंकडों को पहचानने, भविष्य में इनके बारे में आंकडे एकत्र करने के सबसे अच्छे तरीकों और इन सूचनाओं का इस्तेमाल करके यूएफओ के संबंध में आधुनिक वैज्ञानिक समझ विकसित करने पर रहेगी। डेविड स्पेरगेल को नासा ने इस टीम की अगुवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी है। डेविड प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी के एस्ट्रोफिजिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। नासा के विज्ञान मिशन निदेशालय के एक वरिष्ठ अनुसंधानकर्ता डेनिएल इवांस को इस अध्ययन के लिए योजना बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। इस टीम में इस आने वाले महीनों में वैज्ञानिकों के एक दल को शामिल किया जायेगा। इवांस के अनुसार तब से लेकर नौ महीने के भीतर जो भी जानकारी मिलेगी उसकी एक सार्वजनिक रिपोर्ट तैयार की जायेगी।

दक्षिण अफ्रीका बस हादसे में 15 की मौत

जोहानसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के उत्तरी तशवेन के पेट्रीशोएक में शहरी रास्ते एम17 पर एक बस की भिड़त ट्रक से हो गयी जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी। यह जानकारी यहां की आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता थाबो चार्ल्स माबासो ने दी। यह हादसा शुक्रवार तड़के हुआ। श्री माबासो ने कहा,घटनास्थल पर पहुंची आपात सेवाओं ने पाया की एक बस और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हुयी है, जिसमें कुछ घायल आस-पास पड़े हुए थे और कुछ दोनों वाहनों के अंदर फंसे हुए थे। दुर्घटना में 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी थी जबकि 37 लोगों को प्रीटोरियो शहर के विभिन्न अस्पतालों में जाया गया। इसमें सात लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। माबासो ने कहा,तशवेन के दमकलकर्मी, ग्वातेंग आपातकालीन मेडिकल सेवा और निजी एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों ने घटनास्थल पहुंचकर इलाज शुरू किया और घायलों को निकाला था। उन्होनें कहा कि हादसे का कारण अभी पता नहीं है और इसकी जांच एजेंसियां करेंगी। तशावेन में समुदायिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं की अधिकारी एल्डरमैन थ्यूनिसेन ग्रैंडिक ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की है। उन्होंने सड़क पर चलने वाले यात्रियों से हर वक्त सावधान रहने का आग्रह किया।

पाकिस्तान : पीटीआई नेताओं की जमानत याचिका की स्वीकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में लाहौर स्थित आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने पाकिस्तान तहरीक -ए -इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की 25 मई की यात्रा के दौरान कथित रूप से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में पार्टी के 13 नेताओं की अंतरिम जमानत याचिका शुक्रवार को स्वीकार कर ली। एटीसी की ओर से पहले पीटीआई नेताओं के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किये गये थे इन नेताओं में हम्माद अजहर, मुराद रास ज़ुबैर नियाजी, मेहमुदर रशीद, एजाज़ चौधरी, अस्लम इकबाल और अन्य शामिल थे। बाद में इन नेताओं ने अदालत के समक्ष हाजिर होकर अंतरिम जमानत दिये जाने की गुहार लगायी जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया और हर एक याचिकाकर्ता को जमानत के लिए एक लाख का मुचलका भरने को कहा। पूर्व ऊर्जा मंत्री हम्माद अजहर नेअदालत के बाहर पत्रकारों से कहा, यह निकम्मी सरकार उन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज कराने का प्रयास कर रही है जो शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह और मरयम नवाज इस देश को एक पुलिस फांसीवादी देश बनाना चाहते हैं ताकि सत्ता और पैसे के लिए उनके नशे पर कोई उंगली न उठाये। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर कानून और संविधान ने आज अपनी आवाज नहीं उठायी तो यह देश एक पुलिस फांसीवादी देश बन जायेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटरा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

फसलों के बीज जनित रोग का नियंत्रण आवश्यकता

बीज और बीज जनित रोगों का चोली दामन का साथ है अधिकांश बीमारियाँ बीजारूढ़ होती है जिनके नियंत्रण से बुआई पूर्व ही लाभ हो जाता है।

समुचित कटाई व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण

फसल की कटाई अगर सही समय पर की जाये तो स्वस्थ एवं रोग रहित बीज प्राप्त किया जा सकता है। कटाई से पूर्व किसान भाई अवांछित खरपतवार एवं उसी फसल की दूसरी किस्मों को तथा रोग्रस्त पौधों को अलग करके फसल की कटाई करें, कटाई के समय बीज में नमी का भी सही स्तर होना आवश्यक है, यदि बीज ज्यादा सूख जाता है तो दाबन के समय वह चोटिल हो जाता है और उगने में सक्षम नहीं रहता है, इसी प्रकार जरूरत से ज्यादा नमी होने पर बी के ऊपर फफूंद लगाने का भय रहता है, कटाई के पश्चात बीज को आधुनिक भंडारगृह में 8-8-5 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

बीजोपचार के लिए अनुशंसा

क्रमांक	फसल	रसायन का नाम	रसायन मात्रा ग्राम किग्रा
	सस्य फसलें		
1	धान	बाविस्टिन /थायरम	1 : 2
2	गेहूँ	विटावैक्स /रैक्सिल	2.5 /1.5
3	मक्का	थायरम / कैप्टान	3
4	अरहर, चना, मूँग, सनई	बाविस्टिन /थायरम	3
5	आलू	साफ / कम्पेनियन	2
6	मसूर	बाविस्टिन /थायरम	2 / 3
7	सरसों	बाविस्टिन / थायरम	2 / 2
8	मूँगफली	बाविस्टिन /थायरम	2 / 2
	शाक दृ सब्जियाँ		
1	मटर एवं अन्य फलीदार सब्जियाँ	कैप्टान / थायरम	3
2	भिण्डी	कैप्टान / थायरम	3
3	बैंगन	थायरम /बाविस्टिन	3 / 2
4	मिर्ची	बाविस्टिन	2
5	गोभी	बाविस्टिन	2
6	टमाटर एवं पत्तीदार सब्जियाँ	बाविस्टिन	2
7	गाजर, प्याज, मूली एवं शलजम	बाविस्टिन	2
8	बीन फलियाँ	बाविस्टिन	2

बीज की सफाई

बीज के साथ मिश्रित उसी फसल के तने, शाखा, फल्लियों, पत्तियों के टुकड़े तथा मिट्टी के कण पाये जाते हैं इन अवांछित भागों पर रोगकारक फफूंदियों जीवाणुओं के संक्रमण भाग उपस्थित हो सकते हैं, किसान हाथ द्वारा बीज को साफ करके रोगजनक के प्राथमिक स्त्रोत को नष्ट कर सकते हैं जैसे- गेंहू की टुंडू बीमारी के कॉकिल्स, अलसी रस्ट में संक्रमित भागों को तथा बाजरा के अर्गट में स्क्लेरोशिया को हाथ से निकालकर नष्ट किया जा सकता है।

बीजोपचार

बीजोपचार, बी जनित रोगों की रोकथाम का सबसे सस्ता व सरल उपाय है, बीजोपचार का मुख्य उद्देश्य बीज तथा भूमि में उपस्थित रोगजनकों से बीज की रक्षा करना है, बीजोपचार की निम्नलिखित विधियाँ हैं:

भौतिक विधियां

बीजोपचार की भौतिक विधियां प्राचीनकाल से ही प्रचलित है, 1670 में गेहूँ से भरे जहाज में समुद्र का खास पानी भर गया जब इस गेहूँ को पुनः सुखाकर बीज के रूप में बोया तब यह पाया गया कि उनसे उगे गेहूँ के पौधे बदबूदार कण्डवा रोग से ग्रस्त नहीं हुये रेमनेन्ट ने सन 1637 में नमक को बीजोपचारक रूप में प्रयोग कर गेहूँ के कण्डवा रोग की रोकथाम की इसी प्रकार प्राचीनकाल से ही यह प्रचलित है कि बोने से पूर्व बीज को सूर्च की तेज धूप में सुखाया जाये और फिर बोया जायें

सूर्यताप द्वारा बीजोपचार

बीज के आंतरिक भाग में (भूरण) में रोगजनक को नष्ट करने के लिए रोगजनक की सुषुप्तावस्था को तोड़ना होता है जिसके बाद रोगजनक बिल्कुल नाजुक अवस्था में आ जाता है जिसे सूर्य की गर्मी द्वारा नष्ट किया जा सकता है, गेहूँ, जौ एवं जई का छिदरा कंडवा रोग आंतरिक बीज जन्य रोग है। इनके नियंत्रण हेतु बीज को पहले पानी में 3-4 घंटे भिगोते हैं और फिर सूर्य ताप में 4 घंटे तक रखते हैं जिससे बीज के आंतरिक भाग में उपस्थित रोगजनक का कवकजाल नष्ट हो जाता है।

गर्म जल द्वारा बीजोपचार

इस विधि का प्रयोग अधिकतर जीवाणु एवं विषाणुओं की रोकथाम के लिए किया जाता है। इस विधि में बीज या बीज के रूप में प्रयोग होने वाले भागों को 53-54 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 15 मिनट तक रखा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते हैं जबकि बीज अंकुरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जैसे यदि गाजर के बीज को गर्म जल में 50 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट तक रखा जाये तो आल्टरनेरिया नष्ट हो जाता है।

गर्म वायु द्वारा

गर्म वायु के प्रयोग द्वारा भी बीजों को उपचारित किया जा सकता है, जैसे- टमाटर के बीजों को 6 घंटे तक 29-37 डिग्री सेल्सियस पर सुखाया जाये तो फाइटोपथोरा इन्फेस्टेंस का असर खत्म हो जाता है। इसी प्रकार यदि टमाटर के बीजों को 76 डिग्री सेल्सियस गर्म वायु में 2 दिन तक रखा जाये तो मोजेक रोग का प्रकोप कम होता है।

विकिरण द्वारा

इस विधि में विभिन्न तीव्रता की अल्ट्रावयलेट या एक्स किरणों को अलग-अलग समय तक बीजों पर गुजारा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते है।

रसायनिक बीजापेचार

इस विधि में रसायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है ये दैहिक या अदैहिक फफूंदनाशक या एण्टीबायोटिक हो सकते हैं यह रसायनिक फफूंदनाशक बीज के अंदर अवशेषित होकर अंतः बीज जनित रोगाणुओं को नष्ट करते हैं या यह एक संरक्षक कवच के रूप में बीज के चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे बीज पर रोगाणुओं का संक्रमण नहीं हो पाता, फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में सर्वप्रथम 1760 में प्रयोग किया गया शुल्येश ने सर्वप्रथम गेंजू के कंडव रोग से बचाने हेतु कॉपर का प्रयोग किया 1913 में रहिन ने आर्गेनिक पारायुक्त फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सन 1941 में हैरिंगटन ने घास (भान) रोग की रोकथाम के लिए थाइरम का उपयोग किया, सन 1952 में कैप्टन को बीजरक्षक फफूंदनाशक के रूप में उपयोग किया गया। सन 1968 में बेनोमिल की सर्वांगी फफूंदनाशक के रूप में खोज के पश्चात इस क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कार्बोक्सिन, मेटालेक्सिन व दूसरे सर्वांगी फफूंदनाशक जैसे-थायरम, कैप्टान, एग्रोसान, डायथेन एम-45, डायफोलेटॉन की 2-5 से 3-0 ग्राम मात्रा जबकि दैहिक फफूंदनाशकों जैसे-कार्बोन्डाजिम, बीटावैक्स, वेनलेट, बेनोमिल की 1-5 से 2-0 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के उपचार के लिए पर्याप्त होती है, फफूंदनाशक दवाओं से बीजोपचार मुख्यतः निम्न विधियों से किया जाता है

सूखा उपचार

यह विधि सोयाबीन, ज्वार, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरहर, सूर्यमुखी, गेहूँ, चना, अलसी, सरसों आदि के लिए उपयुक्त हैं, बीजोपचार के लिए बीज तथा फफूंदनाशक दवा की उपयुक्त मात्रा को बीजोपचार ड्रम या मिट्टी के घड़े में डालकर 10 मिनट तक घुमाते है।

गीला उपचार

यह विधि प्रायः ऐसी फसलों के लिए प्रयोग में लाई जाती है जिसके कंद तथा तना आदि बीज के रूप में प्रयोग किये जाते हैं जैसे-गन्ना, आलू, अदरक, हल्दी, लहसुन, अरबी आदि बीजोपचार के लिए आवश्यक मात्रा में पानी व दवा का घोल बनाकर उसमें 10 मिनट तक बीज को डुबोकर रखते फिर बोनी करते है।

स्लीरी विधि

यह एक व्यापारिक विधि है जिसमें बड़े स्तर पर बीजोपचार करते हैं इस विधि में कवकनाशी की निर्धारित मात्रा का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बीज की मात्रा के साथ अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह सुखाने के पश्चात बीज को बेचने के लिए पैक कर संग्रहित करते हैं।

धूमीकरण

बीजजन्य रोगों के नियंत्रण हेतु यह एक अच्छी विधि है इस विधि में सोयाबीन के बीजों को फार्मेल्डिहाइड के साथ 2 घंटे तक या हाइड्रोजोइक अम्ल को 53 घंटे तक धूमीकृत करने से 80 प्रतिशत तक जीवाणु मुक्त बीज मिलते हैं।

जैविक बीजोपचार

यह कवकीय या जीवाणुवीय उत्पति के होते हैं जो कि पीथियम, राइजोक्टोनिया, फ्यूजेरियम, फाइटोफ्थोरा स्केलेरोशियम, मैक्रोफोमिना इत्यादि होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे-जड़ गलन, अर्द्रगलन, उकठा, बीज सड़न, अंगमारी आदि को नियंत्रित करते हैं, जैव नियंत्रण हानिकारक कवकों के लिए या तो स्थान, पोषक पदार्थ, जल, हवा की कमी कर देते हैं या फिर रोगजनक के शरीर से चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रति जैविक पदार्थ द्वारा उपयोग कर लेते हैं जिससे रोगकारक जीव नष्ट हो जाता है। ट्राइकोडर्मा प्रजाति, वैसिलस सबटिलिस, स्यूडोमोनास प्रजाति, ग्लोमस प्रजाति प्रमुख जैव नियंत्रण हैं जिनकी 4-5 ग्राम मात्रा बीजोपचार के लिए पर्याप्त है।

स्वयं बीज का उत्पादन कैसे करें किसान

कृषक यदि अपना स्वयं का बीज तैयार करें तो वह बहुत सी समस्याओं से बचकर कम लागत में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता है:

रकबा व क्षेत्र का चुनाव

किसान भाई जितने क्षेत्र में फसल उगाना चाहें उसके दशवें भाग में बीजोत्पादन करना चाहिए अर्थात यदि 10 एकड़ की फसल के लिये बीज तैयार करना हो तो एक एकड़ जमीन में बीज बोने की जरूरत होगी। बीजोत्पादन हेतु ऐसा खेत चुने जिसमें पिछले सीजन में वह फसल न उगाई गई हों, खेत अच्छी तरह समतल हो, मिट्टी उपजाऊ तथा कार्बनिक पदार्थों से पूर्ण हो जैसे-हरी खाद, गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि खेत सिंचित हो तो अच्छा रहेगा।

भूमि की तैयारी एवं किस्म का चुनाव

फसल की कटाई के उपरांत फसल के अवशेषों को खेत से हटा देना चाहिए, तीन-चार जुताई करके खेत की मिट्टी भुरभुरी कर लेना चाहिए, खेत में पानी का भराव नहीं होना चाहिए।

बीज-बीज उत्पादन के लिए किस्म का चुनाव भौगोलिक क्षेत्र की कृषि-जलवायु के अनुकूल होना चाहिए। बोये जाने वाले बीज की अनुवांशिक शुद्धता व बीज की अन्य गुणवत्ता विश्वसनीय व प्रमाणित होनी चाहिएं यदि किसान भाई 'आधार बीज' का उत्पादन करना चाहते हैं, तो उसके लिये 'प्रजनक बीज' की बुवाई की जाती है तथा यदि किसान भाई 'प्रमाणित बीज' का उत्पादन लेना चाहते हो तो बीज के लिये 'आधार बीज' बोना चाहिए, किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य कराने के उद्देश्य से बीज का प्रगुणन चार चरणों में किया जाता है जो इस प्रकार है

अंकुरण की जांच एवं बीजोपचार

बीज का उपचार थीरम तथा वाविस्टीन (1:1) कवकनाशियों से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें, इसके बाढ़ राइजोबियम कल्चर तथा पी.एस.बी. का भी प्रयोग किया जाना चाहिए, इनकी दर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से रखना चाहिए।

बुवाई-बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई सही समय पर होनी चाहिए, निर्धारित कतार में ही करें साथ ही लाइन व पंक्ति की दूरी फसल के अनुरूप होनी चाहिए।

खाद तथा उर्वरक

बीज की गुणवत्ता तथा भूमि की भौतिक दशा बनाये रखने के लिये 10-15 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से हर तीसरी वर्ष डालना चाहिए, उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में करना चाहिए। पौधों की वांछनीय वृद्धि के लिए उर्वरकों को भूमि में 5-7 सेमी? की गहराई पर बीज के नीचे डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

आवश्यकता से अधिक पानी को खेत में अति शीघ्र निकाल देना चाहिए, निम्न अवस्थाओं में पानी की कमी होना सबसे हानिकारक होता है, जैसे- अंकुरण की अवस्था, फूल आने पर, फली बनने पर व दाना भरने की अवस्था में यदि पानी की कमी होगी तो बीज की गुणवत्ता खराब होगी।

विभिन्नता दिखाने वाले पौधों को पहचानना व निकालना

बीज की जातीय शुद्धता बनाये रखने के लिए फसल का समय-समय पर सावधानीपूर्व क निरीक्षण करते रहना चाहिए। यदि फसल के अंदर कोई अन्य जाति या किस्म के पौधे उग आये हो अथवा रोग व कीटग्रस्त पौधों को निकालते रहे, जिस किस्म का बीजोत्पादन कर रहे हैं, उसके पौधों के गुणों से भिन्न गुणों वाले पौधों को फूल आने के पूर्व या फूल आते ही निकाल देना चाहिए। साथ ही फसल में किसी प्रकार के खरपतवार भी नही चाहिए।

कटाई व गहाई

फसल की कटाई समय पर ही करनी चाहिए, समय से पहले कटाई करने से बीज सिकुड़े हुए झुर्रीदार व दाने हरे बनने की समस्या होती है, जबकि देर से कटाई करने पर फली चटखने की सम्भावना रहती है। कटाई के समय 95 प्रतिशत फल्लियाँ पकी होनी चाहिए। फसल की गहाई जिस स्थान अथवा यंत्र से करें उसे भली-भांति साफ कर लें ताकि दूसरे किस्म के बीज न मिल पाये। बीज को सुखाने, सफाई व श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) पक्के फर्स या त्रिपाल पर करें, बीज को 2-3 दिन धूप में सुखायें जिससे उपर्युक्त नमी हो जाये। परन्तु बीज को कभी भी सीधे सूर्च के प्रकाश में अधिक तापमान पर न सुखायें, बीज को अच्छी तरह साफ करें, फल्लियों व पौधों के टुकड़े मिट्टी, कंकड़, खरपतवार के बीज, टूटे-फूटे बीज आदि निकाल देना चाहिए। इसके पश्यात मशीन या हाथ के छलनी से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें तथा हल्के सुकड़े तथा रोगग्रस्त बीज निकाल दें।

बीजोपचार

स्वस्थ एवं नीरोग बीज के द्वारा ही फसलों का वांछित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बीजों को अस्वस्थ करने वाले कारकों में कवक, जीवाणु तथा सूत्रकृमि मुख्य हैं। बहुत से रोगों के जनक बीज के साथ, बीज की सतह पर या बीज के अन्दर रहते हैं तथा बीज को अस्वस्थ कर देते हैं। रोगी बीज का जमाव कम होता है तथा बीज के साथ रोगजनक एक जगह से दूसरे जगह आसानी से पहुँच जाते हैं। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने या बीजोपचार द्वारा फसल को बीजजनित रोगों से प्रारंभिक अवस्था में बचाया जा सकता है। रासायनिक बीजोपचार द्वारा बीजजनित रोग जनकों के नियंत्रण के साथ-साथ फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले मृदाजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलती है तथा जमाव अच्छा होता है। बीजोपचार सस्ता एवं सुविधाजनक भी हैं बीजोपचार अवश्य करना चाहिए। रसायन उपचारित बीज को कभी भी जानवरों या मनुष्यों को नहीं खिलाना चाहिए तथा बीजोपचार करने के लिए प्रयुक्त ड्रम या बर्तन को कभी भी पानी या अनाज रखने के लिए प्रयोग न करें। कुछ प्रमुख फसलों के लिए राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुशंसित बीजोपचार के लिए अपेक्षित मात्रा नीचे दी जा रही है।

अनाज के सुरक्षित भण्डारण के उपाय

नरेन्द्र कुमार एवं विवेक कुमार कीट विज्ञान विभाग एवं उद्यान विज्ञान विभाग विद्यावाचस्पति शोध छात्र, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर राजस्थान

फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का होता है। अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए वैज्ञानिक विधि अपनाने की जरूरत होती हैए जिससे अनाज को लंबे समय तक चूहेए कीटोंए नमीए फफूंद आदि से बचाया जा सके। भण्डारण की सही जानकारी न होने से 10 से 15 प्रतिशत तक अनाज नमीए दीमकए घुनए बैक्टीरिया द्वारा नष्ट हो जाता है। अनाज को रखने के लिए गोदाम की सफाई कर दीमक और पुराने अवशेष आदि को बाहर निकालकर जलाकर नष्ट कर दे। दीवारों, फर्श एवं जमीन आदि में यदि दरार हो तो उन्हे सीमेंटए ईट से बंद करे दें। टूटी दीवारों आदि की मरम्मत करा दें।

भण्डारण में होने वाली इस क्षति को रोकने के लिए किसान सुझावों को ध्यान में रखकर अनाज को भण्डारित कर सकते हैं। अनाजों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा कर धूप में सुखा लेना चाहिए, जिससे कि दानों में 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहने पाए। अनाज में ज्यादा नमी रहने से फफूंद एवं कीटों का आक्रमण अधिक होता है। अनाज को सुखाने के बाद दांत से तोड़ने पर कट की आवाज करें तो समझना चाहिए कि अनाज भण्डारण के लायक सूख गया है। इसके बाद अनाज छाया में रखने के बाद ठंडा हो जाने के बाद ही भण्डार में रखना चाहिए।

भंडारण के लिए तैयार करें लकड़ी और तख्ते का मंच: अनाज से भरे बोरे को भण्डार गृह में रखने के लिए फर्श से 20 से 25 सेमी की ऊंचाई पर बांस या लकड़ी के तख्ते का मंच तैयार करना चाहिए, जो दीवार से कम-से-कम 75 सेमी की दूरी पर हो। बोरियों के छल्लियों के बीच भी 75 सेमी खाली स्थान रखना फायदेमंद होता है। गोदाम में पक्षियों एवं चूहों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर देना चाहिए।

अनाजों व दालों का भंडारण

कुछ पारंपरिक अन्न भंडारण के तरीके जैसे आनाजों व दालों के कड़वा तेल लगानाए राख मिलानाए नीम, लहसुन व करंज के पत्ते कोठी में बिछाना, सूखे हुए लहसुन के डंठल रखना आदि। अनुसंधानों द्वारा यह पाया गया कि परंपरागत तरीके से आनाज व दालों में 10-20 प्रतिशत तक राख मिलाने से वो खराब नहीं होते पर आवश्यक है कि राख को छानकर व सुखा कर ही डाला जाय। राख की रगड़ खाकर कीड़े मर जाते और दानों के बीच की जगह जहां हवा हो सकती है, वहां राख आ जाने से हवा नहीं रहती। इस प्रकार राख मिलाना लाभप्रद होता है।

भंडारण करने से पहले यह सावधानियां जरूरी

■ अनाज भरे बोरे को छल्लियों या अन्न के ढेर को प्रधूमित करने के लिए एल्मुनियम फॉस्फाइड का पाउच आवश्यकतानुसार रखकर पॉलीथीन चादर से अच्छी तरह ढक कर उसके किनारे को सतह के साथ गीली मिट्टी से वायुरुद्ध कर देना चाहिए।

■ चूहों से बचाने के लिए एक ग्राम जिंक फॉस्फाईड और उन्नीस ग्राम सत्तू या आटा में थोड़ा सरसों तेल मिलाकर एवं लगभग 10 ग्राम की गोली बनाकर चूहों के आनेज़ाने के रास्ते पर गिनती में रख देना चाहिए।

■ खुले हुए अनाज पर कीटनाशी नहीं रखना चाहिएए चूहा शंकालु प्रवृत्ति का होता है। इसलिए बदलब्रदल कर विषाक्त चाराए चूहेदानी एवं टिकिया को रखना चाहिए। दवा अनाज में देने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

■ पुराना आनाज एवं भूसा इत्यादि को निकल कर एक महीने पहले सफाई कर चूहों द्वारा किए गए छेद एवं अन्य टूटफ़ूट की मरम्मत कर नीम की पत्ती का प्रधुमन करके अच्छी तरह से भण्डारण को बंद कर देंए जिसमें छुपे हुए भण्डारण कीट नष्ट हो जाए एवं अन्य भण्डारण बोरी को खौलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा ले।

■ अन्न का भंडारण करते समय हवा के रुख को अवश्य ध्यान रखे अगर पुरवा हवा चल रही होए तब अन्न का भंडारण न करें। अनाज भंडारण में नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अन्न की बोरी में रखे।

भंडारण गृह में न हो सीलन

भण्डारण के लिए वैसे भण्डार गृह का चयन करना चाहिए, जहां सीलन नमी न हो एवं चूहों से अन्न का बचाव किया जा सके। भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायु भी किया जा सके। भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोठियों को साफ सुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करने के लिए मेलाथियान 50 प्रतिशत का पानी में 1रू100 में बने घोल को दीवारों एवं फर्श पर प्रति एक सौ वर्ग मीटर में तीन लेयर घोल की दर से छिड़काव करना चाहिए। बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खौलते पानी में डाल देना चाहिए। इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मालाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।